Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 223
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
शुक्रवार,13 मार्च 2026

मंत्र भारत

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

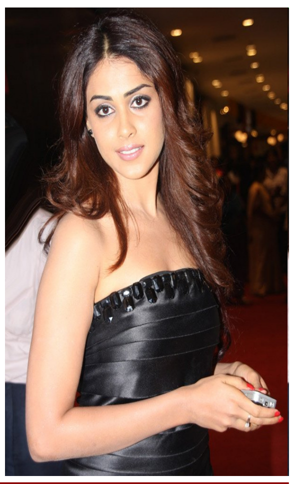

2 टेट अनिवार्यता के विरोध में.... 5 गर्मियों में चेहरे को ठंडक देने के 7 घरेलू नुस्खे, तुरंत ... 7 'परफेक्शन नहीं, प्रगति पर फोकस करो';

सीएम पहुंचे अयोध्या, किया श्रीराम मंदिर व हनुमानगढ़ी में दर्शन-पूजन

श्रीराम मंदिर परिसर में निर्माण कार्यों की प्रगति की ली जानकारी

लखनऊ (एजेंसी)। गोरक्ष पीठाधीश्वर व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार को अयोध्या पहुंचे। सबसे पहले संकटमोचन हनुमानगढ़ी मंदिर में दर्शन-पूजन किया और प्रदेश की सुख-शांति की कामना की। सीएम योगी ने श्रीराम मंदिर में श्रीरामलला के चरणों में शीश झुकाया। उन्होंने श्रीराम मंदिर परिसर के निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी भी ली।मुख्यमंत्री ने दौरे की शुरूआत संकटमोचन हनुमानगढ़ी मंदिर से की। मुख्यमंत्री श्रीराम मंदिर पहुंचे। उन्होंने श्रीरामलला के दर्शन किए, आरती उतारी और मंदिर की परिक्रमा की। मंदिर परिसर में निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। श्रीराम मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री को निर्माण कार्यों की वर्तमान स्थिति और आगामी योजनाओं से अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने हनुमानगढ़ी में संतों से मुलाकात की और उनका कुशलक्षेम जाना। सबसे पहले महंत प्रेमदास से मिले। मुख्यमंत्री ने अन्य संतों का हालचाल जाना। इससे पहले मुख्यमंत्री के अयोध्या आगमन पर रामकथा पार्क हेलीपैड पर जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। जनपद के प्रभारी मंत्री एवं कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, महापौर गिरीश पति त्रिपाठी, विधायक वेद प्रकाश गुप्ता, रामचंद्र यादव, चंद्रभानु पासवान, अमित सिंह चौहान, श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय आदि मौजूद रहे।

गैरसैंण को हमने हृदय में बसाया हैं, विपक्ष के आरोपों का दिया जवाब:धामी

भराड़ीसैंण (एजेंसी)। विपक्ष की ओर से बार-बार आरोप लगाए जा रहे हैं सरकार सदन नहीं चलाना चाहती है।ऐसे में सीएम धामी ने सत्र की अवधि बढ़ाए जाने के संकेत दिए हैं। विधानसभा सत्र की अवधि बढ़ सकती है। बुधवार को राज्यपाल अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री ने सदन में सत्र की अवधि बढ़ाने के संकेत दिए। सीएम ने कहा, रविवार को अवकाश कर सोमवार को भी मुद्दों पर चर्चा कर सकते हैं। विपक्ष के एक-एक बात का जवाब देंगे। विपक्षी जितनी चर्चा चाहता है हम करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा, विपक्ष की ओर से बार-बार आरोप लगाए जा रहे हैं सरकार सदन नहीं चलाना चाहती है। लेकिन सच्चाई यह है कि पिछले चार वर्षों में भराड़ीसैंण में सबसे अधिक सत्र हुए हैं। भविष्य में इसकी संख्या बढ़ाई जाएगी। शुक्रवार तक सत्र पहले से तय है। शनिवार को सत्र चला कर रविवार को अवकाश कर सोमवार को फिर से चर्चा कर सकते हैं। विपक्ष जितनी चर्चा चाहता है हम उससे पीछे नहीं हटेंगे। विपक्ष के एक-एक सवाल का जवाब देंगे। हमने कोई गलत काम नहीं किया है। पहाड़ की उम्मीद व स्वाभिमान का प्रतीक गैरसैंण को हमने हृदय में बसाया है। यहीं वजह है कि सत्र के अलावा सरकार ने कई कार्यक्रम यहां कराए हैं।

हमेशा निष्पक्षता का प्रयास, किसी को नियम से परे जाकर बोलने का विशेषाधिकार नहीं:ओम बिरला

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बृहस्पतिवार को कहा कि उन्होंने निष्पक्षता और नियमों के अनुरूप सदन की कार्यवाही संचालित करने का प्रयास किया है तथा किसी भी सदस्य को नियमों से परे जाकर बोलने का विशेषाधिकार नहीं है। बिरला ने विपक्ष द्वारा उनके खिलाफ लाए गए संकल्प को सदन द्वारा अस्वीकार किए जाने पर सदस्यों का आभार व्यक्त किया और कहा कि वह पूरी निष्ठा और संवैधानिक मयार्दा के साथ जिम्मेदारी निभाने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा, सदन द्वारा मुझ पर व्यक्त किए गए विश्वास के लिए सभी का आभार व्यक्त करता हूं, इस विश्वास को अपनी जिम्मेदारी मानते हुए पूरी निष्ठा, निष्पक्षता और संवैधानिक मयार्दा के साथ निभाऊंगा।श्श बिरला ने कहा कि उनके खिलाफ लाए गए संकल्प पर सदन में पिछले दो दिन में हुई चर्चा में कुछ सदस्यों का मानना था कि नेता प्रतिपक्ष सदन से ऊपर हैं और किसी भी विषय पर बोल

सकते हैं, लेकिन ऐसा विशेषाधिकार किसी को नहीं है और सभी को नियम के अनुसार ही बोलने का अधिकार है। ये नियम सदन ने ही बनाए हैं और मुझे विरासत में मिले हैं। बिरला ने कहा, चर्चा के दौरान कुछ सदस्यों ने नेता प्रतिपक्ष को बोलने से रोकने की बात की। सदन के नेता हों या प्रतिपक्ष के नेता या कोई मंत्री, सभी को नियमों के तहत और प्रक्रिया के तहत बोलने का अधिकार है। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री और मंत्रियों को भी वक्तव्य देने के लिए अध्यक्ष से अनुमति लेनी पड़ती है। उन्होंने कहा, मैंने हमेशा यह प्रयास किया है कि लोकसभा में प्रत्येक सदस्य नियमों के अनुसार अपने विचार रखें, इसके लिए सभी को समय देने का प्रयास किया है। बिरला ने कहा, मैंने हमेशा यह प्रयास किया कि सदन की कार्यवाही निष्पक्षता, अनुशासन, संतुलन और नियमों के साथ संचालित हो। उन्होंने यह भी कहा, मैंने अपने नैतिक कर्तव्य का पालन करते हुए अपने खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस दिए जाने के साथ ही लोकसभा की कार्यवाही के संचालन से खुद को अलग कर लिया। उन्होंने आसन द्वारा विपक्षी सदस्यों के बोलते समय माइक बंद किए जाने के आरोपों पर कहा, अध्यक्ष के पास माइक ऑन करने या बंद करने का अधिकार नहीं है।

राहुल गांधी का पीएम मोदी पर तीखा हमला

प्रधानमंत्री घबराए हुए हैं, इसलिए सदन के अंदर नहीं आ रहे:राहुल

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने

बृहस्पतिवार को दावा किया कि रसोई गैस की किल्लत को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लोगों से नहीं घबराने की अपील कर रहे हैं, जबकि वह खुद अलग कारणों से घबराए हुए हैं। राहुल गांधी ने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, प्रधानमंत्री कह रहे हैं कि घबराने की जरूरत नहीं है, लेकिन खुद प्रधानमंत्री बिल्कुल अलग वजहों से घबराए हुए हैं। वह अदाणी मामले, एप्सटीन फाइल के कारण घबराए हुए हैं। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री सदन के अंदर नहीं आ पा रहे हैं और देश से कह रहे हैं कि घबराओ मत, जबकि वह खुद घबराए हुए हैं। पश्चिम एशिया में संघर्ष के कारण रसोई गैस की किल्लत के बीच, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को लोगों से नहीं घबराने की अपील की थी और जनहित की रक्षा का आश्वासन दिया था। उन्होंने कहा था, श्मैं लोगों से अपील करना चाहता हूं कि हम केवल सही और सत्यापित जानकारी ही फैलाएं। कांग्रेस सांसद जेबी माथेर ने कहा, भारत जिसे सफलतापूर्व रुख कहता है, हम वही चाहते हैं, लेकिन हमें कोई कार्रवाई नजर नहीं आती। ऊर्जा संकट के संबंध में यह तथाकथित सफलता कहां है? लोग परेशान हैं, होटल बंद हो रहे हैं और घरेलू बाजार बुरी तरह प्रभावित होने वाले हैं। इन चिंताओं का समाधान करना बेहद जरूरी है। उड़ानें सीमित हैं, हवाई किराए आसमान छू रहे हैं, ये वास्तविकताएं हैं फिर भी प्रधानमंत्री बिना किसी ठोस निर्णय, हस्तक्षेप या भारत सरकार की ओर से सार्थक भागीदारी के बयानबाजी करते रहते हैं। कांग्रेस सांसद धर्मवीर गांधी ने कहा, हमारी अपनी जरूरतें और प्राथमिकताएं हैं और हमें अंतरराष्ट्रीय स्थिति पर भी विचार करना चाहिए। वैश्विक समुदाय के सामने भारत का पक्ष रखना आवश्यक है। सरकार ने भारत की गुटनिरपेक्षता की दीर्घकालिक नीति को त्याग दिया है, जिससे विदेश मामलों में गड़बड़ी पैदा हो गई है। इससे निपटने के लिए हमें देश और अपनी पार्टी के हितों को ध्यान में रखते हुए अन्य देशों को अपना संदेश देना होगा। अगर आप विदेश यात्राओं पर नजर डालें तो मौजूदा प्रधानमंत्री ने कई दौरे किए हैं, लेकिन लोकसभा सत्र के दौरान बहुत कम समय के लिए और कोई जवाब नहीं दिया।

पीवाईपीएल से जुड़े अंतरराष्ट्रीय धोखाधड़ी मामले में सीबीआई ने यूपी समेत 15 जगहों पर की छापेमारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सीबीआई ने विदेशी फिनटेक (वित्तीय प्रौद्योगिकी) मंच पीवाईवाईपीएल से जुड़ी ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी के सिलसिले में कई राज्यों में 15 स्थानों पर छापेमारी की। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) अब गिरोह के कथित सरगना अशोक कुमार शर्मा की हिरासत की मांग कर रही है, जो एक चार्टर्ड अकाउंटेंट है और जिसे हाल में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गिरफ्तार किया था। केंद्रीय गृह मंत्रालय की साइबर अपराध निरोधक शाखा (आई4सी) ने इस मामले को सीबीआई को सौंप दिया था। इसके बाद एजेंसी ने मामला दर्ज कर बुधवार को दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और पंजाब में छापेमारी की। जांच अधिकारियों के अनुसार शर्मा कथित तौर पर दिल्ली-गुरुग्राम सीमा पर स्थित बिजवासन में बिजवासन ग्रुप के अपने कार्यालय से फर्जी निवेश योजनाओं, साइबर धोखाधड़ी, अवैध क्रिप्टोकरेंसी लेनदेन और पार्टटाइम नौकरी के नाम पर धोखाधड़ी से जुड़े एक व्यापक संगठित घोटाले में शामिल था। सीबीआई ने बताया कि गिरोह ने कथित तौर पर पिछले साल ही पीड़ितों से 900 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की।

महाराष्ट्र विधान भवन को बम से उड़ाने की धमकी, सत्र से पहले कराया गया खाली

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में बजट सत्र के दौरान बृहस्पतिवार को मुंबई स्थित विधान भवन को बम से उड़ाने की धमकी मिली। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि परिसर को बम से उड़ाने की धमकी ईमेल के जरिए दी गई। सूचना मिलते ही तुरंत सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत जांच शुरू कर दी गई। पुलिस अधिकारी ने बताया कि दक्षिण मुंबई स्थित विधानसभा परिसर से कर्मचारियों और अन्य लोगों को सुरक्षित निकाल लिया गया। सुरक्षा एजेंसियों ने परिसर की जांच की। अधिकारी ने बताया कि बम का पता लगाने वाली टीम मौके पर मौजूद हैं और तलाशी अभियान जारी है।

विपक्ष का संसद परिसर में प्रदर्शन, तख्तियां लेकर मोदी जी एलपीजी के नारे लगाए

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस और कई अन्य विपक्षी दलों के सदस्यों ने देश में एलपीजी के कथित संकट को लेकर बृहस्पतिवार को संसद परिसर में प्रदर्शन किया। संसद के मकर द्वार के निकट कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, द्रमुक और कई अन्य विपक्षी दलों के सांसद एकत्र हुए और उन्होंने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। उन्होंने मोदी जी एलपीजी के नारे लगाए। विपक्षी सांसदों ने गैस सिलेंडर की आकृति वाली तख्तियां भी ले रखी थीं। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भी इस विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कहना है कि ईंधन संकट को लेकर घबराने की जरूरत नहीं है लेकिन वह खुध्द अलग कारणों से घबराए हुए नजर आ रहे हैं। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि रसोई गैस की किल्लत को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोगों से नहीं घबराने की अपील कर रहे हैं, जबकि वह खुद अलग कारणों से घबराए हुए हैं। राहुल गांधी ने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, प्रधानमंत्री कह रहे हैं कि घबराने की जरूरत नहीं है।

समाज मे नकली संतो का होगा अंत

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद से मुलाकात के बाद बोले अखिलेश यादव

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गुरुवार को लखनऊ के कृष्णानगर क्षेत्र में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती से मुलाकात की और कहा कि शंकराचार्य का आशीर्वाद मिलने से समाज में फैले नकली संतों का अंत होगा। अखिलेश यादव दोपहर करीब 12.30 बजे अपने आवास से कृष्णानगर स्थित कार्यक्रम स्थल पहुंचे और स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद से भेंट की। मुलाकात के बाद अखिलेश यादव ने कहा कि वह शंकराचार्य से आशीर्वाद लेने आए थे। उन्होंने कहा कि किसी भी अच्छे कार्य की शुरूआत से पहले शंकराचार्य का आशीर्वाद मिलना सौभाग्य की बात होती है। उन्होंने गोरक्षा के मुद्दे पर भी अपनी

बात रखते हुए कहा कि समाजवादी सरकार के समय गायों की सेवा और संरक्षण के लिए कई फैसले लिए गए थे और भविष्य में भी गायों की सेवा के लिए जो संभव होगा, वह किया जाएगा। इस दौरान अखिलेश यादव ने कार्यक्रम स्थल पर मौजूद संतों को हाथ जोड़कर प्रणाम भी किया। उनके साथ पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं पूर्व मंत्री राजेंद्र चौधरी और पूर्व सांसद अनु टंडन भी मौजूद रहीं। गौरतलब है कि स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने बुधवार को लखनऊ से गोरक्षा जनजागरण अभियान की शुरूआत की है। इससे पहले वह 8 मार्च को वाराणसी से यात्रा शुरू कर विभिन्न जिलों का दौरा करते हुए 11 मार्च को लखनऊ पहुंचे थे।

कांग्रेस ने उठाई पश्चिम एशिया पर बहस की मांग

चर्चा से क्यों डर रही मोदी सरकार :जयराम

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने वीरवार को कहा कि विपक्ष पश्चिम एशिया की स्थिति और भारत पर इसके प्रभावों को लेकर संसद के दोनों सदन में चर्चा कराए जाने की मांग कर रहा है लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार इसकी अनुमति देने से पूरी तरह इनकार कर रही है क्योंकि वह यह चर्चा कराने से डरती है। कांग्रेस ने दावा किया कि सरकार की विदेश नीति का सच पहले ही उजागर हो चुका है। विपक्षी दल

पश्चिम एशिया संकट पर चर्चा की मांग कर रहे हैं। हालांकि विदेश मंत्री एस जयशंकर ने संसद के दोनों सदनों में सोमवार को वक्तव्य दिए थे। रमेश ने कहा, इसकी विदेश नीति पहले ही बुरी तरह उजागर हो चुकी है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, विपक्ष पश्चिम एशिया की स्थिति और उसके भारत पर पड़ने वाले प्रभावों पर संसद के दोनों सदन में चर्चा की मांग कर रहा है लेकिन मोदी सरकार ऐसी बहस की अनुमति देने से हठपूर्वक इनकार कर रही है। सरकार साफ तौर पर भयभीत दिख रही है।

एलपीजी की स्थिति पर सरकार दे स्पष्ट जवाब, ब्लैक मार्केटिंग पर लगे रोक: भूपेंद्र सिंह हुड्डा

चंडीगढ़ (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भुपेंद्र सिंह हुड्डा ने एलपीजी गैस की उपलब्धता को लेकर सरकार पर सवाल उठाते हुए कहा कि सरकार को इस मुद्दे पर स्पष्ट स्थिति बतानी चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार के अलग-अलग नेता अलग-अलग बयान दे रहे हैं, जिससे लोगों में भ्रम की स्थिति बनी हुई है। प्रेस कांफ्रेंस में हुड्डा ने कहा कि अगर किसी के घर शादी जैसे कार्यक्रम हैं तो उसे गैस की तत्काल जरूरत होती है। ऐसे में गैस की कमी और सप्लाई में दिक्कत लोगों के लिए परेशानी का कारण बन रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि गैस को लेकर

ब्लैक मार्केटिंग भी हो रही है, जिस पर सरकार को सख्ती से रोक लगानी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि गैस का उपयोग खाद (उर्वरक) बनाने में भी होता है और यदि गैस की सप्लाई प्रभावित होती है तो खाद की उपलब्धता पर भी असर पड़ सकता है। राज्यसभा चुनाव को लेकर हुड्डा ने कहा कि हरियाणा में दो सीटें हैं और मौजूदा स्थिति के अनुसार एक सीट कांग्रेस और एक सीट भाजपा को मिलने की संभावना है। उन्होंने बताया कि बजट सत्र के दौरान विभिन्न मुद्दों पर चर्चा के लिए वह शुक्रवार को पार्टी विधायकों के साथ लंच बैठक करेंगे। सतलुज यमुना लिंक नहर को लेकर पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए हुड्डा ने कहा कि इस मामले में फैसला पहले ही सुप्रीम कोर्ट दे चुका है।

दांडी सत्याग्रह की वर्षगांठ पर अमित शाह समेत कई नेताओं ने महात्मा गांधी को किया याद

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के स्वतंत्रता संग्राम के महत्वपूर्ण अध्याय दांडी नमक सत्याग्रह की वर्षगांठ मनाई जा रही है। इस अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत कई नेताओं ने महात्मा गांधी को याद किया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, 1930 में आज ही के दिन महात्मा गांधी जी ने दांडी सत्याग्रह शुरू किया था, जिसने हर आयु और वर्ग के भीतर स्वतंत्रता की इच्छा को और भी प्रबल बनाया। यह स्वदेशी की दिशा में उठाया गया ऐसा कदम था, जिसने स्वाधीनता आंदोलन

की दिशा बदल दी। दांडी सत्याग्रह के सभी महापुरुषों को नमन करता हूं। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने एक्स पोस्ट में लिखा, महात्मा गांधी ने 1930 में आज ही के दिन अंग्रेजों के अत्याचारी नमक कानून के विरोध में साबरमती आश्रम से ऐतिहासिक दांडी नमक सत्याग्रह की शुरूआत की थी, जिसने भारतीय स्वाधीनता संग्राम को नई दिशा दी। स्वतंत्रता संग्राम के इस महत्वपूर्ण अध्याय दांडी नमक सत्याग्रह की वर्षगांठ के अवसर पर पूज्य महात्मा गांधी और सत्याग्रहियों को विनम्र अभिवादन। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लिखा, पूज्य बापू और अमर संघर्ष के सभी सत्याग्रहियों को कोटि-कोटि नमन। साल 1930 में आज ही के दिन महात्मा गांधी के नेतृत्व में साबरमती आश्रम से आरंभ हुआ दांडी नमक सत्याग्रह भारतीय स्वाधीनता संग्राम की उस ज्योति का प्रज्वलन था, जिसने जन-जन में आत्मबल और स्वराज का नया मंत्र भर दिया। बर्बर और अलोकतांत्रिक ब्रिटिश शासन की जड़ें हिलाने वाले इस अभूतपूर्व दांडी मार्च ने यह सिद्ध किया कि सत्य, साहस और सामूहिक संकल्प से साम्राज्य भी डगमगा जाते हैं। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने एक्स पोस्ट में लिखा, आज ही के दिन, 1930 में, पूज्य बापू ने दांडी मार्च की शुरूआत की थी।

भारतीय रेलवे ने स्मार्ट मॉनिटरिंग को अपनाकर सुरक्षा और परिचालन दक्षता बढ़ाने के लिए उन्नत एआई और मशीन लर्निंग उपकरणों को तैनात किया

गोरखपुर : भारतीय रेल में तकनीकी सुधार एक सतत प्रक्रिया है। भारतीय रेल में लागू/परीक्षणित कुछ प्रमुख प्रौद्योगिकियां निम्नलिखित हैं: मशीन विजन इंस्पेक्शन सिस्टम (एमवीआईएस): एमवीआईएस एक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई)/मशीन लर्निंग (एमएल) आधारित प्रणाली है जो चलती ट्रेनों के किसी भी लटके हुए, ढीले या गायब पुर्जों का पता लगाने पर अलर्ट जारी करती है। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे में तीन (03) एमवीआईएस, समर्पित माल गलियारा निगम ऑफ इंडिया लिमिटेड (डीएफसीसीआईएल) में दो (02) और दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में मालगाड़ियों के लिए प्रायोगिक आधार पर एक (01) एमवीआईएस स्थापित की गई हैं। इसके अलावा, मालगाड़ियों के लिए सीमांत रेलवे नेटवर्क पर चार (04) एमवीआईएस शामिल करने के लिए सीमांत रेलवे और डीएफसीसीआईएल के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। साथ ही, अनुसंधान डिजाइन और मानक संगठन (आरडीएसओ) ने उद्योग के सहयोग से रुचि की अभिव्यक्ति (ईओआई) के माध्यम से रोलिंग स्टॉक के लिए एमवीआईएस के विकास का कार्य शुरू किया है। व्हील इम्पैक्ट लोड डिटेक्टर (डब्ल्यूआईएलडी): डब्ल्यूआईएलडी वे-साइड निरीक्षण प्रणाली है जो रोलिंग स्टॉक में दोषपूर्ण पहिए की पहचान करने के लिए ट्रैक पर पहिए के प्रभाव को मापती है। भरतीय रेल में ऐसी 24 प्रणालियां स्थापित की गई हैं। रोलिंग स्टॉक की ऑनलाइन निगरानी (ओएमआरएस): ओएमआरएस एक मार्ग-तटीय निरीक्षण प्रणाली है जो रोलिंग स्टॉक के बेयरिंग और पहियों की स्थिति की निगरानी करती है। रेलवे में ऐसी 25 प्रणालियाँ स्थापित हैं, जिनमें से एक (01) ओएमआरएस दक्षिण मध्य रेलवे के सिरपुर कागज नगर/सिकंदराबाद डिवीजन में स्थापित है। एकीकृत ट्रैक निगरानी प्रणाली (आईटीएमएस): आईटीएमएस का उपयोग रेलवे ट्रैक के व्यापक निरीक्षण और निगरानी के लिए किया जाता है। आईटीएमएस रेल, स्लीपर और फास्टनिंग्स जैसे रेलवे ट्रैक घटकों में दोषों की निगरानी और पहचान करने के लिए मशीन लर्निंग और इमेज प्रोसेसिंग का उपयोग करता है। आईटीएमएस से प्राप्त डेटा का विश्लेषण ट्रैक के तत्काल और नियोजित रखरखाव के लिए किया जाता है। वर्तमान में, रेलवे ट्रैक की रिकॉर्डिंग और निगरानी के लिए तीन (03) आईटीएमएस तैनात हैं। यह बेहतर ट्रैक रखरखाव योजना, बढ़ी हुई सुरक्षा, ट्रैक संपत्तियों की बेहतर विश्वसनीयता और परिचालन दक्षता में सहायक है। ड्रोन आधारित ओवरहेड उपकरण निगरानीः रायपुर डिवीजन में पायलट आधार पर ओवरहेड उपकरण (ओएचई) की थर्मल इमेजिंग के साथ ड्रोन आधारित निगरानी शुरू की गई है। इसके अलावा, आईआर ने आईआईटी मद्रास के सहयोग से ओवरहेड उपकरण (ओएचई) के ड्रोन आधारित हवाई निरीक्षण का विकास कार्य शुरू किया है, जो एआई/एमएल का उपयोग करके कैप्चर किए गए डेटा का विश्लेषण भी करेगा। ट्राई-नेत्राः आरडीएसओ ने कोहरे, बारिश और खराब मौसम के दौरान लोको चालकों की सहायता के लिए ट्राई-नेत्रा (टेरेन इमेजिंग फॉर लोकोमोटिव ड्राइवर्स- इन्फ्रारेड, एन्हांस्ड ऑप्टिकल एंड रेंजिंग डिवाइस असिस्टेड) का विकास कार्य शुरू किया है। यह प्रणाली ऑप्टिकल कैमरों, इन्फ्रारेड कैमरे और रेंजिंग उपकरणों (जैसे रडार/लिडार) और एआई से मिलकर लोको चालकों की सहायता के लिए एक वास्तविक समय, उन्नत विजन प्रणाली बनाती है। रेल प्रौद्योगिकी नीतिः लागत प्रभावी, लागू करने योग्य और विस्तार योग्य समाधानों के विकास को बढ़ावा देने के लिए, जिनमें एआई और डेटा-संचालित प्रौद्योगिकियों पर आधारित समाधान भी शामिल हैं, भारतीय रेल सेवा द्वारा 26.02.2026 को रेल प्रौद्योगिकी नीति नामक एक नई नीति अपनाई गई है और नवप्रवर्तकों और स्टार्टअप्स की भागीदारी को सुविधाजनक बनाने के लिए एक पोर्टल (https://railtech.indianrailways.gov.in) का शुभारंभ किया गया है। प्रस्तावित रेल प्रौद्योगिकी नीति में निम्नलिखित प्रमुख विशेषताएं शामिल हैं: नवप्रवर्तक द्वारा प्रस्तावों का एकल-चरण विस्तृत प्रस्तुतीकरण। रेल प्रौद्योगिकी पोर्टल पर नवप्रवर्तक द्वारा स्वयं शुरू की गई चुनौतियों के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत करने का प्रावधान। भारतीय रेलवे और नवप्रवर्तक के बीच 50:50 लागत-साझाकरण के आधार पर वित्तपोषण का प्रावधान है, जिसमें प्रोटोटाइप विकास और परीक्षणों के लिए अधिकतम अनुदान दिया जाएगा। विस्तारित परीक्षणों या विस्तार के लिए अनुदान की पेशकश की जाती है। उपरोक्त प्रस्तावित नीति भारतीय रेलवे में नई प्रौद्योगिकियों को शीघ्र अपनाने में सुविधा प्रदान करेगी। केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने लोकसभा में प्रश्नों के उत्तर में यह जानकारी दी।

पूर्वोत्तर रेलवे पर 150 किमी. से ज्यादा ऑटोमेटिक ब्लॉक सिगनलिंग कमीशन

गोरखपुर,: संरक्षित, सुरक्षित एवं यात्रियों के मांग के अनुरूप ट्रेनों के सुगम परिचालन हेतु भारतीय रेल पर इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास, विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण के कार्य के साथ रेल संरक्षा कार्य प्रगति पर है। महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे श्री उदय बोरवणकर के कुशल मार्गदर्शन में पूर्वोत्तर रेलवे पर भी इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास एवं विस्तार के साथ ही ऑटोमेटिक ब्लॉक सिगनलिंग का कार्य तीव्र गति से किया जा रहा है। पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मंडल के गोरखपुर कैंट-भटनी रेल खंड पर स्थित देवरिया सदर-नूनखार स्टेशनों के मध्य 13.67 किमी. की ऑटोमेटिक ब्लॉक सिगनलिंग की कमीशनिंग का कार्य सफलतापूर्वक पूरा किया गया। यह कार्य बहुत ही सुगम तरीके से बिना ट्रेन परिचालन को प्रभावित किये सम्पन्न किया गया। इसके साथ ही, पूर्वोत्तर रेलवे पर अब तक 152.24 रूट किलोमीटर ऑटोमेटिक ब्लॉक सिगनलिंग का कार्य पूरा कर लिया गया है, जो इस रेलवे के लिये विशेष उपलब्धि है। वर्ष 2025-26 में अभी तक इस रेलवे पर गोविन्दनगर-बभनान (24.64 किमी.), बभनान-स्वामी नारायण छपिया (12 किमी.) तथा देवरिया सदर-नूनखार (13.67 किमी.) खंडों सहित कुल 50.31 किमी. ऑटोमेटिक ब्लॉक सिगनलिंग का कार्य पूर्ण किया गया। देवरिया सदर-नूनखार स्टेशनों के मध्य ऑटोमेटिक ब्लॉक सिगनलिंग का कार्य पूर्ण होने से और अधिक ट्रेनों का संचलन सम्भव होगा तथा लाइन क्षमता में वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त ट्रेनों के समय-पालन में सुधार के साथ ही संरक्षा सुनिश्चित होगी। प्रमुख मुख्य सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर श्री एम.एल. मकवाना के कुशल नेतृत्व में उनकी टीम ने इस ऑटोमेटिक ब्लॉक सिगनलिंग के कमीशनिंग कार्य में महत्वपूर्ण योगदान दिया। विदित है कि पूर्वोत्तर रेलवे पर ऑटोमेटिक ब्लॉक सिगनलिंग प्रणाली की शुरूआत गत वित्त वर्ष 2024-25 के आरम्भ में जगतबेला-मगहर (14.65 किमी.) खंड के कमीशनिंग के साथ हुई थी। ऑटोमेटिक ब्लॉक खंडों पर ट्रेनें सुगमतापूर्वक एवं संरक्षित तरीके से चल रही हैं।

2026 दिन रविवार को चलाई जायेगी

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा 14 एवं 15 मार्च, 2026 को आयोजित होने वाली उप निरीक्षक, नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती की ऑफलाइन लिखित परीक्षा को ध्यान में रखते हुये अभ्यार्थियों की सुविधा हेतु अनारक्षित परीक्षा विशेष गाड़ियों का संचलन निम्नवत किया जायेगा। 05179 छपरा-प्रयागराज रामबाग अनारक्षित परीक्षा विशेष गाड़ी 13 एवं 14 मार्च, 2026 को छपरा से 18.30 बजे प्रस्थान कर बलिया से 19.40 बजे, गाजीपुर सिटी से 21.25 बजे, वाराणसी जं. से 23.05 बजे, बनारस से 23.25 बजे तथा दूसरे दिन ज्ञानपुर रोड से 00.45 बजे छूटकर प्रयागराज रामबाग 02.30 बजे पहुँचेगी। 05180 प्रयागराज रामबाग-छपरा अनारक्षित परीक्षा विशेष गाड़ी 14 मार्च, 2026 को प्रयागराज रामबाग से 09.45 बजे प्रस्थान कर ज्ञानपुर रोड से 11.17 बजे, बनारस से 13.25 बजे, वाराणसी जं. से 13.45 बजे, गाजीपुर सिटी से 15.06 बजे तथा बलिया से 16.15 बजे छूटकर छपरा 17.45 बजे पहुँचेगी। 05180 प्रयागराज रामबाग-छपरा अनारक्षित परीक्षा विशेष गाड़ी 15 मार्च, 2026 को प्रयागराज रामबाग से 18.25 बजे प्रस्थान कर ज्ञानपुर रोड से 19.27 बजे, बनारस से 21.10 बजे, वाराणसी जं. से 21.30 बजे, गाजीपुर सिटी से 23.10 बजे तथा दूसरे दिन बलिया से 01.20 बजे छूटकर छपरा 03.50 बजे पहुँचेगी। 05192 आजमगढ़-गोरखपुर अनारक्षित परीक्षा विशेष गाड़ी 13, 14 एवं 15 मार्च, 2026 को आजमगढ़ से 14.00 बजे प्रस्थान कर मऊ से 15.00 बजे, भटनी से 16.35 बजे तथा देवरिया सदर से 17.00 बजे छूटकर गोरखपुर 18.30 बजे पहुँचेगी। 05191 गोरखपुर-आजमगढ़ अनारक्षित परीक्षा विशेष गाड़ी 13, 14 एवं 15 मार्च, 2026 को गोरखपुर से 20.00 बजे प्रस्थान कर देवरिया सदर से 21.03 बजे, भटनी से 21.30 बजे तथा मऊ से 23.00 बजे छूटकर दूसरे दिन आजमगढ़ 00.30 बजे पहुँचेगी। 05185 गोरखपुर-बलिया अनारक्षित परीक्षा विशेष गाड़ी 13, 14 एवं 15 मार्च, 2026 को गोरखपुर से 20.30 बजे प्रस्थान कर देवरिया सदर से 21.37 बजे, भटनी से 22.10 बजे तथा मऊ से 23.55 बजे छूटकर दूसरे दिन बलिया 02.30 बजे पहुँचेगी। इन परीक्षा विशेष गाड़ियों में अनारक्षित श्रेणी के कोच लगाये जायेंगे। शाहगंज से 14 एवं 15 मार्च, 2026 को चलने वाली 55134 शाहगंज-बलिया सवारी गाड़ी निर्धारित समय 15.20 बजे के स्थान पर 60 मिनट रि-शिड्यूल कर 16.20 बजे चलाई जायेगी। परीक्षा के कारण 65131 मऊ-प्रयागराज रामबाग सवारी गाड़ी 14 मार्च, 2026 दिन शनिवार को एवं 65132 प्रयागराज रामबाग-मऊ सवारी गाड़ी 15 मार्च, 2026 दिन रविवार को तथा 65133/65134 दोहरीघाट-मऊ-दोहरीघाट सवारी गाड़ी 15 मार्च, 2026 दिन रविवार को चलाई जायेगी।

सुरक्षा के स्तर में सुधार होगा और इसके रख-रखाव में लगने वाले समय में बचत होगी

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा परिचालनिक सुगमता हेतु लखनऊ जं.-ऐशबाग स्टेशनों के मध्य पुल संख्या-476 पर गर्डर लॉंचिंग कार्य हेतु ब्लाक दिये जाने के कारण गाड़ियों का निरस्तीकरण, शार्ट टर्मिनेशन/शार्ट ओरिजिनेशन, नियंत्रण एवं पुनर्निर्धारण निम्नवत किया जायेगा। इन कार्यो के पूर्ण हो जाने पर रेल संचलन सुदृढ़ होगी तथा परिचालन गति में वृद्धि होगी। संरक्षा एवं सुरक्षा के स्तर में सुधार होगा और इसके रख-रखाव में लगने वाले समय में बचत होगी।

निरस्तीकरण-

-वीरांगना लक्ष्मीबाई जं. झाँसी एवं लखनऊ जं. से 26 मार्च, 2026 को चलने वाली 11109 वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी-लखनऊ एक्सप्रेस निरस्त रहेगी तथा लखनऊ जं. से 26 मार्च, 2026 को चलने वाली 11110 लखनऊ जं.-वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी एक्सप्रेस निरस्त रहेगी।

-मेरठ सिटी से 26 मार्च, 2026 को चलने वाली 22454 मेरठ सिटी-लखनऊ जं. एक्सप्रेस निरस्त रहेगी तथा लखनऊ जं. से 26 मार्च, 2026 को चलने वाली 22453 लखनऊ जं.-मेरठ सिटी एक्सप्रेस निरस्त रहेगी।

-आगरा फोर्ट से 26 मार्च, 2026 को चलने वाली 12180 आगरा फोर्ट-लखनऊ जं. एक्सप्रेस निरस्त रहेगी तथा लखनऊ जं. से 26 मार्च, 2026 को चलने वाली 12179 लखनऊ जं.-आगरा फोर्ट एक्सप्रेस निरस्त रहेगी।

शार्ट टर्मिनेशन/शार्ट ओरिजिनेशन-

-कासगंज से 23, 24 मार्च, 2026 को चलने वाली 55346 कासगंज-लखनऊ जं. सवारी गाड़ी लखनऊ जं0 के स्थान पर कानपुर अनवरगंज में यात्रा समाप्त करेगी। यह गाड़ी कानपुर अनवरगंज-लखनऊ जं. के मध्य निरस्त रहेगी तथा लखनऊ जं. से 24, 25 मार्च, 2026 को चलने वाली 55345 लखनऊ जं.-कासगंज सवारी गाड़ी लखनऊ जं0 के स्थान पर कानपुर अनवरगंज से चलाई जायेगी। यह गाड़ी लखनऊ जं-कानपुर अनवरगंज के मध्य निरस्त रहेगी।

-पाटलिपुत्र से 24 मार्च, 2026 को चलने वाली 15033 पाटलिपुत्र-लखनऊ जं. एक्सप्रेस लखनऊ जं0 के स्थान पर ऐशबाग 02.23 बजे पहुँचकर यात्रा समाप्त करेगी। यह गाड़ी ऐशबाग-लखनऊ जं. के मध्य निरस्त रहेगी तथा लखनऊ जं. से 25 मार्च, 2026 को चलने वाली 15034 लखनऊ जं.-पाटलिपुत्र एक्सप्रेस लखनऊ जं0 के स्थान पर ऐशबाग से 05.12 बजे चलाई जायेगी। यह गाड़ी लखनऊ जं.-ऐशबाग के मध्य निरस्त रहेगी।

-गोरखपुर से 26 मार्च, 2026 को चलने वाली 15031 गोरखपुर-लखनऊ जं. एक्सप्रेस लखनऊ जं0 के स्थान पर गोमतीनगर 10.39 बजे पहुँचकर यात्रा समाप्त करेगी। यह गाड़ी गोमतीनगर-लखनऊ जं. के मध्य निरस्त रहेगी तथा लखनऊ जं. से 26 मार्च, 2026 को चलने वाली 15032 लखनऊ जं.-गोरखपुर एक्सप्रेस लखनऊ जं0 के स्थान पर गोमतीनगर से 16.40 बजे चलाई जायेगी। यह गाड़ी लखनऊ जं.-गोमतीनगर के मध्य निरस्त रहेगी।

-बरौनी से 25 मार्च, 2026 को चलने वाली 15203 बरौनी-लखनऊ जं. एक्सप्रेस लखनऊ जं0 के स्थान पर बादशाहनगर में यात्रा समाप्त करेगी। यह गाड़ी बादशाहनगर-लखनऊ जं. के मध्य निरस्त रहेगी तथा लखनऊ जं. से 26 मार्च, 2026 को चलने वाली 15204 लखनऊ जं.-बरौनी एक्सप्रेस लखनऊ जं के स्थान पर ऐशबाग से 15.27 बजे चलाई जायेगी। यह गाड़ी लखनऊ जं-ऐशबाग के मध्य निरस्त रहेगी।

-लखनऊ जं. से 26 मार्च, 2026 को चलने वाली 15205 लखनऊ जं.-जबलपुर एक्सप्रेस लखनऊ जं0 के स्थान पर ऐशबाग से 17.30 बजे चलाई जायेगी। यह गाड़ी लखनऊ जं.-ऐशबाग के मध्य निरस्त रहेगी तथा जबलपुर से 25 मार्च, 2026 को चलने वाली 15206 जबलपुर-लखनऊ जं. एक्सप्रेस लखनऊ जं0 के स्थान पर ऐशबाग 09.20 बजे पहुँचकर यात्रा समाप्त करेगी। यह गाड़ी ऐशबाग-लखनऊ के मध्य निरस्त रहेगी।

-नई दिल्ली से 26 मार्च, 2026 को चलने वाली 12003 नई दिल्ली-लखनऊ जं. एक्सप्रेस लखनऊ जं0 के स्थान पर ऐशबाग 13.00 बजे पहुँचकर यात्रा समाप्त करेगी।

2026 के लिये 12 मार्च, 2026 को सायं बर्थ/सीट की उपलब्धता निम्नवत है

गोरखपुर, : रेलवे प्रशासन द्वारा होली पर्व के उपरान्त यात्रियों की सुगम यात्रा हेतु विभिन्न नगरों के लिये अनेक होली विशेष गाड़ियों का संचलन किया जा रहा है। इन विशेष गाड़ियों में माह मार्च, 2026 के लिये 12 मार्च, 2026 को सायं बर्थ/सीट की उपलब्धता निम्नवत है।

-लालकुआँ से चलने वाली 05045 लालकुआँ-राजकोट विशेष गाड़ी में 22 मार्च, 2026 को शयनयान श्रेणी में 214 बर्थ उपलब्ध हैं।

-मऊ से चलने वाली 05301 मऊ-अम्बाला कैंट विशेष गाड़ी में 19 मार्च, 2026 को वातानुकूलित प्रथम श्रेणी में 02, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 102, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 319 एवं वातानुकूलित तृतीय इकोनॉमी श्रेणी में 110 बर्थ उपलब्ध हैं।

-बढ़नी से चलने वाली 05005 बढ़नी-अमृतसर विशेष गाड़ी में 18 मार्च, 2026 को शयनयान श्रेणी में 79 बर्थ तथा 25 मार्च, 2026 को शयनयान श्रेणी में 367 बर्थ उपलब्ध हैं। -गोमतीनगर से चलने वाली 05023 गोमतीनगर-खातीपुरा विशेष गाड़ी में 17 मार्च, 2026 को वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 27, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 53 तथा शयनयान श्रेणी में 435 बर्थ उपलब्ध हैं।

-मऊ से चलने वाली 09196 मऊ-वडोदरा विशेष गाड़ी में 15 मार्च, 2026 को वातानुकूलित प्रथम श्रेणी में 06, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 15 एवं 22 मार्च, 2026 को वातानुकूलित प्रथम श्रेणी में 13, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी में 41 एवं वातानुकूलित तृतीय श्रेणी में 227 बर्थ उपलब्ध हैं।

1700 का सिलेंडर 2000 में ब्लैक, होटल-रेस्टोरेंट पर बंदी की तलवार

कानपुर। कानपुर में कॉमर्शियल सिलेंडर की भारी किल्लत से होटलों

और नमकीन कारखानों में काम ठप होने लगा है। गैस बचाने के लिए रेस्टोरेंट्स ने मेन्यू में कटौती कर दी है। सरकार की ओर से कॉमर्शियल सिलिंडरों पर रोक लगाए जाने के बाद होटल, रेस्टोरेंट, मिठाई और गेस्ट हाउस संचालकों की समस्याएं बढ़ती जा रही हैं। कालाबाजारी भी शुरू हो गई है। 19 किलो का सिलिंडर पहले 1700 रुपये का था, अब ब्लैक में 2000 हजार रुपये का मिल रहा है। शहर में छोला-भटूरा, पूड़ी-सब्जी, जलेबी, खस्ता, समोसा का असंगठित क्षेत्र का भी प्रतिदिन करोड़ों का व्यापार होता है। सबसे ज्यादा मार इन पर भी पड़ रही है। इसके अलावा सभी प्रमुख मिठाई, नमकीन कारोबारियों के सामने भी बड़ा संकट आ गया है। एक बड़ी सप्लाई चेन के फ्रेंचाइजी संचालक ने बताया कि होली पड़ने के कारण सिलिंडरों का स्टाक खत्म हो गया है। कोयला, लकड़ी या डीजल भट्ठी का इस्तेमाल नहीं कर सकते हैं। इसलिए पूड़ी, जलेबी, इमरती, छोला-भटूरा का काम बंद कर दिया गया है। उत्तर प्रदेश नमकीन निमार्ता संघ के अध्यक्ष निर्मल त्रिपाठीने बताया कि नमकीन के 25 प्रतिशत कारखाना गैस से ही चलते हैं। गैस मिल नहीं रही है। कारखानों में बंदी की तलवार लटक रही है। डीजल भट्ठी और इलेक्ट्रिक भट्ठी बनवाने के ऑर्डर दिए हैं। इंडक्शन की मांग 10 गुना बढ़ी इलेक्ट्रानिक्स कारोबारी मनीष कोहली ने बताया कि युद्ध और आगे बढ़ा तो गैस का संकट बढ़ने की संभावना से इन्कार नहीं किया जा सकता है। लोगों ने एलपीजी पर संकट आने से पहले इसका इंतजाम करना शुरू कर दिया है। इलेक्ट्रिक इंडक्शन की मांग 10 गुना तक बढ़ गई है। पहले महीने में पांच बिकते थे। अब एक दिन में 10-10 पीस बेच रहे हैं। रोजाना आठ से नौ हजार कॉमर्शियल सिलिंडरों की होती है खपत शहर में 30 हजार कॉमर्शियल सिलिंडर के उपभोक्ता हैं।

संक्षिप्त खबरें

टेट अनिवार्यता के विरोध में शिक्षकों ने चलाया पाती भेजो अभियान

बस्ती। टेट की अनिवार्यता समाप्त किये जाने की मांग को लेकर अखिल भारतीय संयुक्त शिक्षक संघ के आह्वान पर शिक्षकों ने बुधवार को भी पाती भेजने का अभियान चलाया। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष एवं संयुक्त शिक्षक संघ के संयोजक उदय शंकर शुक्ल की अगुवाई में शिक्षकों ने राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्य न्यायाधीश, मुख्यमंत्री, नेता प्रतिपक्ष भारत और यूपी को पत्र भेजा है। इसमें टेट की अनिवार्यता को तत्काल प्रभाव से समाप्त करने की मांग उठाई गई। संघ के संयोजक ने बताया कि जिले के परशुरामपुर, बनकटी, रामनगर, गौर, हरैया, कप्तानगंज, बहादुरपुर, दुबौलिया, विक्रमजोत, बस्ती सदर, सॉऊघाट, कुदरहा, नगर क्षेत्र, रुधौली और सल्टौआ गोपालपुर में पदाधिकारियों ने विद्यालयवार भ्रमण कर शिक्षकों से पाती पर हस्ताक्षर कराकर संबंधित डाक और ईमेल से भेजा है। 13 अप्रैल को जिला मुख्यालय पर इस मुद्दे को लेकर मशाल जुलूस निकाला जाएगा। तीन मई को लखनऊ में महारैली भी आयोजित होगी। पाती भेजने वालों में सूर्य प्रकाश शुक्ल, नरेंद्र कुमार दुबे, राजीव पांडेय, सुनील पांडेय, दिनेश वर्मा मौजूद रहे।

मरीज माफिया पर अब पुलिस कसेगी नकेल खंगाली जा रही कुंडली

बस्ती। अब जुगाड़ से निजी अस्पताल चलाना महंगा पड़ सकता है। ऐसे लोगों पर शिकंजा कसने के लिए पुलिस महकमा अलर्ट हो रहा है। बहुत जल्द पुलिस अपने नए प्लान के तहत मरीज माफियाओं पर नकेल कसने वाली है। बीएमएस, यूनानी चिकित्सक जैसी डिग्री या दूसरों की डिग्री लगाकर खुद सर्जिकल अस्पताल संचालित करने वाले संदिग्धों को रडार पर लेने के लिए स्वास्थ्य विभाग से समन्वय बनाकर पुलिस मैदान में उतरेगी। यह प्लान कोई निचले स्तर पर नहीं तैयार हो रहा है। पुलिस महकमे के उच्च पदस्थ अधिकारियों को विश्वास में लेकर एमबीबीएस की डिग्रीधारक पुलिस कप्तान डॉ. यशवीर सिंह ने खुद यह पहल शुरू की है। मरीज माफियाओं को पूरी तरह खत्म करने के लिए एसपी ने विभाग में कार्यरत तेज पुलिस अफसरों की बाकायदा टीम गठित कर रहे हैं। पुलिस कार्यालय में पहुंचने वाली निजी अस्पतालों से संबंधित गलत ऑपरेशन, लापरवाही पूर्वक इलाज से मरीज के मौत की शिकायतों को संकलित किया जा रहा है। एसपी के निर्देश पर संदिग्ध अस्पतालों की पूरी कुंडली पुलिस खंगालनी शुरू कर दी है। एक दर्जन से अधिक निजी अस्पताल पुलिस के रडार पर आ चुके हैं। स्वास्थ्य विभाग से समन्वय स्थापित कर पुलिस महकमा फर्जी अस्पताल संचालकों पर बहुत जल्द कार्रवाई के तैयारी में हैं। अक्सर निजी अस्पतालों में मरीजों की मौत के बाद लापरवाही से इलाज करने के आरोप में परिजन हंगामा करते हैं। तत्काल डायल 112 या लोकल थाने की पुलिस मौके पर पहुंचकर विवाद तो शांत करा देती हैं लेकिन, मामला स्वास्थ्य विभाग से जुड़ा होने के कारण कार्रवाई से पीछे हट जाती है।

राजस्व गांव मरवटिया में जलनिकासी न होने से ग्रामीण परेशान

कुदरहा। विकास खंड कुदरहा के ग्राम पंचायत बगही के राजस्व गांव मरवटिया में जलनिकासी की उचित व्यवस्था न होने के कारण ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गांव के कृष्ण बिहारी ने इस संबंध में अधिकारियों को प्रार्थना पत्र देकर समस्या के समाधान की मांग की है। ग्रामीणों के अनुसार, गांव में नाली का पानी सड़क और आसपास के स्थानों पर एकत्र हो रहा है। इससे लोगों का आना-जाना मुश्किल हो गया है। पानी जमा होने के कारण गंदगी फैल रही है और मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है। बच्चों और बुजुर्गों के बीमार होने का खतरा बना हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि इस समस्या को लेकर कई बार संबंधित अधिकारियों से शिकायत की गई है। मुख्यमंत्री पोर्टल और अन्य माध्यमों से भी इसकी सूचना दी गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। आरोप है कि गांव में कुछ लोगों द्वारा नाली के पानी के बहाव को रोक दिया गया है, जिसके कारण पानी एक ही स्थान पर जमा हो रहा है। इससे सड़क भी खराब हो रही है और ग्रामीणों को काफी दिक्कतें उठानी पड़ रही हैं। ग्रामीण कृष्ण बिहारी ने प्रशासन से मांग की है कि गांव में जल निकासी की समुचित व्यवस्था कराई जाए, ताकि सड़क पर जमा गंदे पानी से लोगों को राहत मिल सके और गांव में स्वच्छता बनी रहे।

41 वाहन चालकों का काटा चालान

बस्ती। संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने बुधवार को चेकिंग अभियान चलाया। इससे डग्गामार वाहन चालकों में हड़कंप मच गया। अभियान के दूसरे दिन रोडवेज, कंपनी बाग और बड़ेवन टोल प्लाजा के पास अभियान चलाया गया। इस दौरान 41 वाहनों का चालान किया गया। आरटीओ और पुलिस की सख्ती की वजह से सड़कों से डग्गामार वाहन लापता दिखे। आरटीओ प्रवर्तन सुरेश कुमार ने जिले के समस्त वाहन स्वामियों को अवगत कराया कि 10 से 16 मार्च तक बकाया टैक्स वाले वाहनों के विरूद्ध अभियान चलाया जा रहा है। ऐसे में सभी वाहन स्वामी बकाया टैक्स जमा कराने के बाद संबंधित वाहन का संचालन कराए। इस मौके पर यात्रीकर अधिकारी प्रदीप कुमार श्रीवास्तव, यातायात निरीक्षक अवधेश तिवारी आदि मौजूद रहे।

राष्ट्रीय लोक अदालत 14 मार्च को

बस्ती। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुसार 14 मार्च को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन जनपद न्यायाधीश शमसुल हक के निर्देशन में जनपद न्यायालय परिसर, कलक्ट्रेट मुख्यालय एवं समस्त तहसील मुख्यालयों में किया जाएगा। यह जानकारी जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव राज बाबू ने दी।

सीनियर बेसिक शिक्षक संघ के दो पदाधिकारी निष्कासित

बस्ती। उत्तर प्रदेश सीनियर बेसिक शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष श्रवन सिंह ने संगठन विरोधी गतिविधियों में संलिप्त होने का आरोप लगाते हुए जिले के ओंकार सिंह एवं बागीश दत्त पांडेय को 6 वर्ष के लिए निष्कासित कर दिया है। उन्होंने प्रेस को जारी विज्ञप्ति में बताया कि लोगों द्वारा लगातार संगठन के नियमों की विरुद्ध आचरण एवं अनुशासनहीनता की जा रही थी।

बड़ी गिरावट के साथ बंद हुआ बाजार; सेंसेक्स 780 अंक टूटा, निफ्टी 25900 के नीचे

नई दिल्ली (एजेंसी)। शेयर बाजार हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन यानी गुरुवार को भारी गिरावट के साथ बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 780.18 अंक गिरकर 84,180.96 अंक पर बंद हुआ। वहीं, एनएसई निफ्टी 263.90 अंक गिरकर 25,876.85 अंक पर बंद हुआ। भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को लाल निशान पर बंद हुआ। वैश्विक बाजारों में व्यापक बिकवाली के दबाव के बीच संभावित अमेरिकी टैरिफ बढ़ोतरी को लेकर नई चिंताओं के चलते बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में लगभग 1 प्रतिशत की भारी गिरावट दर्ज की गई। विश्लेषकों का कहना है कि विदेशी निधियों की निरंतर निकासी के बीच धातु, तेल और गैस व कमोडिटी शेयरों में भारी नुकसान ने दबाव को और बढ़ा दिया है। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 780.18 अंक या 0.92 प्रतिशत गिरकर 84,180.96 अंक पर बंद हुआ।

ताइक्वांडो खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता के लिए किया विशेष प्रशिक्षण शुरू

ग्वालियर। जिला ताइक्वांडो संघ ग्वालियर की शाखाओं के खिलाड़ियों ने आगामी जिला एवं राज्यस्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता के लिए तैयारी शुरू कर दी है। जिला ताइक्वांडो संघ ग्वालियर के सचिव एवं स्कूल ऑफ ताइक्वांडो अकादमी के संचालक अजय गुप्ता ने बताया कि अप्रैल से ताइक्वांडो की प्रतियोगिता होना प्रारम्भ हो जाएंगी, खिलाड़ियों ने अभी से जिला ताइक्वांडो संघ ग्वालियर की सभी शाखाओं पर जिला स्तरीय एवं राज्य स्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता के लिए अपने अपने क्लब स्कूल ऑफ ताइक्वांडो अकादमी आनंद नगर ब्रांच, शिंदे की छावनी शाखा, विनय नगर ब्रांच, गुरुकुल ऑफ ताइक्वांडो अकादमी दीनदयाल नगर, ताइक्वांडो मार्शल आर्ट अकादमी आदित्य पुरम, स्कूल ऑफ एक्सीलेंस ताइक्वांडो अकादमी मुरार, ग्वालियर ग्लोरी स्कूल, डॉन बास्को स्कूल, ग्रीनवुड स्कूल पर ताइक्वांडो की ट्रेनिंग प्रारम्भ कर चुके हैं। राष्ट्रीय कोच अजय गुप्ता ने बताया कि सभी खिलाड़ियों जिला ताइक्वांडो संघ ग्वालियर की शाखाओं के मुख्य कोच अक्षय केन, रघुवीर माझी, अनिल कौशिक, दीपक कुशवाह, मोहित सविता, अमित राजपूत, कृश सोनी, मुजीब खान, देवराज राजपूत, कृतिका कौरव एवं रवि कुमार के मार्ग दर्शन में गहन रूप से ताइक्वांडो की ट्रेनिंग ले रहे हैं।

रामनारायण धर्मशाला : जहां से गूंजी एकात्म मानव दर्शन की ऐतिहासिक आवाज

■ ग्वालियर

देश के इतिहास में ऐसे अनेक उदाहरण मिलते हैं, जब संपन्न परिवारों ने अपनी संपत्ति और संसाधनों को केवल निजी उपयोग तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उन्हें समाज और राष्ट्र के हित में समर्पित कर दिया। इसी परंपरा का एक जीवंत उदाहरण ग्वालियर के दौलतगंज क्षेत्र में स्थित रामनारायण धर्मशाला है, जो न केवल सेवा और धर्मार्थ कार्यों की प्रतीक रही है, बल्कि पंडित दीनदयाल

उपाध्याय के एकात्म मानव दर्शन के प्रसार की भी साक्षी रही है। करीब डेढ़ सौ साल पुराने इतिहास से जुड़ी यह धर्मशाला ग्वालियर के महाराजा बाड़ा क्षेत्र से लगभग डेढ़ किलोमीटर दूर दौलतगंज में स्थित है। समय के साथ इसके स्वरूप में बदलाव आया है, लेकिन इसकी मूल भावना आज भी जीवित है। वर्तमान में इस भवन के जीर्णोद्धार का कार्य चल रहा है और यहां इस्कॉन की एक शाखा का संचालन भी हो रहा है।

आज भी जारी है सेवा का सिलसिला

समय के साथ कई ऐतिहासिक भवनों की पहचान धुंधली हो जाती है, लेकिन रामनारायण धर्मशाला आज भी अपने मूल उद्देश्य धर्मार्थ और सामाजिक सेवा के लिए उपयोग में लाई जा रही है। इस तरह यह इमारत केवल ईंट-पत्थर का ढांचा नहीं, बल्कि समाजसेवा, वैचारिक चेतना और राष्ट्र निर्माण की परंपरा का जीवंत प्रतीक बनकर खड़ी है।

1964 की ऐतिहासिक बैठक

रामनारायण धर्मशाला का महत्व केवल एक धर्मार्थ भवन तक सीमित नहीं है। 11 अगस्त 1964 को यहां भारतीय जनसंघ की एक ऐतिहासिक बैठक आयोजित हुई थी, जिसका नेतृत्व पं. दीनदयाल उपाध्याय ने किया था। इस अवसर पर आयोजित अखिल भारतीय अभ्यास वर्ग के दौरान उन्होंने अपने प्रसिद्ध सिद्धांत एकात्म मानव दर्शन के विचारों का बीजारोपण किया। बाद के वर्षों में यही विचारधारा जनसंघ और आगे चलकर भारतीय जनता पार्टी की वैचारिक आधारशिला बनी।

हीरक जयंती का आयोजन

इस ऐतिहासिक घटना की स्मृति में वर्ष 2016-17 में अगस्त माह के दौरान यहां हीरक जयंती समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में उन वरिष्ठ कार्यकर्ताओं और उनके परिजनों का सम्मान किया गया, जो 1964 के अभ्यास वर्ग में शामिल हुए थे। इनमें प्रमुख रूप से नारायण कृष्ण शेजवलकर सहित कई वरिष्ठ कार्यकर्ता मौजूद रहे।

समाजसेवा की परंपरा

रामनारायण धर्मशाला का निर्माण ग्वालियर के सुप्रसिद्ध व्यापारी और समाजसेवी स्वर्गीय कृष्णदास गर्ग (काका) के पूर्वजों द्वारा कराया गया था। उस समय यह स्थान यात्रियों और जरूरतमंदों के ठहरने के लिए बनाया गया था। बाद में यही स्थान सामाजिक और वैचारिक गतिविधियों का केंद्र बन गया।

कैसे पड़ा रामनारायण धर्मशाला नाम

काका परिवार के सदस्य समाजसेवी विजय गर्ग बताते हैं कि स्वर्गीय कृष्णदास गर्ग के दादाजी स्व. रामप्रसाद जी हरियाणा के नारनौल से ग्वालियर आकर बसे थे। उन्होंने इस धर्मशाला को खरीदा और कुछ समय तक इसमें निवास भी किया। बाद में जब उन्होंने दूसरा मकान ले लिया, तो इस भवन को अपने पुत्र रामनारायण के नाम पर रामनारायण धर्मशाला नाम देकर समाजसेवा के लिए समर्पित कर दिया।

आज होगी एमआईसी की बैठक

पीएम आवास, सागरताल जमीन, पार्किंग और टिकट दरों पर हो सकते हैं निर्णय

■ ग्वालियर

नगर निगम की मेयर-इन-काउंसिल (एमआईसी) की महत्वपूर्ण बैठक गुरुवार 12 मार्च को आयोजित की जाएगी। बैठक महापौर डॉ. शोभा सतीश सिंह सिकरवार की अध्यक्षता में सुबह 11:30 बजे बालभवन स्थित टीएलसी भवन के बैठक कक्ष में होगी। जिसमें शहर के विकास और प्रशासन से जुड़े कई अहम मुद्दों पर चर्चा कर निर्णय लिए जाने की संभावना है। नगर निगम द्वारा जारी सूचना के अनुसार बैठक में पिछली बैठक की कार्यवाही की पुष्टि के साथ कई प्रस्तावों पर विचार किया जाएगा। इसमें प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 (शहरी) के अंतर्गत ईडब्ल्यूएस घटक के लिए कंसल्टेंसी की दर स्वीकृति से जुड़े प्रस्ताव को भी एमआईसी के सामने रखा जाएगा। बैठक के एजेंडे में नगर निगम के विभिन्न कार्यों के लिए आउटसोर्स के माध्यम से मैनपावर उपलब्ध कराने के लिए निविदा आमंत्रण और उससे संबंधित स्वीकृतियों पर भी चर्चा होगी।

इसके अलावा शहर के प्रमुख पर्यटन स्थल महाराज बाड़ा स्थित विक्टोरिया मार्केट के नीचे बने सस्पेंसियम की प्रस्तावित नई टिकट दरों को पुनरीक्षित करने का मामला, महाराज बाड़ा के पेड़ों के नीचे दोपहिया वाहनों के लिए ठेका पार्किंग व्यवस्था से संबंधित प्रस्ताव पर भी विचार किया जाएगा। इसके साथ ही वेबू रेस्टोरेंट को दिए जाने वाले मासिक लाइसेंस शुल्क और उससे जुड़ी शर्तों में आंशिक संशोधन का प्रस्ताव भी एजेंडे में शामिल है। इसके अलावा सागरताल क्षेत्र में निगम की स्वामित्व वाली भूमि पर व्यावसायिक एवं आवासीय भूखंड परिसर के निर्माण के लिए निविदा आमंत्रण की स्वीकृति का प्रस्ताव भी बैठक में विचारार्थ रखा जाएगा।

तीन हजार से अधिक बालिकाओं को लगे टीके

25 केंद्रों पर चल रहा एचपीवी टीकाकरण महाअभियान, वैक्सीन पूरी तरह सुरक्षित

■ ग्वालियर

जिले में 14 से 15 वर्ष आयु वर्ग की बालिकाओं को सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए एचपीवी टीकाकरण अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत अब तक जिले में तीन हजार से अधिक बालिकाओं को टीके लगाए जा चुके हैं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा 25 टीकाकरण केंद्रों के माध्यम से यह अभियान संचालित किया जा रहा है, जहां बालिकाओं को निःशुल्क एचपीवी वैक्सीन लगाई जा रही है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सचिन श्रीवास्तव ने बताया कि यह टीकाकरण अभियान बालिकाओं को सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से बचाने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि टीकाकरण के दौरान उपयोग की जा रही वैक्सीन पूरी तरह सुरक्षित है और किसी भी बालिका को इससे कोई परेशानी नहीं हुई है। उन्होंने बताया कि रविवार को पिछोर स्वास्थ्य केंद्र पर नौ बालिकाओं को एचपीवी का टीका लगाया गया था। टीकाकरण के बाद बालिकाओं को शासकीय वाहन से उनके घर भेजा गया। रास्ते में गिर्जारा तिराहे के पास बालिकाओं ने खाने की इच्छा जताई, जिसके बाद उन्होंने पानी की टिक्की और फिंगर चिप्स खाए। इसके अगले दिन 10 मार्च को इनमें से चार बालिकाओं को पेट दर्द और उल्टी की शिकायत हुई।

स्वास्थ्य विभाग ने तत्परता दिखाते हुए बालिकाओं को तुरंत सिविल अस्पताल डबरा में लाकर जांच कराई। यहां चिकित्सकों ने उन्हें लगभग आधे घंटे तक निगरानी में रखा और बाहर का खाना न खाने की सलाह दी। जांच के बाद बालिकाओं को घर भेज दिया गया और अब सभी बालिकाएं पूरी तरह स्वस्थ हैं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने स्पष्ट किया कि बालिकाओं को हुई समस्या टीकाकरण के कारण नहीं, बल्कि बाहर का खाना खाने की वजह से हुई थी।

उन्होंने बताया कि डबरा ब्लॉक के ग्राम बारकरी, ग्राम पंचायत सेवढ़ा की एक बालिका को भी इसी कारण असुविधा हुई थी। स्वास्थ्य विभाग ने जिले के अभिभावकों से अपील की है कि वे अपनी 14 से 15 वर्ष की बेटियों को एचपीवी का टीका अवश्य लगवाएं।

मदद का झांसा देकर पड़ोसी ने तीन ट्रक हड़पे, अमानत में खयानत का मामला दर्ज

महाराजपुरा थाना क्षेत्र के बीएसएफ कॉलोनी की घटना

■ ग्वालियर

पिता के ब्रेन हेमरेज होने पर पड़ोसी युवक ने मदद का झांसा देकर तीन ट्रक चलवाने के लिए ले लिए और उनका किराया देने का वादा किया। इसके बाद न तो किराया मिला और न ही ट्रक वापस मिले। घटना महाराजपुरा थाना क्षेत्र के बीएसएफ कॉलोनी की है। घटना की शिकायत पीड़ित ने पुलिस से की।

शिकायत की जांच के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। सूरज नगर सागर ताल निवासी आदित्य शर्मा पुत्र विकेश शर्मा ने शिकायत की है कि उनके पिता ने परिवार के भरण-पोषण के लिए तीन ट्रक खरीदे थे। इन ट्रकों के रजिस्ट्रेशन नंबर एमपी 07 जेडपी 8699, एमपी 07 जेडक्यू 8699 और आरजे11 जीबी 5277 हैं। पीड़ित ने बताया कि 9 जून 2024 को उनके पिता को ब्रेन हेमरेज हो गया। उन्हें गंभीर हालत में बिरला अस्पताल में भर्ती कराया गया और बाद में दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में उपचार के लिए लेकर गए थे। वहां पर उपचार में लाभ नहीं होने पर 27 जुलाई 2024 को ग्वालियर लौट आए थे और वे अब तक बिस्तर पर हैं।

ईएमआई जमा कराने का झांसा, ले गया ट्रक

इसी बीच बीएसएफ कॉलोनी भिण्ड रोड निवासी मोहित भदौरिया पुत्र शिशुपाल भदौरिया ने ट्रक चलवाकर उनकी ईएमआई जमा करने और बची हुई राशि परिवार को देने का भरोसा दिलाया। भरोसे में आकर पीड़ित ने 25 सितंबर 2024 को तीनों ट्रक मोहित भदौरिया को सौंप दिए।

न जमा की ईएमआई और न लौटाए ट्रक

ट्रक ले जाने के बाद मोहित भदौरिया ने ट्रकों की ईएमआई नियमित जमा नहीं की और ट्रकों से होने वाली आय भी खुद ही रख ली। दो ट्रकों की 26 लाख 84 हजार रुपए की किश्त जमा करनी थी, जबकि मोहित ने केवल 15 लाख 20 हजार 400 रुपए ही जमा किए, जनवरी 2025 में ट्रक आरजे11 जीबी 5277 को बेच दिया। अप्रैल 2025 में जब हिसाब मांगा गया तो आरोपी ने न हिसाब किया और न ही ट्रक लौटाए और ट्रक लौटाने से मोहित ने इंकार कर दिया। जिसकी शिकायत पीड़ित ने पुलिस से की। पुलिस ने उनकी शिकायत पर अमानत में खयानत सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज लिया है।

बुजुर्ग पिता और बेटी को पीटा, घर का सामान भर ले गया युवक

■ ग्वालियर

शहर में एक युवक द्वारा अपने 72 वर्षीय पिता व बेटी को पीटने का मामला सामने आया है। युवक अपनी एक महिला मित्र के लिए सारे रिश्तों को दांव पर लगाकर पूरी गृहस्थी का सामान भरकर चला गया है। जब यह बुजुर्ग पिता को पता लगा तो वह उसी महिला के घर पहुंचे, जहां बेटा रह रहा है। बेटा को समझाना चाहा, लेकिन वह गाली-गलौज करने लगा।

सामान वापस मांगने पर युवक ने अपने पिता को पीटा। युवक की महिला मित्र ने उसकी बेटी से मारपीट की है। घटना पुरानी छावनी बाथम मोहल्ला की है। पुलिस ने बेवस पिता की शिकायत पर हमलावर बेटे के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

पुरानी छावनी क्षेत्र के द्वारिकापुरी में रहने वाले रामदास ने पुलिस को बताया कि बेटा राजेश उनकी गैर मौजूदगी में घर से गृहस्थी का पूरा सामान भर ले गया। जब वह अपनी नातिन मतलब राजेश की बेटी मोहिनी तोमर को लेकर सामान लेने गए तो राजेश ने मोहिनी व उनके साथ मारपीट की और भगा दिया।

रामदास ने पुलिस को बताया कि कोई रेखा नाम की महिला है जो बाथम मोहल्ला में रहती है। राजेश उसका टैंपों चलाता है और उसी के घर में रहता है। उन्होंने पूछताछ की तो मोहल्ले वालों ने बताया कि रेखा बाथम के बच्चे हैं, लेकिन पति का निधन हो चुका है। दो दिन पहले वह बहू व उसके बच्चों के साथ अपने गांव गए थे, तो मौका पाकर उनका बेटा राजेश तोमर रात में घर पहुंचा और दो बार में सामान भरकर ले गया। घर पर सिर्फ एक ड्रम और टब छोड़ गया है।

पार्वती विद्या पीठ परिवार ने सृष्टि गोयल को दी बधाई

■ ग्वालियर

ग्वालियर की प्रतिभाशाली बेटी सृष्टि गोयल ने संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) परीक्षा में सफलता प्राप्त कर शहर का गौरव बढ़ाया है। उनकी इस उपलब्धि पर पार्वती विद्या पीठ परिवार ने उन्हें और उनके परिजनों को हार्दिक बधाई दी। इस अवसर पर मध्यभारत शिक्षा समिति के अध्यक्ष प्रो. राजेंद्र बांदिल, पार्वती विद्या पीठ के प्राचार्य डॉ. नरेश त्यागी और वाइस प्रिंसिपल अर्चना शर्मा सृष्टि गोयल के निवास पर पहुंचे और उन्हें शुभकामनाएं दीं। सृष्टि गोयल ने बताया कि उन्होंने बिना किसी कोचिंग के स्वयं अध्ययन कर यह परीक्षा उत्तीर्ण की है।

मुरैना के कुछ परीक्षा केंद्रों को लेकर आईं आपत्तियां, वजह दूरी ज्यादा

■ ग्वालियर

जीवाजी विश्वविद्यालय की स्नातक द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के परीक्षा केंद्र फाइनल होते ही इन पर आपत्तियां आना शुरू हो गई हैं। आपत्तियां बुधवार को मुरैना के परीक्षा केन्द्रों को लेकर आईं हैं।

जीवाजी विश्वविद्यालय ने बानमोर स्थित पंडित नेहरू महाविद्यालय का परीक्षा केंद्र शासकीय कॉलेज बानमोर से हटाकर डॉ. भगवत सहाय महाविद्यालय ग्वालियर को बनाया है। जिसकी दूरी 25 किलोमीटर है, और जिला भी अलग-अलग है। जबकि यहां शासकीय महाविद्यालय बानमोर को परीक्षा केंद्र बनाया गया है। एसबीडी आर्ट्स एंड साइंस कॉलेज नगरा, पोरसा का परीक्षा केंद्र 34 किलोमीटर दूर अम्बाह पीजी कॉलेज में कर दिया है। जबकि 6 किलोमीटर दूर शासकीय महाविद्यालय रजौधा एवं 18 किलोमीटर पर शासकीय महाविद्यालय पोरसा है। इसी तरह आरवीएस कॉलेज पोरसा का परीक्षा केंद्र भी अंबाह पीजी में कर दिया है। जबकि महाविद्यालय के नजदीक शासकीय कॉलेज पोरसा है, जहां दो निजी महाविद्यालयों के केवल 35 छात्र-छात्राओं की परीक्षा होना है। इसलिए आरवीएस कॉलेज का परीक्षा केंद्र पोरसा एवं एसबीडी का परीक्षा केंद्र रजौधा या पोरसा के शासकीय महाविद्यालय को बनाया जाए। वहीं स्वामी श्री रामकृष्ण परमहंस महाविद्यालय मुरैना का परीक्षा केंद्र 10 किलोमीटर दूर शासकीय लॉ कॉलेज मुरैना में भेज दिया है। जबकि महाविद्यालय से महज 1 किलोमीटर पर शासकीय कन्या महाविद्यालय एवं ऋषि गालव कॉलेज हैं। इसलिए छात्र-छात्राओं की परेशानी को दृष्टिगत रखते हुए नजदीकी महाविद्यालय को परीक्षा केंद्र बनाया जाए। इसके अलावा अन्य महाविद्यालयों ने भी अपनी आपत्तियां दर्ज कराईं हैं।

इनका कहना है

मुरैना जिले के परीक्षा केंद्रों को लेकर कुछ आपत्तियां आईं हैं, इनका निराकरण किया जाएगा।

डॉ. आशा कुमारी, परीक्षा नियंत्रक जीवाजी विश्वविद्यालय

गुरु नानक देव ने दिखाया मानवता समाजसेवा और शांति का मार्ग

आईटीएम विवि में गुरु नानक देव के विचारों पर संगोष्ठी शुरू

■ ग्वालियर

आईटीएम विश्वविद्यालय में गुरु तेग बहादुर साहिब की शहादत के 350वें जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित दो दिवसीय वार्षिक विमर्श श्रृंखला भारतीय भक्ति काव्य परम्परा के अंतर्गत गुरू नानक देव को समर्पित विचार संगोष्ठी का शुभारंभ बुधवार को गगन में थाल मंगलाचरण के गायन के साथ हुआ। यह संगोष्ठी में पंजाब विश्वविद्यालय की प्रो. निवेदिता सिंह ने गुरु नानक वाणी की सांगीतिक संरचना विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए गगन में थाल रवि चंद दीपक बने, तारिका मंडल जनक मोती आरती का मधुर गायन प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि गुरु नानक देव जी ने संगीत को केवल कला नहीं, बल्कि समाज में संवाद और जागरूकता का प्रभावी माध्यम बनाया। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र, नई दिल्ली के सदस्य सचिव डॉ. सच्चिदानन्द जोशी ने गुरु नानक देव के दर्शन में मानव सेवा की अवधारणा विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि गुरु नानक देव जी का दर्शन केवल धार्मिक विचार नहीं है, बल्कि यह मानवता को जोड़ने और समाज को बेहतर बनाने का मार्ग भी है। उन्होंने युवाओं को समर्पण, सृजनशीलता, संतोष और करुणा जैसे मूल्यों को अपनाने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम के अंत में कुलपति प्रोफेसर डॉ. योगेश उपाध्याय ने कहा कि सच्चे गुरु वही होते हैं जो मानवता, समाज सेवा और शांति के मार्ग पर चलकर देश में एकता और सद्भाव बनाए रखते हैं, और गुरु नानक देव जी ऐसे ही महान गुरु थे। इस अवसर पर संस्थापक कुलाधिपति रमाशंकर सिंह, प्रति-कुलाधिपति डॉ. दौलत सिंह चौहान, अधिष्ठाता डॉ. रंजीत सिंह तोमर, डॉ. मुकेश पांडे, तृप्ति पाठक, डॉ. मीनाक्षी मजूमदार, डॉ. मिनी अनिल, डॉ. शोभा भारद्वाज, डॉ. वंदना भारती उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन संजय जोथे ने किया।

15 मार्च तक जमा करें एडवांस टैक्स की अंतिम किस्त, चूके तो देना पड़ सकता है ब्याज

■ ग्वालियर

वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए एडवांस टैक्स की चौथी और अंतिम किस्त जमा करने की अंतिम तिथि 15 मार्च निर्धारित की गई है। जिन करदाताओं की वार्षिक कर देनदारी 10 हजार रुपए से अधिक बनती है, उन्हें आयकर विभाग के नियमों के अनुसार एडवांस टैक्स का भुगतान किस्तों में करना होता है। यदि अंतिम तिथि तक कर जमा नहीं किया जाता है तो करदाताओं को अतिरिक्त ब्याज देना पड़ सकता है।

एडवांस टैक्स की व्यवस्था इसलिए बनाई गई है ताकि करदाता पूरे वर्ष के दौरान अपनी अनुमानित आय के आधार पर टैक्स का भुगतान करते रहें। यदि 15 मार्च तक निर्धारित कर राशि जमा नहीं की जाती है तो आयकर अधिनियम की धारा 234बी और 234सी के तहत लगभग 1 प्रतिशत प्रतिमाह की दर से ब्याज देना पड़ सकता है।

एडवांस टैक्स की किस्तों के अनुसार 15 जून तक 15 प्रतिशत, 15 सितंबर तक 45 प्रतिशत, 15 दिसंबर तक 75 प्रतिशत और 15 मार्च तक 100 प्रतिशत कर जमा करना होता है। अंतिम किस्त में करदाता को पूरे वर्ष की अनुमानित आय का समायोजन करते हुए शेष टैक्स जमा करना होता है। सीए पंकज शर्मा ने बताया कि फ्रीलांसर, व्यवसायी, प्रोफेशनल, किराया आय या शेयर बाजार एवं म्यूचुअल फंड से आय प्राप्त करने वाले लोगों को विशेष रूप से इस तिथि का ध्यान रखना चाहिए। यदि समय पर एडवांस टैक्स का भुगतान नहीं किया जाता है तो बाद में ब्याज और नोटिस की स्थिति भी बन सकती है। करदाता आयकर पोर्टल पर ऑनलाइन चालान के माध्यम से समय रहते एडवांस टैक्स जमा कर दें, जिससे अतिरिक्त ब्याज और परेशानी से बचा जा सके।

केआरजी महाविद्यालय का वार्षिक उत्सव संपन्न, नवीन सभागार लोकार्पित

शिक्षा का मनुष्य के जीवन में अहम स्थान : तोमर

■ ग्वालियर

शिक्षा का जीवन में उतना ही महत्व है, जितना मनुष्य के शरीर में रीढ़ की हड्डी का होता है।

यह बात विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने बुधवार को केआरजी महाविद्यालय के वार्षिक उत्सव समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में छात्राओं को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने केआरजी महाविद्यालय के नवनिर्मित सभागार का लोकार्पण भी किया। इस समारोह में भाजपा जिला अध्यक्ष जयप्रकाश राजौरिया, राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय की कुलगुरु स्मिता

सहस्त्रबुद्धे, महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. साधना श्रीवास्तव, जनभागीदारी की पूर्व अध्यक्ष मीना सचान मंचासीन रहे।

कार्यक्रम के प्रारंभ में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. साधना श्रीवास्तव ने स्वागत भाषण दिया। उन्होंने महाविद्यालय के वार्षिक प्रतिवेदन का वाचन भी किया। विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि केआरजी महाविद्यालय ग्वालियर-चंबल अंचल का ही नहीं बल्कि संपूर्ण देश का अव्वल महाविद्यालय है। यहां की छात्राओं ने विभिन्न क्षेत्र में देश का नाम रोशन किया है। उन्होंने कहा कि देश ओर प्रदेशों की सरकार ने भी महिला शिक्षा के लिए अनेक सार्थक प्रयास किए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को नई शिक्षा नीति दी है। श्री तोमर ने छात्राओं से कहा कि जीवन में शिक्षा बहुत जरूरी है, लेकिन हमें अपनी संस्कृति, अध्यात्म पर भी गर्व करना चाहिए। भाजपा जिला अध्यक्ष श्री राजौरिया ने कहा कि देश का अमृत काल में वर्ष 2047 युवाओं के हाथ में होगा। महिला शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य हुआ है।

आज महिलाओं ने हर क्षेत्र में अपना परचम लहराया है। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष ने महाविद्यालय की 400 छात्राओं को विभिन्न विधाओं में उल्लेखनीय कार्य करने पर सम्मान भी किया। इस मौके पर छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का संचालन छात्रसंघ प्रभारी डॉ. कृष्णा सिंह एवं आभार प्रशासनिक अधिकारी डॉ. दीपक पाठक ने व्यक्त किया।

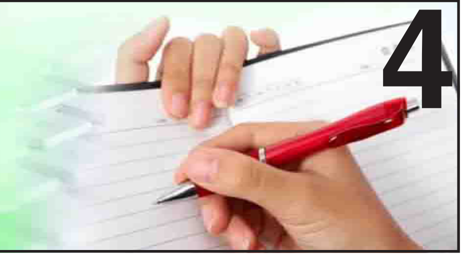

सम्पादकीय

इच्छामृत्यु का ऐतिहासिक फैसला

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को एक अभूतपूर्व फैसले में इच्छामृत्यु को मंजूरी दी है। अदालत ने 32 साल के हरीश राणा के लिए इच्छामृत्यु की इजाजत दी। सुप्रीम कोर्ट में जब जस्टिस जे. बी. पारदीवाला यह फैसला सुना रहे थे तो इस दौरान वे बेहद भावुक हो गए और उनकी आंखें नम हो गई थी। गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस जे. बी. पारदीवाला और जस्टिस के. वी. विश्वनाथन की पीठ ने हरीश राणा के माता-पिता को उनकी जीवनरक्षक चिकित्सा हटाने की इजाजत दे दी है। हरीश राणा पिछले 13 साल से लगातार वेजिटेटिव स्टेट यानी कोमा में हैं। अपना फैसला पढ़ते समय जस्टिस पारदीवाला ने कहा कि हरीश राणा कभी एक होनहार छात्र थे और अपनी पढ़ाई कर रहे थे, लेकिन एक दुर्घटना ने उनकी जिंदगी की दिशा बदल दी। पीठ ने अपने फैसले में कहा कि ऐसे मामलों में मुख्य सवाल यह नहीं होता कि मरीज के लिए मौत बेहतर है या नहीं, बल्कि यह देखा जाना चाहिए कि जीवन को बनाए रखने वाला इलाज मरीज के हित में है या नहीं। अदालत ने कहा कि हरीश राणा में सिर्फ सोने-जागने के चक्र में फंसे हुए हैं, लेकिन वह किसी भी तरह की अर्थपूर्ण प्रतिक्रिया नहीं दे पा रहे हैं। वह अपने दैनिक कामों के लिए पूरी तरह दूसरों पर निर्भर हैं। अदालत ने यह भी बताया कि हरीश को पीईजी ट्यूब के जरिए क्लिनिकली एडमिनिस्टरड न्यूट्रिशन दिया जा रहा है और इतने सालों में उनकी हालत में कोई सुधार नहीं हुआ है। 20 अगस्त 2013 को हरीश राणा अपने छात्रावास की चौथी मंजिल से गिर गए थे। उनके सिर में गहरी चोट लगी और लंबे इलाज के बावजूद वे कोमा से निकल नहीं पाए हैं। उनकी स्थिति को देखते हुए उनके अभिभावकों ने ही इच्छामृत्यु की प्रार्थना की थी। जिस पर दिसंबर 2025 की सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने हरीश राणा की निष्क्रिय इच्छामृत्यु की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया था। तब भी अदालत ने कहा था कि हरीश पिछले 13 वर्षों से गंभीर स्थिति में हैं, और उन्हें इस हालत में जीने नहीं दिया जा सकता। हरीश राणा को ट्यूब के जरिए पोषण पहुंचाकर जिंदा तो रखा गया, लेकिन वे किसी तरह की प्रतिक्रिया नहीं दे पा रहे थे और लगातार बिस्तर पर होने के कारण उनकी शारीरिक अवस्था भी सही नहीं थी। उनकी चिकित्सा रिपोर्ट्स में इन सारी तकलीफों का विस्तार से वर्णन किया गया। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने नई दिल्ली में एम्स के चिकित्सकों के द्वितीयक चिकित्सा बोर्ड द्वारा दाखिल की गई राणा की चिकित्सा संबंधी रिपोर्ट का अवलोकन किया था और कहा था कि यह रिपोर्ट दुखद है। प्राथमिक चिकित्सा बोर्ड ने मरीज की स्थिति की जांच करने के बाद कहा था कि उसके ठीक होने की संभावना नगण्य है। उच्चतम न्यायालय ने पिछले साल 11 दिसंबर को मामले पर टिप्पणी करते हुए कहा था कि प्राथमिक चिकित्सा बोर्ड की रिपोर्ट के अनुसार यह व्यक्ति बेहद दयनीय स्थिति में है। पीठ ने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) को राणा को उपशामक देखभाल इकाई में भर्ती करने का निर्देश दिया है ताकि चिकित्सकीय उपचार बंद किया जा सके। पीठ ने यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि उपचार को एक सुनियोजित तरीके से बंद किया जाए ताकि गरिमा बनी रहे। आमतौर पर यही कहा जाता है कि जब आप किसी व्यक्ति को जीवन दे नहीं सकते, तो जीवन लेने का हक भी आपको नहीं है। कई देशों में इसी आधार पर मृत्युदंड पर भी बहस छिड़ी रहती है, क्योंकि एक बार सांसों की डोर टूट गई, तो फिर उसे जोड़ने का कोई उपाय नहीं है। लेकिन अगर व्यक्ति जिंदा होकर भी किसी मृतप्राय व्यक्ति की तरह हो जाए, जिसके लिए कोई इलाज कारगर न साबित हो, जो असहनीय तकलीफों से गुजरे तो क्या उसे इच्छामृत्यु की इजाजत दी जा सकती है। तब क्या इसे हत्या या आत्महत्या या मृत्युदंड से अलग न्यायोचित ठहराया जा सकता है। ऐसे कई सवाल इच्छामृत्यु के फैसले पर उठते रहे हैं। बुधवार को आए इस फैसले के बाद सम्मानजनक मृत्यु के अधिकार यानी श्राइट टू डाई विद डिग्निटीश जैसे अहम सवाल पर नयी चर्चा शुरू हो सकती है। दरअसल भारत में ऐसा ही एक मामला 1973 में आया था, जब मुंबई के केईएम अस्पताल के वार्डबॉय सोहनलाल वाल्मीकि ने नर्स अरुणा शानबाग के साथ बेरहमी से यौन उत्पीड़न किया और गला दबाया था, जिससे वे स्थायी रूप से कोमा में चली गईं थी। उनके माता-पिता नहीं थे और इस घटना के बाद परिजनों ने भी उनका त्याग कर दिया था। मगर अस्पताल की साथी नर्सों ने उन्हें कोमा में होने के बावजूद जीवित रखने की पूरी कोशिश की। 2009 में पत्रकार पिंकी विरानी ने उनकी दर्दनाक हालत को देखते हुए सर्वोच्च न्यायालय में इच्छा मृत्यु की याचिका दायर की थी, अदालत ने 7 मार्च 2011 को याचिका खारिज कर दी थी, क्योंकि उनका इलाज करने वाली नर्सें और डॉक्टर उन्हें जीवित रखने के लिए प्रतिबद्ध थे। हालांकि, कोर्ट ने श्पैसिव यूथेनेशियाश (लाइफ सपोर्ट हटाना) को अनुमति दी, जिसमें कहा गया कि जब तक मरीज की हालत सुधरने की उम्मीद न हो, तब तक यह लिया जा सकता है। इसके बाद 18 मई 2015 को निमोनिया के कारण अरुणा शानबाग का निधन हो गया।

ईरान संघर्ष और नैतिकता की बहस

एक राष्ट्रपति, जो अपने अहं के हिसाब से चीजें तय करता है, जो मयार्दाओं की फिक्र नहीं करता, उसने लोकतांत्रिक मूल्यों की खातिर न्याय युद्ध छेड़ा है। पर इस विचार को वैसा समर्थन नहीं मिलेगा, जिसका वह हकदार है। इससे उसका महत्व कम नहीं होता, जो इस राष्ट्रपति ने तेहरान की आजादी के लिए किया है। न्यायपूर्ण युद्ध एक ऐसा विचार है, जो कभी-कभी नैतिकता को संकट में डाल देता है। शांतिवादी इसे सत्ता की सबसे बुरी प्रवृत्ति द्वारा बाहरी हिंसा को वैध ठहराने के रूप में देखते हैं और इसे नैतिकता में लपेटना आदर्शवाद के उलटाव को संस्थागत बनाने जैसा हो सकता है। इसके समर्थकों के अनुसार, यह न्याय के लिए एक आवश्यक कार्य है, और आक्रमण की शर्तें अंतरात्मा द्वारा निर्धारित की जाती हैं। नव रूढ़िवादी, जिन्हें डोनाल्ड ट्रंप ने कभी तवज्जो नहीं दी, वही लोग थे, जिन्होंने इसका समर्थन किया। उन्होंने इस सदी की शुरूआत में इराक पर गिरने वाली हर मिसाइल को नैतिक बताया। उनकी नजर में इराक के खिलाफ युद्ध न्यायपूर्ण था। यह केवल इसलिए नहीं कि सद्दाम हुसैन के शासन में छिपे कथित विनाशकारी हथियारों (जो कभी नहीं मिले) को नष्ट करना था, बल्कि उनके लिए यह बुराई के खिलाफ युद्ध था। और नव-रूढ़िवादी शब्दावली में बुराई कोई अमूर्त अवधारणा नहीं थी। जॉर्ज डब्ल्यू बुश के दौर में सक्रिय आदर्शवादी समूहों के लिए बगदाद का बाथवादी तानाशाह स्वयं बुराई का प्रतीक था। इसलिए, उसे हटाने के उनके पास पर्याप्त कारण थे। पर जिस युद्ध को न्यायसंगत कहा गया था, वह अंततः मेसोपोटामिया (इराक) की धरती पर एक गहरी नैतिक तबाही में कैसे बदल गया-यह सवाल आज भी सबसे आदर्शवादी रूढ़िवादियों को परेशान करता है। दरअसल, किसी भी न्यायसंगत युद्ध की नैतिकता शुरूआत में बहुत स्पष्ट दिखाई देती है, पर बहुत कम योद्धा शासक ऐसे हुए हैं, जो युद्ध के अंत तक उसी नैतिक

जॉर्ज डब्ल्यू बुश के दौर में सक्रिय आदर्शवादी समूहों के लिए बगदाद का बाथवादी तानाशाह स्वयं बुराई का प्रतीक था। इसलिए, उसे हटाने के उनके पास पर्याप्त कारण थे। पर जिस युद्ध को न्यायसंगत कहा गया था, वह अंततः मेसोपोटामिया (इराक) की धरती पर एक गहरी नैतिक तबाही में कैसे बदल गया-यह सवाल आज भी सबसे आदर्शवादी रूढ़िवादियों को परेशान करता है। दरअसल, किसी भी न्यायसंगत युद्ध की नैतिकता शुरूआत में बहुत स्पष्ट दिखाई देती है, पर बहुत कम योद्धा शासक ऐसे हुए हैं, जो युद्ध के अंत तक उसी नैतिक ऊर्जा और स्पष्टता को बनाए रख पाते हैं। तो सवाल उठता है कि क्या इस समय ईरान में भी कोई न्यायसंगत युद्ध चल रहा है? इस युद्ध की जरूरत ईरान की परमाणु चालाकी की वजह से नहीं पड़ी। ट्रंप ने खुद माना है कि बंकर बस्टर्स ने अमेरिका और इस्राइल के लिए यह चिंता पहले ही दूर कर दी है। ऐसा भी नहीं था कि अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत नहीं हो रही थी। युद्ध से एक दिन पहले तक बातचीत चल रही थी, और आगे बातचीत के लिए दरवाजे भी बंद नहीं हुए थे। फिर भी यह युद्ध एक बड़े मकसद से शुरू किया गया था, हालांकि, उदारवादी टिप्पणीकार ट्रंप के लिए बड़ा मकसद शब्द नहीं इस्तेमाल करेंगे। इसका एक वाजिब कारण था-धार्मिक शासन के अत्याचार का अंत, जिसका जाल पूरे इलाके में फैला हुआ था। अयातुल्ला खामनेई, जो खुद पवित्र युद्धों के प्रचारक थे, ने एक और न्यायपूर्ण युद्ध को अवश्यंभावी बना दिया। दरअसल, ईरान में राजशाही के खिलाफ विरोध की पवित्र किताबों से पैदा हुई इमामत (नेतृत्व), अपने कुत्सित इरादों में कामयाब रही। ईरान एक पतनशील संस्कृति का प्रतीक बन गया था। ईरान का हर युद्ध पश्चिम और उसके मूल्यों के खिलाफ एक तरह का सांस्कृतिक युद्ध था। यह वही रास्ता था, जो पहले से तय था और जिसे सर्वोच्च नेता ने चुना था। क्रांतियों के इतिहास में अक्सर ऐसा होता है कि वे एक ऐसे वादे से शुरू होती हैं, जो लोगों की बेचैनी और जल्दी बदलाव चाहने की भावना के साथ जुड़ जाती हैं। शाह शासन के आखिरी दिनों में, अयातुल्ला रूहोल्लाह खुमैनी ने ईश्वर की तानाशाही का नहीं, बल्कि आस्था पर आधारित आजादी का वादा किया था और धार्मिक सोच वाले लोकतंत्र में यह गलत नहीं था। पश्चिम में यह सदियों तक चलता रहा। एक बार जब क्रांतिकारी उपदेशक इस्लामी गणराज्य के संरक्षक संत बन गए, तो बातचीत की शर्तें बदल गईं। वैचारिक क्रांति की तरह ही धर्म या आस्था के नाम पर हुई क्रांति ने भी, जनता की इच्छाओं को दबाने और नेता का दबदबा बनाए रखने की जल्दी में धरती पर नरक बनाने का सहारा लिया। ईरान जैसे समृद्ध सभ्यता व आजाद सोच वाले मुल्क को किताबी जंगलीपन की शिक्षा से ढककर, इस्लामी क्रांति ऊपर वाले को खुश करने के बजाय इमाम पंथ को ज्यादा अहमियत दे रही थी।

ऊर्जा और स्पष्टता को बनाए रख पाते हैं। तो सवाल उठता है कि क्या इस समय ईरान में भी कोई न्यायसंगत युद्ध चल रहा है? इस युद्ध की जरूरत ईरान की परमाणु चालाकी की वजह से नहीं पड़ी। ट्रंप ने खुद माना है कि बंकर बस्टर्स ने अमेरिका और इस्राइल के लिए यह चिंता पहले ही दूर कर दी है। ऐसा भी नहीं था कि अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत नहीं हो रही थी। युद्ध से एक दिन पहले तक बातचीत चल रही थी, और आगे बातचीत के लिए दरवाजे भी बंद नहीं हुए थे। फिर भी यह युद्ध एक बड़े मकसद से शुरू किया गया था, हालांकि, उदारवादी टिप्पणीकार ट्रंप के लिए बड़ा मकसद शब्द नहीं इस्तेमाल करेंगे। इसका एक वाजिब कारण था-धार्मिक शासन के अत्याचार का अंत, जिसका जाल पूरे इलाके में फैला हुआ था। अयातुल्ला खामनेई, जो खुद पवित्र युद्धों के प्रचारक थे, ने एक और न्यायपूर्ण युद्ध को अवश्यंभावी बना दिया। दरअसल, ईरान में राजशाही के खिलाफ विरोध की पवित्र किताबों से पैदा हुई इमामत (नेतृत्व), अपने कुत्सित इरादों में कामयाब रही। ईरान एक पतनशील संस्कृति का प्रतीक बन गया था। ईरान का हर युद्ध पश्चिम और उसके मूल्यों के खिलाफ एक तरह का सांस्कृतिक युद्ध था। यह वही रास्ता था, जो पहले से तय था और जिसे सर्वोच्च नेता ने चुना था। क्रांतियों के इतिहास में अक्सर ऐसा होता है कि वे एक ऐसे वादे से शुरू होती हैं, जो लोगों की बेचैनी और जल्दी बदलाव चाहने की भावना के साथ जुड़ जाती हैं। शाह शासन के आखिरी दिनों में, अयातुल्ला रूहोल्लाह खुमैनी ने ईश्वर की तानाशाही का नहीं, बल्कि आस्था पर आधारित आजादी का वादा किया था और धार्मिक सोच वाले लोकतंत्र में यह गलत नहीं था। पश्चिम में यह सदियों तक चलता रहा। एक बार जब क्रांतिकारी उपदेशक इस्लामी गणराज्य के संरक्षक संत बन गए, तो बातचीत की शर्तें बदल गईं। वैचारिक क्रांति की तरह ही धर्म या आस्था के नाम पर हुई क्रांति ने भी, जनता की इच्छाओं को दबाने और नेता का दबदबा बनाए रखने की जल्दी में धरती पर नरक बनाने का सहारा लिया। ईरान जैसे समृद्ध सभ्यता व आजाद सोच वाले मुल्क को किताबी जंगलीपन की शिक्षा से ढककर, इस्लामी क्रांति ऊपर वाले को खुश करने के बजाय इमाम पंथ को ज्यादा अहमियत दे रही थी। धार्मिक-फासीवादी मुल्क पश्चिम एशिया के सबसे बड़े गुलैग (कुख्यात जेल प्रणाली) को असंतुष्टों से भरने से संतुष्ट नहीं था। अकेले ईरान में पिछले प्रदर्शनों में 6,000 से ज्यादा ईरानी मारे गए। जब भी विरोध हुआ, मॉस्को ने टैंकों की आपूर्ति की। इस्लामी गणराज्य के लिए विस्तारवाद का मतलब था गाजा से लेकर यमन, सीरिया से लेकर लेबनान तक लगातार छद्म युद्ध। इसके आसपास के देशों में क्रांति लाने का मुकाबला, उस समाज के साथ क्रूरता से किया जा रहा है, जो कभी एक बहुलवादी समाज था और जिसमें यहूदी-विरोध के कोई निशान नहीं थे। संस्थापक इमाम के उत्तराधिकारी, अयातुल्ला खामनेई को इस क्रांतिकारी तंत्र को एक हत्या की मशीन में बदलना पड़ा, जिसने देश में आज्ञाकारिता सुनिश्चित करते हुए भी विदेश में (यहूदी राज्य के) विनाश का समर्थन किया। प्रतिरोध की धुरी पूरे पश्चिम एशिया में शहादत और तबाही फैलाकर एक थकी हुई क्रांति को अधिकतम करने के बारे में थी। ईरान के कुछ समर्थक लोग यह दलील देंगे कि यह काम अमेरिकी राष्ट्रपति का नहीं है, खासकर उस राष्ट्रपति का, जो यह मानता था कि विदेशों में दखल देने से अमेरिका फिर से महान नहीं बन सकता। इसलिए बंद और कठोर समाजों में उदार मूल्यों और नैतिकता को स्थापित करना उसकी जिम्मेदारी नहीं है। ट्रंप की छवि खराब है। यह दुनिया के साथ उनके व्यवहार के स्वतंत्र विश्लेषण में बाधक है। एक राष्ट्रपति, जो आम तौर पर अपने अहं के हिसाब से चीजें तय करता है और लोकतांत्रिक मयार्दाओं की कोई परवाह नहीं करता, वह उदार लोकतंत्र के लिए जंग में जाएगा, यह एक ऐसा विचार है, जिसे वैसा समर्थन नहीं मिलेगा, जिसका वह हकदार

भारतीय रसोई में गैस छोड़कर बिजली का उपयोग शुरू करने की जरूरत

पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध ने खाड़ी देशों से कच्चे तेल, तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एल.एन.जी.) और रिफाइनरी उत्पादों की आपूर्ति रोक दी है, जिससे भारत को खाना पकाने के लिए आयातित हाइड्रोकार्बन पर निर्भरता की वास्तविकता का एहसास हो गया है। अब समय आ गया है कि हम अपने रसोईघरों में तरल पैट्रोलियम गैस (एल.पी.जी.) और पाइपलाइन वाली प्राकृतिक गैस (पी.एन.जी.) का उपयोग कम करना शुरू करें। एल.पी.जी. मूल रूप से प्रोपेन और ब्यूटेन का मिश्रण है, जबकि पी.एन.जी. मुख्य रूप से मीथेन है, ठीक उसी तरह, जैसे संपीड़ित प्राकृतिक गैस (सी.एन.जी.), जिसका उपयोग वाहन पैट्रोल और डीजल के कम कार्बन वाले विकल्प के रूप में करते हैं। इसकी बजाय, हमें घरेलू कोयले और नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से उत्पन्न बिजली से चलने वाले इलैक्ट्रिक स्टोव पर खाना पकाना चाहिए। चूंकि हमारे पास अपना कोयला है, इसलिए इसकी आपूर्ति विदेशों में युद्ध से बाधित नहीं हो सकती। न ही इसकी कीमत भू-राजनीतिक उतार-चढ़ाव से प्रभावित होती है। अब जबकि विद्युतीकरण दूरदराज के क्षेत्रों तक भी पहुंच गया है और घर बिजली ग्रिड से जुड़ गए हैं, जिनमें से कुछ छोटे जलविद्युत या नवीकरणीय परियोजनाओं द्वारा संचालित स्थानीय नैटवर्क हैं, एकमात्र चुनौती आपूर्ति की निरंतरता और वोल्टेज स्थिरता के संदर्भ में विश्वसनीयता है। यदि बिजली क्षेत्र में राजनीतिक मूल्य निर्धारण को हटा दिया जाए, तो बिजली कटौती के कारण होने वाली असुविधा चिंता का विषय नहीं रहेगी। हमारे प्रचुर मात्रा में कोयले के भंडार को निकालने के लिए व्यावसायिक खनिकों के चयन में भी राजनीति की भूमिका होती है। इसमें भी सुधार की गुंजाइश है। आदर्श रूप से, खाना पकाने के लिए इंडक्शन स्टोव का उपयोग करना चाहिए, न कि सिरेमिक डिस्क पर बने खांचों में लिपटी हीटिंग कॉइल का। हीटिंग कॉइल गैस स्टोव की तरह ही काम करती है- यह खाना पकाने के बर्तन के बाहरी हिस्से को गर्म करती है, जिससे उसके अंदर रखे भोजन तक गर्मी पहुंचती है, लेकिन इस प्रक्रिया में काफी मात्रा में विकिरण ऊष्मा नष्ट हो जाती है। इसके विपरीत, इंडक्शन स्टोवटॉप के ऊपर एक विद्युत-चुंबकीय क्षेत्र बनाता है जो स्टोव की दीवार में कई छोटे-छोटे विद्युत धारा के भंवर उत्पन्न करता है। इस पर रखे बर्तन (यदि वह सही सामग्री का हो) के कारण, इलैक्ट्रॉन प्रवाह के प्रति बर्तन का प्रतिरोध उसे गर्म करता है और भोजन को पकाता है। हालांकि इंडक्शन स्टोव महंगे हो सकते हैं, क्योंकि उनके लिए विशेष बर्तनों की आवश्यकता होती है, लेकिन जो लोग इन्हें वहन कर सकते हैं, उन्हें इसके फायदों पर ध्यान देना चाहिए। ये अपनी विद्युत ऊर्जा का 85-90 प्रतिशत तापीय ऊर्जा में परिवर्तित करते हैं, जबकि गैस स्टोव की दक्षता केवल 40 प्रतिशत के आसपास होती है। बॉटलिंग प्लांट में भरे गए एल.पी.जी. सिलैंडरों की डिलीवरी और ट्रकों द्वारा परिवहन में उपयोग की जाने वाली ऊर्जा को भी शामिल करें। शहरी पी.एन.जी. नैटवर्क में भी लागत आती है। लेकिन अतिरिक्त बिजली की मांग से होने वाले कार्बन उत्सर्जन का क्या? यह सच है कि हमारे पुराने बिजली संयंत्रों की तापीय दक्षता 40 प्रतिशत से कम है, जबकि नए संयंत्र 44 प्रतिशत तक तापीय दक्षता प्रदान करते हैं। दक्षता में प्रत्येक बिंदू की वृद्धि का अर्थ है ईंधन की खपत और कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में 2-3 प्रतिशत की कमी। गैस टर्बाइन, यदि स्टीम चक्र के साथ संयोजन में चलाए जाएं, तो 50 प्रतिशत से अधिक, 64 प्रतिशत तक की दक्षता प्राप्त कर सकते हैं। आदर्श रूप में, कोयले का गैसीकरण किया जाना चाहिए और इस गैस का उपयोग दोहरे चक्र वाले गैस टर्बाइनों के माध्यम से बिजली उत्पन्न करने के लिए किया जाना चाहिए। भारत के जलवायु परिवर्तन संबंधी एजैंडे के साथ इलैक्ट्रिक कुकिंग कैसे मेल खाएगी? जीवन स्तर में सुधार के साथ, स्वाभाविक रूप से, हमारी प्रति व्यक्ति बिजली की खपत वैश्विक औसत के आधे से बढ़कर होगी, जो कि वर्तमान में है। हम आवागमन और घर के अंदर तापमान नियंत्रण के लिए अधिक बिजली का उपयोग करेंगे। रसोई को पूरी तरह से इलैक्ट्रिक बनाने से कुल बिजली की खपत में मामूली वृद्धि होगी। चुनौती यह है कि मांग को जिम्मेदारी से प्रबंधित करते हुए, दक्षता और न्यूनतम बबार्दी के साथ इस बिजली का उत्पादन कैसे किया जाए? हमें अपनी बिजली क्षमता बढ़ाने के साथ-साथ कार्बन कैप्चर और पुनः उपयोग के लिए भी व्यापक प्रयास करने होंगे। कैप्चर किए गए कार्बन को हीरे, ग्राफेन और कार्बन फाइबर से लेकर रेत के विकल्प और लंबी शृंखला वाले पॉलिमर तक विभिन्न सामग्रियों में परिवर्तित किया जा सकता है। यही सही रास्ता है।

मोजतबा खामेनेई को सर्वोच्च नेता बनाना ईरानी नेतृत्व की निरन्तरता का संकेत

असद मिर्जा

ईरान ने 9 मार्च को मोजतबा खामेनेई को उनके पिता आयतुल्ला अली खामेनेई की जगह ईरान का सर्वोच्च नेता बनाने का ऐलान किया, जिससे यह संकेत मिलता है कि कट्टरपंथी मजबूती से सत्ता में बने हुए हैं। ईरानी संस्थाओं और राजनेताओं, विदेश मंत्रालय से लेकर सांसदों तक, ने देश के नए सर्वोच्च नेता के प्रति अपनी वफादारी जताते हुए बयान जारी किए, जबकि युद्ध अपने 10वें दिन में पहुंच गया और पूरे मध्य पूर्व में नए मिसाइल और ड्रोन हमलों की गूंज सुनाई दी। इसका नतीजा यह भी हुआ है कि पश्चिमी देश ईरान में मौजूदा शासन को उखाड़ फेंकने में नाकाम रहे हैं। सालों से पश्चिम ईरान में इस्लामवादियों के नेतृत्व वाले शासन को बदलने की बहुत कोशिश करता रहा है। इस्लाम विरोधी और शिया विरोधी रुख को बढ़ावा देने के लिए इसने देश में लोकतंत्र की कमी, महिलाओं पर जुल्म, सामाजिक ठहराव और आर्थिक गिरावट पर चिंता जताई। लेकिन असली वजह हमेशा से यही रही है कि ईरान के तेल और खनिज संपदा को कैसे नियंत्रित किया जाए और देश को पूंजीवादी सोच के आगे कैसे झुकाया जाए। अभी का अमेरिकी-इजरायली दखल, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू, दोनों के एक बयानबाजी वाले अभियान की वजह से हुआ, जिसमें ईरानियों से श्उठनेश की अपील की गई। अयातुल्ला अली खामेनेई और दूसरे बड़े ईरानी अधिकारियों की हत्या को गठबंधन की एक बड़ी कामयाबी के तौर पर मनाया

गया। जर्मनी के फिलिप्स-यूनिवर्सिटेटमारबर्ग में मध्य पूर्व के अर्थशास्त्र के प्रोफेसर मोहम्मद रजा फरजानेगन का मानना है कि यह यकीनन नहीं कहा जा सकता कि एक केन्द्रीय नेता को हटाने से श्छोटी और अहम रुकावटश आएगी और उसके बाद आसानी से बदलाव होगा। असल में, अयातुल्ला खामेनेई के बाद ईरान शायद वैसा बिल्कुल न हो जैसा दखल देने वाले चाहते हैं। अगर हम मध्य पूर्व को और बड़े पैमाने पर देखें, तो हम तीन ऐसे देश पहचान पाएंगे, जहां सरकार बदलने में बाहरी दखल से आसानी से बदलाव और स्थिरता नहीं आई है। इराक, सीरिया और लीबिया में सिर्फ अफरा-तफरी देखी गई है, स्थिरता नहीं। जबकि इस इलाके का चौथा देश, जिसके बारे में सबसे ज्यादा नकारात्मक आशंकाएं जताई जा रही थीं, इन बातों को गलत साबित करने में कामयाब रहा है, और ऐसा लगता है कि तालिबान ने देश में अपना नियंत्रण मजबूत कर लिया है। 2003 में अमेरिकी हमले के बाद इराक में कई बगावतें और सिविल वॉर हुए हैं, और लोकतंत्र लाने की तमाम कोशिशों के बावजूद, देश अभी भी 2003 से पहले वाली स्थिरता पर नहीं लौट पाया है। 2011 में नाटो के दखल के बाद लीबिया के टूटने से कोई साफ सुधार नहीं दिख रहा है। देश शासन के दो केन्द्रों -त्रिपोली और बेंगाजी -के बीच बंटा हुआ है। अलअसद को हराने वाले के गिरने और देश के राजनीतिक परिदृश्य पर अलशरा के आने के बाद सीरिया लोगों के लिए कोई नई वेलफेयर सरकार नहीं बना पाया है, बल्कि अमेरिकी प्रशासन ने अलशरा को सहारा दिया है। लेकिन ईरान का मामला इन देशों से कई तरह से अलग है। इसके अलावा, अयातुल्ला खामेनेई की हत्या का गहरा असर हो सकता है, जिसके कारण देश का पतन नहीं हो सकता है। शिया इस्लाम के प्रतीकात्मक संसार में, जिससे ज्यादातर ईरानी जुड़े हुए हैं, खामेनेई की मौत को एक शहीदी पटकथा के पूरा होने के तौर पर देखा जा सकता है। इस्लाम के कहे जाने वाले दुश्मनों के हाथों मौत को हार के बजाय मुक्ति का रास्ता माना जा सकता हैय यह कोई कड़वा पतन नहीं है, जैसा कि मध्य पूर्व के दूसरे शासकों के साथ हुआ जिन्हें हटा दिया गया या मार दिया गया। इसके बजाय यह एक आदर्श अंत हैरू बलिदान के जरिए राजनीतिक जिंदगी को पवित्र बनाना, प्रोफेसर फरजानेगन कहते हैं। ईरान के लिए, अब बड़ा सवाल यह है कि क्या प्रशासनिक एकता और भौगोलिक अखंडता को बनाए रखा जा सकता है। इसे हासिल करना मुख्य रूप से डीप स्टेट के बने रहने पर निर्भर करता है, जो देश की वित्तीय और जरूरी सेवाओं को प्रबंधित करने वाली मजबूत असैन्य अधिकारी तंत्र और प्रौद्योगिकी वर्ग है। इसके अलावा, प्रोफेसर फरजानेगन का मानना है कि इलाके की अखंडता रेगुलर आर्मी (आर्टेश) और इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआर जीसी) के बीच लगातार एकता पर निर्भर करती है।

युद्धोन्माद और मीडिया

सर्वमित्रा सुरजन

ईरान के अखबार तेहरान टाइम्स ने अपने पहले पन्ने पर एक मार्मिक और भीतर तक झकझोरने वाली तस्वीर छापी है, जिसमें दक्षिणी ईरान के मिनाब शहर के एक स्कूल में मिसाइल हमले में मारी गई मासूम बच्चियों की तस्वीरें हैं। अकाल मौत की शिकार इन बच्चियों की तस्वीरों के साथ अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए एक संदेश है कि, ट्रम्प, उनकी आंखों में आंखें डालकर देखिए। इसके बाद नीचे लिखा है सैकड़ों ईरानी बच्चों की मौत के बावजूद, अमेरिकी राष्ट्रपति अभी भी मीनाब के प्राथमिक विद्यालय पर बमबारी से इनकार कर रहे हैं। अखबार ने इस पहले पन्ने को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर किया है, जिस पर दुनिया भर से भावुक प्रतिक्रियाएं आई हैं। एक यूजर ने लिखा, श्कितनी संभावनाएं मिट गईं, कितने भविष्य शुरू होने से पहले ही खत्म हो गए, कितने फूल खिलने से पहले ही कुचल दिए गए। एक अन्य टिप्पणी में संघर्ष में शामिल कई लोगों को दोषी ठहराते हुए कहा गया, श्सिर्फ ट्रंप ही नहीं, बल्कि गोली चलाने वाले, मिसाइल बनाने वाले, खुफिया जानकारी मुहैया कराने वाले और अंततः सभी ट्रंप समर्थक भी दोषी हैं। वहीं खुद को अमेरिकी नागरिक बताने वाले एक यूजर ने संघर्ष समाप्त करने की अपील करते हुए लिखा, यह जानकर दुख हुआ कि अमेरिका अभी भी मीनाब के प्राथमिक विद्यालय पर हुए बम हमले से इनकार कर रहा है। ट्रंप का इसे स्वीकार करने से इनकार करना जवाबदेही और पश्चाताप की चिंताजनक कमी को दर्शाता है। एक अमेरिकी नागरिक के रूप में, मेरा मानना है कि अब युद्धविराम की मांग करने, इस युद्ध को समाप्त करने और शांति की ओर बढ़ने का समय आ गया है। गौरतलब है कि 28 फरवरी को ईरान पर हमले के दौरान ही प्राथमिक स्कूल पर भी मिसाइल गिरी। जिनमें डेढ़ सौ से ज्यादा बच्चियां, जिनकी उम्र 7 से 12 बरस रही होगी उनकी मौत हो गई। साथ ही स्कूल के कुछ शिक्षकों और कर्मियों की भी मौत हुई है। इन बच्चियों को दफ्न करने की तस्वीरें भी ईरान से बाहर आई थीं, जिनमें बड़ी संख्या में शोकाकुल लोग जमा हुए थे। ईरान से पहले गजा से भी ऐसे कई दारुण दृश्य सामने आ चुके हैं, लेकिन ऐसा लगता है कि शक्तिशाली लोगों के पास संवेदनाएं नाममात्र को भी नहीं बची हैं। तभी तो वे निहत्थे, मासूम लोगों को क्रूरता से मारने के बावजूद जरा नहीं पछता रहे हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तो बड़ी बेशर्मी से इस हमले के लिए ईरान को ही जिम्मेदार ठहरा दिया कि उसी ने टॉमहॉक मिसाइल स्कूल पर गिराई है। यह जवाब एक अमेरिकी पत्रकार के सवाल पर ट्रंप ने दिया था। हालांकि अमेरिकी सैन्य जांचकताओं का मानना है कि लड़कियों के स्कूल पर हमले के लिए अमेरिकी सेना जिम्मेदार हो सकती है। कैलिफोर्निया के गवर्नर गैविन न्यूजॉम ने भी इस हमले के लिए ट्रंप को दोषी ठहराया है। लेकिन अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा है कि अमेरिका श्जानबूझकर किसी स्कूल को निशाना नहीं बनाएगा।श मान लें कि जानबूझकर निशाना नहीं बनाया, लेकिन अनजाने में भी ऐसा हुआ है तो क्या उसकी जिम्मेदारी ट्रंप को नहीं लेनी चाहिए या सैकड़ों बच्चियों के खून से रंगे हाथ लेकर वो अब भी नोबेल शांति पुरस्कार पहनना चाहते हैं। वैसे जिस टॉमहॉक मिसाइल का नाम ट्रंप ने लिया कि ईरान ने उसका इस्तेमाल किया है, वो सरासर झूठ है। टॉमहॉक मिसाइलों का निर्माण फीनिक्स, एरिजोना की आरटीएक्स कंपनी द्वारा किया जाता है। और अमेरिका इन्हें केवल चार देशों को बेचता है, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, जापान और नीदरलैंड। इस समय इनमें से कोई भी देश अमेरिका के साथ मिलकर ईरान के खिलाफ नहीं खड़ा है। तो जाहिर है कि हमला अमेरिका की तरफ से ही हुआ है। इस हमले पर न्यूयॉर्क टाइम्स, रॉयटर्स, सीबीएस और वॉशिंगटन पोस्ट जैसे मीडिया संस्थान अपनी ही सरकार को कटघरे में खड़ा कर रहे हैं। इससे एक बात फिर साबित होती है कि अगर मीडिया ईमानदारी से काम करे तो फिर सच और झूठ की पड़ताल आसान हो जाती है। इस मामले में भारतीय मीडिया की अवस्था काफी दयनीय लगती है। रोजाना स्क्रीन पर दिखने वाले स्वनामधन्य पत्रकारों के लिए अभी ईरान पर हमला, या उससे पहले गजा पर हमला, ऑपरेशन सिंदूर या रूस-यूक्रेन युद्ध टीआरपी बढ़ाने, चिल्ला-चिल्ला कर सच्ची-झूठी बातों का घालमेल करने और पीड़ित से ज्यादा आक्रांता के पक्ष में खड़े होने का ही माध्यम है। जब ये पत्रकार स्क्रीन पर अवतरित होते हैं, तो पीछे बमों और मिसाइलों के बरसने, आग लगने, तबाही के दृश्य लगातार चलते हैं। ऐसा लगता है मानो कोई वीडियो गेम चल रहा है, जिसमें रिमोट की बटन दबाते ही विध्वंस होता है, हर धमाके के साथ पत्रकारों की आवाजें तेज हो जाती हैं, जिनमें तथ्य और असली सूचनाएं दब जाती हैं, संवेदनाएं गायब हो जाती हैं, रह जाता है तो बस परपीड़ा सुख, जिसकी लहरों में ये पत्रकार डूबते-उतरते दिखते हैं।

दुद्धी से सपा विधायक विजय सिंह गोंड का निधन, लंबे समय से चल रहे थे बीमार

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले में दुद्धी विधानसभा सीट से समाजवादी पार्टी (सपा) विधायक विजय सिंह गोंड का गुरुवार को लखनऊ के संजय गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान (एसजीपीजीआई) में निधन हो गया। वे लंबे समय से अस्वस्थ थे और उनका इलाज चल रहा था। संस्थान की जनसंपर्क अधिकारी कुसुम यादव के मुताबिक, मल्टी आर्गन फेल्योर के चलते विधायक की मृत्यु हुई है। उनके निधन की सूचना मिलते ही सोनभद्र सहित आसपास के इलाकों में शोक की लहर फैल गई है। दुद्धी विधानसभा अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित और आदिवासी बहुल क्षेत्र है। विजय सिंह गोंड को आदिवासी राजनीति का शिपतामहश माना जाता था। उन्होंने इस क्षेत्र का सात बार विधानसभा में प्रतिनिधित्व किया और आदिवासी समाज की समस्याओं को मजबूती से सदन तक पहुंचाया। वर्ष 2024 के उपचुनाव में उन्होंने भाजपा प्रत्याशी श्रवण गोंड को 3160 मतों से पराजित कर सीट अपने नाम की थी।

क्रिएटिनिन बढ़ा तो समझिए खतरे में है किडनी, जानिए क्या है इसकी पहचान

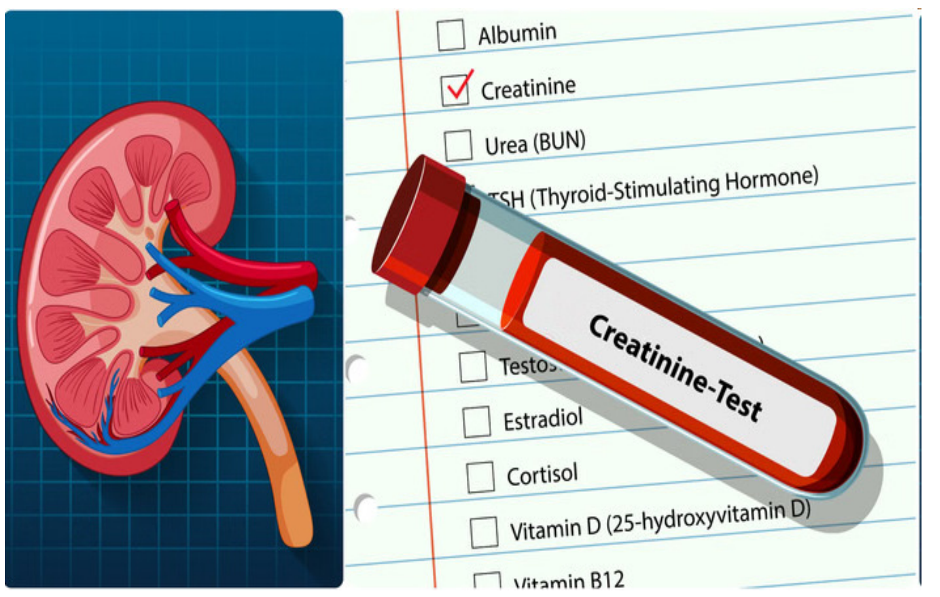

किडनी से संबंधित बीमारियों का खतरा दुनियाभर में तेजी से बढ़ता जा रहा है। जब किडनी सही तरीके से काम करती है तो खून में क्रिएटिनिन का स्तर संतुलित हो जाता है। इसके कई नुकसान हो सकते हैं। आइए जानते हैं कि हाई क्रिएटिनिन कितना खतरनाक हो सकता है? दुनियाभर में बढ़ती किडनी की बीमारियों को लेकर लोगों को शिक्षित-जागरूक करने और किडनी से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं को लेकर अलर्ट करने के उद्देश्य से हर साल मार्च महीने के दूसरे गुरुवार (इस बार 12 मार्च) को विश्व किडनी दिवस मनाया जाता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, किडनी की समस्याएं सभी उम्र के लोगों में तेजी से बढ़ती जा रही हैं। बच्चों में भी किडनी की समस्याओं का खतरा देखा जा रहा है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, किडनी को हमारे शरीर का फिल्टर कहा जा सकता है। ये खून से गंदगी और अतिरिक्त पानी को छानकर पेशाब के जरिए बाहर निकालती है। अगर किडनी ठीक से काम करना बंद कर दे तो शरीर में विषाक्तता बढ़ने का खतरा रहता है, यही वजह है कि किडनी का स्वस्थ रहना हमारे लिए बहुत जरूरी है। नियमित अंतराल पर सभी लोगों को किडनी फंक्शन टेस्ट कराते रहना चाहिए ताकि इस अंग की सेहत के बारे में पता चल सके।

किडनी टेस्ट के दौरान अक्सर क्रिएटिनिन लेवल की बात की जाती है, पर ये होता क्या है?

क्रिएटिनिन के बारे में जान लीजिए

क्रिएटिनिन एक प्रकार का अपशिष्ट पदार्थ है जो शरीर की मांसपेशियों में बनने वाले क्रिएटिन नामक कंपाउंड के टूटने से बनता है। जब हम कोई भी शारीरिक गतिविधि करते हैं, तो मांसपेशियां ऊर्जा का उपयोग करती हैं और उसी प्रक्रिया के दौरान क्रिएटिनिन बनता है।

यह लगातार खून में बनता रहता है और किडनी इसे खून से छानकर पेशाब के जरिए बाहर निकाल देती है।

जब किडनी सही तरीके से काम करती है तो खून में क्रिएटिनिन का स्तर संतुलित होने लगता है।

बढ़ा हुआ क्रिएटिनिन इस बात का संकेत हो सकता है कि किडनी पर्याप्त रूप से खून को फिल्टर नहीं कर पा रही है।

क्रिएटिनिन कितना होना चाहिए?

खून की जांच के माध्यम से क्रिएटिनिन के लेवल का पता लगाया जाता है।

वयस्क पुरुषों में क्रिएटिनिन का स्तर लगभग 0.7 से 1.3ॅ/छि सामान्य है।

महिलाओं में 0.6 से 1.1ॅ/छि के बीच इसे नॉर्मल माना जाता है।

अगर क्रिएटिनिन लगातार बढ़ा हुआ रहता है कि समय रहते डॉक्टर की सलाह लेना जरूरी हो जाता है। ये जितना हाई रहेगा उसका मतलब किडनी उतने ही खतरे में है।

हाई क्रिएटिनिन से क्या-क्या दिक्कतें होती हैं?

किडनी की फिल्टरिंग क्षमता कमजोर होने से क्रिएटिनिन बढ़ता है। इससे शरीर में यूरिया और अन्य टॉक्सिन जमा होने लगते हैं। डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर, हृदय रोग, अक्सर पेन किलर लेने वाले लोगों और डिहाइड्रेशन की वजह से किडनी को नुकसान पहुंचती है और इससे क्रिएटिनिन हाई हो सकता है। अगर यह स्थिति लंबे समय तक बनी रहे तो क्रॉनिक किडनी डिजीज (सीकेडी) का खतरा भी बढ़ जाता है।

बढ़ा हुआ क्रिएटिनिन केवल किडनी के अलावा पूरे शरीर को प्रभावित कर सकता है।

जब किडनी सही से काम नहीं करती, तो शरीर में तरल और इलेक्ट्रोलाइट असंतुलन हो जाता है। इससे पैरों, चेहरे या हाथों में सूजन, सांस लेने में तकलीफ और ब्लड प्रेशर बढ़ना जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

खून में टॉक्सिन जमा होने से थकान, कमजोरी, मतली, उल्टी, भूख कम लगने जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

कुछ मामलों में पोटैशियम का स्तर गड़बड़ होने से दिल की धड़कन अनियमित हो सकती है।

क्रिएटिनिन लेवल बढ़ जाए तो क्या करें?

अगर आपका क्रिएटिनिन लेवल अक्सर बढ़ा रहता है, तो डॉक्टर से सलाह जरूर लेनी चाहिए ताकि इसकी वजह पता चल सके किडनी में कोई दिक्कत तो नहीं है? दवाओं के अलावा क्रिएटिनिन लेवल को कंट्रोल करने के लिए खान-पान में सुधार करें।

प्रोटीन वाली चीजें कम खाएं। इससे किडनी पर पड़ने वाला बोझ कम होता है।

डाइट में फाइबर वाली चीजें जैसे ज्यादा फल और सब्जियों की मात्रा बढ़ा लें।

ब्लड प्रेशर को ठीक रखने के लिए नमक और प्रोसेस्ड फूड का सेवन कम से कम करें।

पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं। रोजाना 2-3 लीटर पानी पीना सेहत को ठीक रखने के लिए जरूरी है।

कबूतर भगाने के काम आएगा सिर्फ ये 1 नुस्खा, आजमाकर देख लें

आपने अक्सर देखा होगा, कि गर्मी के मौसम में धूप से बचने के लिए कबूतर बालकनी में आकर बैठ जाते हैं। बालकनी में बैठकर ये नसिर्फ बालकनी गंदी करते हैं, बल्कि पौधों का भी नुकसान कर देते हैं। कई लोग इनके भगाने के लिए महंगे उपकरण या रसायन इस्तेमाल करते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि कबूतर भगाने के लिए आपको किसी तरह के केमिकल की जरूरत नहीं। अगर आप भी इस नुस्खे के बारे में जानना चाहते हैं तो इस लेख को अंत तक पढ़ें। इसमें हम आपको एक ऐसा नुस्खा बताएंगे, जिसमें आपको सिर्फ एल्युमिनियम फॉयल का इस्तेमाल करना है। ये तरीका सुरक्षित, किफायती और पक्षियों के लिए हानिकारक नहीं है। इसे अपनाकर आप अपनी बालकनी को कबूतरों से मुक्त रख सकते हैं और घर के वातावरण को साफ और आरामदायक बनाए रख सकते हैं।

एल्युमिनियम फॉयल से कबूतर ऐसे भगाएं

स नुस्खे के लिए आपको एल्युमिनियम फॉयल की पतली चादर की जरूरत होगी। इसे छोटे-छोटे स्ट्रिप्स, लंबे पट्टे या टेप जैसी पटरियों में काट लें। स्ट्रिप्स जितनी लंबी और चमकदार होंगी, उनका असर उतना ही ज्यादा होगा। ये उपाय पूरी तरह सुरक्षित है और पक्षियों को नुकसान नहीं पहुंचाता।

इन्हें कहां टांगे?

एल्युमिनियम फॉयल की काटी हुए स्ट्रिप्स को बालकनी की रेलिंग, छत, पौधों के आसपास या उन जगहों पर टांगें जहां कबूतर अक्सर बैठते हैं। हवा में हिलते हुए स्ट्रिप्स सूरज की रोशनी से चमकते हैं और हल्की आवाज भी करते हैं, जिससे पक्षी डर जाते हैं। ध्यान रखें कि स्ट्रिप्स ज्यादा पास-पास न हों, ताकि हवा में अच्छे से हिल सकें और उनका प्रभाव अधिक लंबे समय तक रहे।

नियमित करें बदलाव

समय-समय पर स्ट्रिप्स को बदलना जरूरी है। पुराने या धुंधले स्ट्रिप्स का प्रभाव कम हो जाता है। नए स्ट्रिप्स लगाने से कबूतरों का डर बना रहता है और वे वापस बालकनी में नहीं आते। स्ट्रिप्स की लंबाई और चमक का ध्यान रखें। यदि बारिश या हवा से स्ट्रिप्स खराब हो जाएँ, तो उन्हें तुरंत बदल दें। कबूतर भगाने के लिए इन तरीकों को भी आजमा सकते हैं एल्युमीनियम स्ट्रिप्स के साथ आप अन्य घरेलू उपाय भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

गर्मियों में चेहरे को ठंडक देने के 7 घरेलू नुस्खे, तुरंत मिलेगा फ्रेश ग्लो

गर्मियों में चेहरे को ठंडक देने के लिए एलोवेरा जेल, खीरे का रस, गुलाब जल, दही और चंदन जैसे प्राकृतिक उपाय इस्तेमाल किए जा सकते हैं। ये चीजें त्वचा को ठंडक देने के साथ-साथ हाइड्रेशन और ग्लो भी देती हैं। नियमित उपयोग से गर्मी में होने वाली जलन और रूखापन कम हो सकता है। गर्मियों के मौसम में तेज धूप और गर्म हवा का असर हमारी त्वचा पर भी पड़ता है। इस वजह से कई लोगों को त्वचा में जलन, टैनिंग और रूखापन जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। ऐसे में अगर आप कुछ आसान घरेलू नुस्खे अपनाएं तो आपकी त्वचा को ठंडक मिल सकती है और वह फ्रेश व ग्लोइंग बनी रह सकती है। गर्मियों में त्वचा की देखभाल करना बेहद जरूरी होता है। अगर आप नियमित रूप से इन आसान घरेलू नुस्खों को अपनाते हैं तो आपकी त्वचा को ठंडक मिलेगी और वह फ्रेश व ग्लोइंग बनी रह सकती है।

खीरे का रस

खीरा त्वचा को ठंडक देने के लिए बहुत फायदेमंद माना जाता है। त्वचा को ठंडक देने के लिए खीरे का रस निकाल लें। इसे कॉटन से चेहरे पर लगाएं और 10-15 मिनट बाद धो लें। इससे स्किन को तुरंत ठंडक मिलती है।

तरबूज का रस

तरबूज में पानी की मात्रा ज्यादा होती है, जिससे त्वचा को हाइड्रेशन और ठंडक मिलती है। तरबूज का रस चेहरे पर लगाने से स्किन फ्रेश महसूस होती है।

एलोवेरा जेल

एलोवेरा में मौजूद पोषक तत्व त्वचा को हाइड्रेट और ठंडक देते हैं। इसे लगाने के लिए ताजा एलोवेरा जेल निकालें। चेहरे पर हल्के हाथों से मसाज करें। फिर 15 मिनट बाद धो लें।

आइस क्यूब मसाज

आइस क्यूब से हल्की मसाज करने से त्वचा को तुरंत ठंडक मिलती है। लेकिन इसे सीधे स्किन पर लगाने की बजाय कपड़े में लपेटकर इस्तेमाल करना बेहतर होता है।

गुलाब जल

गुलाब जल त्वचा के लिए एक प्राकृतिक कूलिंग टोनर की तरह काम करता है। इसे स्प्रे बोतल में भरकर दिन में 2झ3 बार चेहरे पर लगा सकते हैं।

चंदन पाउडर

चंदन का इस्तेमाल सदियों से त्वचा को ठंडक देने के लिए किया जाता है। चंदन पाउडर में गुलाब जल मिलाएं और इसका पेस्ट बनाकर चेहरे पर लगाएं।

दही फेस पैक

गर्मी में दही का उपयोग करें। दही त्वचा को ठंडक देने के साथ-साथ टैनिंग कम करने में भी मदद करता है। इसके उपयोग के लिए एक चम्मच दही लें। उसमें थोड़ा शहद मिलाएं और 10 मिनट के लिए चेहरे पर लगाएं। टिप्स- पर्याप्त पानी पीएं। इससे शरीर और स्किन हाइड्रेट रहती है। इसके अलावा मॉश्चराइजर और सनस्क्रीन का उपयोग जरूर करें। यह त्वचा को यूवी किरणों से बचाती है।

किडनी को हेल्दी रखने के लिए डॉक्टर ने बताया ये तीन उपाय, आज से ही दिनचर्या में करें शामिल

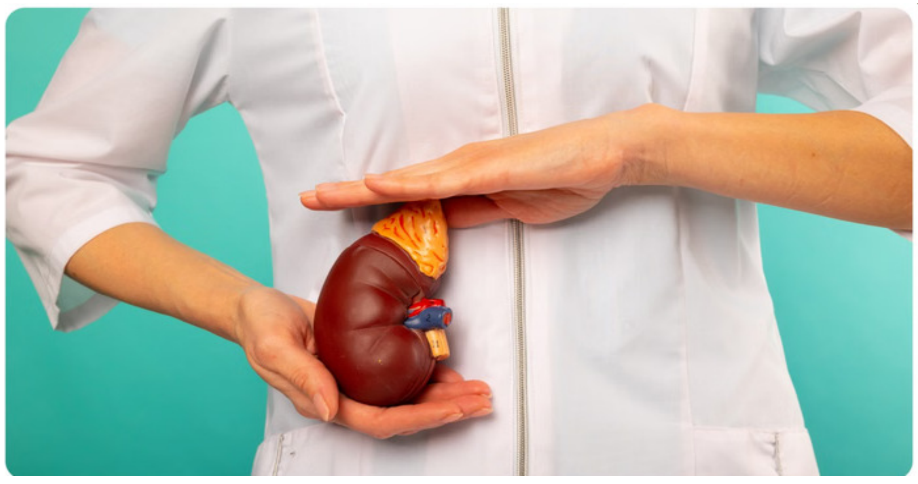

हर साल विश्व किडनी दिवस मार्च महीने के दूसरे गुरुवार को मनाया जाता है। इस साल 12 मार्च को मनाया जाएगा। इस दिन का उद्देश्य लोगों को किडनी से जुड़ें रोगों के प्रति लोगों के बीच जागरूकता फैलाना है। आंकड़ों के मुताबिक हर साल किडनी से जुड़ी समस्याओं के मरीजों संख्या धीरे-धीरे बढ़ती जा रही है। ऐसा होने के पीछे का सबसे बड़ा कारण है खराब जीवनशैली और असंतुलित खान-पान है। इसकी वजह से किडनी फेलियर और किडनी स्टोन के मरीज बढ़ते जा रहे हैं। ऐसे में सभी लोगों को अपने किडनी को हेल्दी रखने पर विशेष ध्यान देना चाहिए। इसी विषय पर हमने कुशिनगर के डॉक्टर रवि कुशवाहा से बात की। उन्होंने बताया कि किडनी हमारे शरीर का 'नेचुरल फिल्टर' है, जो खून से टॉक्सिन्स को बाहर निकालने और इलेक्ट्रोलाइट्स को संतुलित करने का महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने ये भी बताया कि अक्सर लोग किडनी की सेहत को तब तक नजरअंदाज करते हैं जब तक कि वह 70-80% तक खराब नहीं हो जाती है। डॉक्टर कुशवाहा के अनुसार इसके शुरूआती लक्षण बहुत साधारण होते जिसे लोग सामान्य पाचन और थकान की समस्या समझकर नजरअंदाज कर देते हैं। उन्होंने बताया कि डायबिटीज और हाई बीपी किडनी खराब होने के दो सबसे बड़े कारण हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि अगर हम अपनी दिनचर्या में मात्र तीन बुनियादी बदलाव कर लें, तो किडनी से जुड़े जोखिम को कई गुना कम किया जा सकता है। दुनियाभर में बढ़ती किडनी की बीमारियों को लेकर लोगों को शिक्षित और जागरूक करने और किडनी से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं को लेकर अलर्ट करने के उद्देश्य से हर साल मार्च महीने के दूसरे गुरुवार (इस बार 12 मार्च) को विश्व किडनी दिवस मनाया जाता है।

हाइड्रेशन और नमक के सेवन का सही संतुलन

डॉ. कुशवाहा के मुताबिक दिन भर में पर्याप्त पानी पीना किडनी के टॉक्सिन्स को साफ करने में मदद करता है, इसलिए पर्याप्त पानी पीएं।

बता दें कि जरूरत से ज्यादा पानी का सेवन भी किडनी पर अधिक दबाव डालता है, इसलिए दिनभर 2.5-3 लीटर पानी पीना चाहिए।

इसके साथ ही उन्होंने ये भी बताया कि नमक का सेवन सीमित मात्रा में करना चाहिए।

असल में जरूरत से ज्यादा नमक का सेवन करना किडनी के लिए 'धीमे जहर' जैसा होता है, इसलिए दैनिक आहार में 5 ग्राम नमक का सेवन करना चाहिए।

खुद से पेनकिलर लेने से बचें

डॉ. कुशवाहा ने एक गंभीर चेतावनी देते हुए कहा कि सिरदर्द या बदन दर्द में अक्सर लोग धड़ल्ले से पेनकिलर्स लेते हैं जो किडनी डैमेज का एक बड़ा कारण है।

इन दवाओं के नियमित सेवन से किडनी में ब्लड का फ्लो कम हो जाता है, जिससे 'एक्यूट किडनी इंजरी' का खतरा बढ़ जाता है।

कोई भी दवा लेने से पहले डॉक्टर की सलाह लें और कोई भी समस्या होने पर लंबे समय तक खुद से उपचार करने से बचें।

नियमित जांच और शुगर-बीपी पर नियंत्रण

किडनी को सुरक्षित रखने का तीसरा सबसे प्रभावी तरीका है अपने ब्लड शुगर और ब्लड प्रेशर के लेवल को नियंत्रित रखना।

अगर रात में नहीं आती नींद तो सोने से पहले खा लें यह चीज, जल्दी आएगी गहरी नींद

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में बहुत से लोग नींद न आने की समस्या से परेशान रहते हैं। कई लोग रात भर करवटें बदलते रहते हैं, लेकिन उन्हें ठीक से नींद नहीं आती। इसका असर धीरे-धीरे सेहत, दिमाग और रोजमर्रा की जिंदगी पर भी पड़ने लगता है। अच्छी नींद न मिलने से थकान, चिड़चिड़ापन, सिरदर्द और ध्यान लगाने में परेशानी जैसी दिक्कतें भी हो सकती हैं। ऐसे में कुछ लोग नींद की दवाइयों का सहारा लेने लगते हैं, लेकिन लंबे समय तक दवाइयों का इस्तेमाल करना सही नहीं माना जाता। अच्छी बात यह है कि कुछ प्राकृतिक चीजें भी ऐसी होती हैं जो शरीर को आराम देती हैं और नींद लाने में मदद कर सकती हैं। इन्हीं में से एक चीज है केला।

केला खाने से क्यों आती है अच्छी नींद

केला एक ऐसा फल है जो लगभग हर मौसम में आसानी से मिल जाता

है। इसमें कई जरूरी पोषक तत्व पाए जाते हैं, जैसे मैग्नीशियम, पोटैशियम और विटामिन ठ6। ये सभी तत्व शरीर और दिमाग को शांत करने में मदद करते हैं। मैग्नीशियम और पोटैशियम मांसपेशियों को रिलैक्स करते हैं, जिससे शरीर का तनाव कम होता है। वहीं विटामिन ठ6 शरीर में ऐसे हार्मोन बनाने में मदद करता है जो दिमाग को शांत करते हैं और नींद लाने में सहायक होते हैं। इसलिए सोने से पहले केला खाने से शरीर को आराम मिलता है और जल्दी नींद आने में मदद मिल सकती है।

सोने से पहले केला खाने का सही तरीका

अगर आपको रात में नींद आने में परेशानी होती है, तो सोने से लगभग 30 से 60 मिनट पहले एक पका हुआ केला खा सकते हैं। इससे शरीर को जरूरी पोषक तत्व मिलते हैं और धीरे-धीरे दिमाग शांत होने लगता है। कुछ लोग केले को गुनगुने दूध के साथ भी लेते हैं। दूध में मौजूद ट्रिप्टोफैन नामक तत्व भी नींद को बेहतर बनाने में मदद करता है। इसलिए केला और दूध का कॉम्बिनेशन नींद के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है।

तनाव कम करने में भी मददगार

केला सिर्फ नींद के लिए ही नहीं बल्कि तनाव और थकान कम करने में भी मदद करता है। इसमें मौजूद प्राकृतिक शुगर शरीर को हल्की ऊर्जा देती है और दिमाग को शांत करने में सहायक होती है। इसलिए जिन लोगों को काम के दबाव या तनाव के कारण नींद नहीं आती, उनके लिए यह एक आसान और प्राकृतिक उपाय हो सकता है।

अच्छी नींद के लिए अपनाएं ये आदतें

अगर आप चाहते हैं कि आपकी नींद बेहतर हो, तो सिर्फ खाना ही नहीं बल्कि कुछ अच्छी आदतें अपनाना भी जरूरी है। जैसे रात को सोने से पहले मोबाइल या लैपटॉप का ज्यादा इस्तेमाल न करें, हल्का भोजन करें और रोज एक ही समय पर सोने की कोशिश करें। इसके अलावा सोने से पहले हल्का टहलना या गुनगुना दूध पीना भी नींद को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है।

सोने से पहले करें ये काम, आएगी अच्छी नींद और दूर होगा तनाव!

ध्यान रखने वाली बात

हालांकि केला सेहत के लिए फायदेमंद होता है, लेकिन हर व्यक्ति की सेहत अलग होती है। अगर आपको लंबे समय से गंभीर नींद की समस्या है या कोई स्वास्थ्य संबंधी परेशानी है, तो डॉक्टर से सलाह लेना बेहतर रहेगा। अगर आपको रात में जल्दी नींद नहीं आती, तो सोने से पहले केला खाने की आदत डाल सकते हैं। यह एक आसान, प्राकृतिक और हेल्दी तरीका है, जो शरीर को आराम देने और नींद को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है।

गर्मियों में टैनिंग से हाथ हो गए काले तो अपनाएं ये देसी नुस्खे

गर्मियों के मौसम में तेज धूप और गर्म हवाएं त्वचा को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाती हैं। बाहर निकलते समय सूर्य की तेज किरणें सीधे त्वचा पर पड़ती हैं, जिससे हाथों, चेहरे और पैरों पर टैनिंग की समस्या हो जाती है। अक्सर लोग चेहरे की देखभाल तो करते हैं, लेकिन हाथों को नजरअंदाज कर देते हैं। धीरे-धीरे हाथों की त्वचा काली, रूखी और बेजान दिखने लगती है। हालांकि कुछ आसान घरेलू उपाय अपनाकर टैनिंग को काफी हद तक

कम किया जा सकता है। घर में मौजूद प्राकृतिक चीजें त्वचा को साफ, मुलायम और चमकदार बनाने में मदद करती हैं। टैनिंग हटाने के लिए अपनाएं ये देसी नुस्खे।

नींबू और शहद का इस्तेमाल

नींबू में प्राकृतिक ब्लीचिंग गुण होते हैं, जो त्वचा की टैनिंग और दाग-धब्बों को हल्का करने में मदद करते हैं। इसके लिए एक चम्मच नींबू का रस लें और उसमें एक चम्मच शहद मिलाएं। इस मिश्रण को हाथों पर लगाकर लगभग 15 मिनट तक छोड़ दें। इसके बाद सादे पानी से धो लें। इससे त्वचा साफ और मुलायम बनती है।

दही और बेसन का पैक

दही त्वचा को ठंडक देता है, जबकि बेसन त्वचा की गंदगी और डेड स्किन हटाने में मदद करता है। इसके लिए 2 चम्मच बेसन में 1 चम्मच दही मिलाएं। चाहें तो इसमें थोड़ा सा हल्दी भी मिला सकते हैं। इस पेस्ट को हाथों पर लगाकर सूखने दें और फिर हल्के हाथों से रगड़ते हुए धो लें। इससे टैनिंग कम होने में मदद मिलती है।

एलोवेरा जेल का इस्तेमाल

एलोवेरा त्वचा के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। इसमें मौजूद पोषक तत्व त्वचा को ठंडक देते हैं और रंगत निखारने में मदद करते हैं। ताजा एलोवेरा जेल लेकर हाथों पर हल्के हाथों से लगाएं और लगभग 20 मिनट बाद पानी से धो लें। नियमित इस्तेमाल से त्वचा साफ और मुलायम दिखने लगती है।

बाथरूम में घुसकर महिला से अभद्रता, 4 के खिलाफ एफआईआर

लखनऊ /आगरा (संवाददाता)। थाना सिकंदरा क्षेत्र में महिला से बाथरूम में अभद्रता, मारपीट और अपमानजनक व्यवहार का मामला सामने आया है। महिला अपनी मां की परिचित के यहां गई थी, इसी दौरान उसके साथ बदसलूकी हुई। पुलिस ने 4 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सिकंदरा क्षेत्र निवासी महिला ने पुलिस को बताया-वह 4 जनवरी को अपनी मां की एक परिचित महिला से मिलने राधिका विहार स्थित फ्लैट पर गई थी। बातचीत के दौरान वह बाथरूम यूज करने गई। इसी दौरान घर में मौजूद लोग जबरन बाथरूम में घुस आए और उसके साथ अभद्रता की।

क्या कभी टूट पाएंगे आईपीएल के ये 8 रिकॉर्ड्स? कोहली-डिविलियर्स से लेकर गेल-धोनी और केकेआर भी लिस्ट में

नई दिल्ली। आईपीएल के इतिहास में कई ऐसे रिकॉर्ड बने हैं जिन्हें आज तक कोई नहीं तोड़ पाया है। विराट कोहली के 973 रन, कोहली-डिविलियर्स की बड़ी साझेदारी, क्रिस गेल की 175 रन की पारी, एमएस धोनी की कप्तानी और केकेआर की लगातार जीत जैसे रिकॉर्ड अब भी अटूट नजर आते हैं। टी20 विश्वकप 2026 खत्म होने के बाद अब 28 मार्च से आईपीएल का धूम-धड़ाका मचने वाला है। बीसीसीआई ने शुरूआती 16 दिनों का कार्यक्रम जारी कर दिया है। इस दौरान 20 मैच खेले जाएंगे और ये मुकाबले 10 स्थानों पर होंगे। बीसीसीआई आगे का कार्यक्रम एक और एलान में जारी करेगा। पहले फेज के मुकाबले 28 मार्च से 12 अप्रैल तक खेले जाएंगे। सभी टीमें 19वें संस्करण की तैयारियों में जुट गई हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु डिफेंडिंग चैंपियन है और यह टीम 19वें संस्करण का ओपनिंग मैच बंगलूरू में ही सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खेलेगी। आईपीएल के कुछ ऐसे रिकॉर्ड्स हैं, जिन्हें फैंस टूटते हुए देखना चाहते हैं, हालांकि पिछले 18 संस्करण तक ऐसा नहीं हो सका है। इनमें से कुछ रिकॉर्ड तो अब अटूट दिखते हैं। इस लिस्ट में विराट कोहली, एबी डिविलियर्स, क्रिस गेल और धोनी जैसे नाम हैं। आइए जानते हैं 1. एक सीजन में सबसे ज्यादा कैच आईपीएल के एक सीजन में सबसे ज्यादा कैच का रिकॉर्ड एबी डिविलियर्स के नाम है। उन्होंने साल 2016 में आरसीबी के लिए खेलते हुए 19 कैच पकड़े थे। इसके बाद पिछले

नौ सीजन से यह रिकॉर्ड नहीं टूटा है। ऋतुराज गायकवाड़ और रियान पराग करीब तो पहुंचे, लेकिन रिकॉर्ड तोड़ नहीं सके। ऋतुराज ने आईपीएल 2023 और रियान ने आईपीएल 2022 में 17-17 कैच पकड़े थे। 2. डेब्यू मैच में सबसे ज्यादा विकेट और सर्वश्रेष्ठ बॉलिंग फिगर वेस्टइंडीज के अल्जारी जोसेफ ने आईपीएल 2019 में डेब्यू किया था और उनके लिए यह मैच यादगार रहा था। मुंबई इंडियंस से खेलते हुए सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ अल्जारी ने शानदार डेब्यू किया था। अल्जारी ने 12 रन देकर छह विकेट झटके थे, जो कि डेब्यू पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। यह आईपीएल का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी आंकड़े भी हैं। पिछले छह सीजन से अल्जारी से बेहतर कोई नहीं कर पाया है। 3. आईपीएल में सबसे ज्यादा हैट्रिक दिग्गज स्पिनर अमित मिश्रा के नाम आईपीएल में सबसे ज्यादा तीन बार हैट्रिक लेने का रिकॉर्ड है। उन्होंने ऐसा 2008 में दिल्ली से खेलते हुए डेक्कन के खिलाफ, 2011 में पंजाब से खेलते हुए डेक्कन के खिलाफ और 2013 में सनराइजर्स से खेलते हुए पुणे के खिलाफ हैट्रिक ली थी। 2013 तक उनकी तीन हैट्रिक के बाद कोई भी गेंदबाज उनकी बराबरी नहीं कर सका है। युजवेंद्र चहल इस लिस्ट में उनके तुरंत बाद हैं और दो हैट्रिक ले चुके हैं। इसके अलावा युवराज सिंह ने भी दो हैट्रिक लीं। मौजूदा समय में चहल आईपीएल खेल रहे हैं और एक और हैट्रिक लेते वह अमित की बराबरी कर लेंगे। हालांकि, ऐसा हो पाता है या नहीं, यह वक्त ही बताएगा। चहल ने पिछले सीजन यानी 2025 में पंजाब से खेलते हुए चेन्नई के खिलाफ हैट्रिक ली थी। 4. आईपीएल की सबसे बड़ी साझेदारी विराट कोहली और एबी डिविलियर्स ने आरसीबी के लिए खेलते हुए आईपीएल में एक ऐतिहासिक रिकॉर्ड बनाया था। साल 2016 में दोनों बल्लेबाजों ने गुजरात लायंस के खिलाफ 229 रन की शानदार साझेदारी की थी। यह आईपीएल इतिहास की सबसे बड़ी साझेदारियों में से एक है। दिलचस्प बात यह है कि उन्होंने यह रिकॉर्ड बनाते समय अपना ही पुराना रिकॉर्ड तोड़ा था। इससे लगभग एक साल पहले, मई 2015 में मुंबई इंडियंस के खिलाफ वानखेड़े में दोनों ने नाबाद 215 रन की साझेदारी की थी। पिछले कुछ वर्षों में आईपीएल में बल्लेबाजी का स्तर काफी ऊंचा हुआ है और बड़े स्कोर आम हो गए हैं। इसके बावजूद कोहली और डिविलियर्स की 229 रन की साझेदारी को तोड़ना अब भी बेहद मुश्किल माना जाता है। यह रिकॉर्ड आज भी आईपीएल के सबसे यादगार और ऐतिहासिक साझेदारी रिकॉर्ड्स में गिना जाता है। 5. आईपीएल में किसी टीम का लगातार सबसे ज्यादा मैच जीतने का सिलसिला कोलकाता नाइट राइडर्स के नाम आईपीएल के इतिहास में लगातार सबसे ज्यादा मैच जीतने (10 मैच) का रिकॉर्ड दर्ज है। साल 2014 में गौतम गंभीर की कप्तानी में कोलकाता नाइट राइडर्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए लगातार नौ मैच जीते और उसी सीजन में खिताब भी अपने नाम किया। इसके बाद टीम ने 2015 सीजन की शुरूआत में भी अपनी जीत की लय बरकरार रखी और एक और मुकाबला जीतकर इस सिलसिले को लगातार 10 जीत तक पहुंचा दिया। आईपीएल के इतिहास में यह किसी भी टीम द्वारा हासिल की गई सबसे लंबी जीत की सीरीज मानी जाती है, जो दो अलग-अलग सीजन (2014 और 2015) में फैली हुई थी। 6. आईपीएल के एक सीजन में सबसे ज्यादा रन, नौ सीजन से नहीं टूटा रिकॉर्ड विराट कोहली ने आईपीएल 2016 में इतिहास रच दिया था। उस साल उन्होंने 973 रन बनाए, जो आज भी आईपीएल के एक सीजन में किसी भी बल्लेबाज द्वारा बनाए गए सबसे ज्यादा रन हैं। इस शानदार प्रदर्शन के दौरान कोहली ने चार शतक भी लगाए। उनके इस रिकॉर्ड को अब तक कोई बल्लेबाज नहीं तोड़ पाया है और यह लंबे समय से कायम है। हालांकि बाद के वर्षों में कुछ खिलाड़ियों ने इस रिकॉर्ड के करीब पहुंचने की कोशिश जरूर की। जोस बटलर ने 2022 में चार शतकों के साथ 863 रन बनाए, जबकि शुभमन गिल ने 2023 में 890 रन बनाए। इसके बावजूद कोहली का 973 रन का रिकॉर्ड अब भी कायम है और आईपीएल इतिहास के सबसे बड़े बल्लेबाजी रिकॉर्ड्स में गिना जाता है। 7. आईपीएल की एक पारी में सबसे ज्यादा रन और सबसे तेज शतक आईपीएल इतिहास की सबसे विस्फोटक पारी का रिकॉर्ड क्रिस गेल के नाम है। 2013 में आरसीबी के लिए खेलते हुए गेल ने पुणे वॉरियर्स के खिलाफ 66 गेंदों में नाबाद 175 रन ठोक दिए थे। यह आज भी टी20 क्रिकेट की सबसे बड़ी पारियों में से एक मानी जाती है। अपनी इस ऐतिहासिक पारी के दौरान गेल ने 17 छक्के लगाए और सिर्फ 30 गेंदों में शतक पूरा कर लिया था। टी20 क्रिकेट में इतनी तेजी से शतक लगाने का रिकॉर्ड आज तक नहीं टूट पाया है।

केकेआर के इस पूर्व खिलाड़ी को आईसीसी ने क्यों किया निलंबित? दो अधिकारियों पर भी वैश्विक संस्था का चला चाबुक

नई दिल्ली। आईसीसी ने केकेआर और वेस्टइंडीज के लिए खेल चुके तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर जेवॉन सियरल्स सहित दो अधिकारियों पर भ्रष्टाचार रोधी संहिता के तहत कड़ी कार्रवाई की है। आइए जानते हैं इन तीनों पर क्या आरोप लगाए गए हैं... अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने क्रिकेट वेस्टइंडीज और आईसीसी के भ्रष्टाचार रोधी संहिता के तहत वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर जेवॉन सियरल्स, टाइटंस टीम के मालिक चितरंजन

राठौड़ और टीम अधिकारी ग्रिफिथ पर सख्त कार्रवाई की है। इन तीनों पर बिम10 टूनार्मेंट 2023-24 सीजन के दौरान भ्रष्टाचार रोधी नीति के आरोपों के तहत कार्रवाई की गई है। बिम10 टूनार्मेंट से जुड़ा है मामला आईसीसी ने एक बयान में कहा कि तीनों लोगों पर 'बिम10' टूनार्मेंट 2023/24 से जुड़े आरोप हैं, जो क्रिकेट वेस्टइंडीज के भ्रष्टाचार निरोधी संहिता के दायरे में आता है। इसके अलावा, ग्रिफिथ पर अंतरराष्ट्रीय मैचों से जुड़ा एक आरोप है जो आईसीसी की भ्रष्टाचार निरोधी संहिता के दायरे में आता है। आईसीसी ने कहा कि तीनों को तुरंत प्रभाव से क्रिकेट से कुछ समय के लिए निलंबित कर दिया गया है। हालांकि, शीर्ष परिषद ने आरोपों का जवाब देने के लिए 14 दिन का समय दिया है। राठौड़ पर क्रिकेट वेस्टइंडीज कोड के तहत तीन और सियरल्स पर चार आरोप लगे हैं, जबकि ग्रिफिथ पर कुल पांच आरोप लगे हैं जिसमें आईसीसी की भ्रष्टाचार संहिता से जुड़ा एक मामला शामिल है। क्रिकेट वेस्टइंडीज कोड के आर्टिकल 2.1.1 का उल्लंघन जिसमें 'बिम10' टूनार्मेंट के मैचों के नतीजे, कंडक्ट या किसी और पहलू को फिक्स करना, फिक्स करने की कोशिश करना या गलत तरीके से प्रभावित करना, या किसी सहमति या कोशिश में शामिल होना है। इसके अलावा क्रिकेट वेस्टइंडीज कोड के आर्टिकल 2.1.4 और 2.4.4 का उल्लंघन करना शामिल है। 2018 में केकेआर के लिए खेल चुके हैं सियरल्स सियरल्स और ग्रिफिथ पर क्रिकेट वेस्टइंडीज कोड के आर्टिकल 2.4.2 के उल्लंघन का भी आरोप लगाया गया है। इसके अलावा, ग्रिफिथ पर आईसीसी कोड के आर्टिकल 2.4.7 के उल्लंघन का आरोप लगाया गया है। सियरल्स वेस्टइंडीज अंडर-19 टीम की तरफ से खेल चुके हैं। वह 2018 में कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए आईपीएल में भी खेले हैं।

बीसीसीआई ने गिल को चुना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर ?: सचिन-अश्विन की इस मामले में करेंगे बराबरी

मुंबई। बीसीसीआई के वार्षिक सम्मान समारोह में शुभमन गिल को 'क्रिकेटर ऑफ द ईयर' चुने जाने की संभावना है। टेस्ट और वनडे में शानदार प्रदर्शन करने वाले गिल ने साल भर में 1,764 रन बनाए। वहीं राहुल द्रविड़ को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड और मुंबई

क्रिकेट एसोसिएशन को सर्वश्रेष्ठ संघ का सम्मान मिल सकता है। भारतीय टेस्ट और वनडे टीम के कप्तान शुभमन गिल को साल 2025 के लिए बीसीसीआई के प्रतिष्ठित 'क्रिकेटर ऑफ द ईयर' पुरस्कार से सम्मानित किया जा सकता है। 'क्रिकेटर ऑफ द ईयर' पुरस्कार को 'पॉली उमरीगर क्रिकेट ऑफ द ईयर' अवॉर्ड भी कहा जाता है। वहीं, राहुल द्रविड़ भी लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से नवाजे जा सकते हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड का वार्षिक सम्मान समारोह 'नमन' 15 मार्च को नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा। इस समारोह में कई खिलाड़ियों और क्रिकेट हस्तियों को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया जाएगा। सचिन-अश्विन की बराबरी करेंगे शुभमन दूसरी बार यह पुरस्कार जीतेंगे। इससे पहले साल 2023 में भी उन्हेंइस पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। दूसरी बार यह अवॉर्ड जीतने के साथ ही शुभमन सचिन तेंदुलकर और रविचंद्रन अश्विन की बराबरी कर लेंगे। इन दोनों ने भी यह अवॉर्ड दो-दो बार जीता था। इन तीनों से ज्यादा बार इस अवॉर्ड से विराट कोहली और जसप्रीत बुमराह ही सम्मानित हुए हैं। कोहली पांच बार बीसीसीआई के साल के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर रहे हैं, वहीं बुमराह ने तीन बार यह अवॉर्ड जीता है। टेस्ट क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन 26 वर्षीय शुभमन ने पिछले साल यानी 2025 टेस्ट और वनडे क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया। हालांकि, उन्हें हाल ही में टी20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम में जगह नहीं मिली थी, लेकिन बाकी दो फॉर्मेट में उनका प्रदर्शन बेहद दमदार रहा। शुभमन ने 2025 में टेस्ट क्रिकेट में शानदार बल्लेबाजी करते हुए 983 रन बनाए। इसमें इंग्लैंड के खिलाफ उसकी सरजमीं पर खेली गई सीरीज में 754 रन शामिल रहे, जो उनकी बेहतरीन फॉर्म को दशार्ता है। इंग्लैंड से टेस्ट सीरीज में उनका औसत 70 से अधिक रहा और उन्होंने कई महत्वपूर्ण पारियां खेलीं। वनडे और आईपीएल में भी दमदार फॉर्म वनडे क्रिकेट में भी गिल ने अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने कुल 490 रन बनाए, जिसमें भारत की चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाली मुहिम में बनाए गए 188 रन भी शामिल हैं। अगर सभी फॉर्मेट को मिलाकर देखा जाए तो गिल ने पिछले साल कुल 1,764 रन बनाए, जिनमें सात शतक और तीन अर्धशतक शामिल रहे। उनका औसत करीब 49 का रहा। इसके अलावा आईपीएल में भी गिल का बल्ला खूब चला। गुजरात टाइटंस के लिए खेलते हुए और टीम की कप्तानी करते हुए उन्होंने 650 रन बनाए और लगभग 50 के औसत से बल्लेबाजी की। द्रविड़ को मिलेगा लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड इस समारोह में भारत के पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़ को भारतीय क्रिकेट में उनके शानदार योगदान के लिए 'कर्नल सीके नायडू लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड' से सम्मानित किया जा सकता है। द्रविड़ के मार्गदर्शन में भारत ने 2024 में टी20 विश्व कप भी जीता था, जो भारतीय क्रिकेट के लिए बड़ी उपलब्धि रही। घरेलू क्रिकेट में बेहतरीन योगदान के लिए मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन को 'सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट संघ' के पुरस्कार से सम्मानित किया जा सकता है। जीत का जश्न मनाया जाएगा बीसीसीआई के 'नमन' कार्यक्रम में पिछले लगभग एक साल के दौरान आईसीसी टूनार्मेंट जीतने वाली पांच भारतीय टीमों को सम्मानित किया जाएगा। इनमें हाल ही में टी20 वर्ल्ड कप 2026 जीतने वाली भारतीय पुरुष टीम भी शामिल है। इसके अलावा 2025 वनडे विश्वकप चैंपियन सीनियर महिला टीम, 2026 अंडर-19 विश्वकप चैंपियन आयुष म्हात्रे की टीम, 2025 अंडर-19 महिला टी20 विश्वकप जीतने वाली भारतीय बेटियों की टीम और 2025 चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाली पुरुष सीनियर टीम शामिल हैं। टीम के साथ कोचिंग स्टाफ को भी इस समारोह में बुलाया जाएगा। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने मंगलवार को इसकी जानकारी देते हुए बताया था कि इस समारोह में भारतीय क्रिकेट की हालिया अंतरराष्ट्रीय सफलताओं का जश्न मनाया जाएगा।

2012 में बीसीसीआइ ने ऐसा क्या कहा कि चौंक गए थे तेंदुलकर? इसके कुछ समय बाद ही ले लिया था संन्यास

मुंबइ। 2012 में खराब फॉर्म के दौरान बीसीसीआई चयन समिति ने सचिन तेंदुलकर से उनके भविष्य और संभावित रिप्लेसमेंट पर चर्चा की थी। इस बातचीत से सचिन चौंक गए थे, लेकिन कुछ ही दिनों बाद उन्होंने वनडे क्रिकेट से संन्यास ले लिया और एक साल बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया। भारतीय क्रिकेट के महान बल्लेबाज और क्रिकेट के भगवान कहे जाने वाले सचिन तेंदुलकर के करियर का एक ऐसा दौर भी आया जब चयनकताओं ने उनके भविष्य पर गंभीर चर्चा की। साल 2011 में विश्व कप जीतने के बाद सचिन का प्रदर्शन पहले जैसा नहीं रहा और 2012 में उनकी फॉर्म को लेकर सवाल उठने लगे थे। ऐसे में

चयनकताओं ने सचिन से बात की थी और कुछ ऐसा कहा था कि सचिन चौंक गए थे। इसके कुछ समय बाद ही उन्होंने पहले वनडे और फिर टेस्ट से संन्यास का एलान कर दिया था। आइए पूरी कहानी जानते हैं... एक-एक कर टीम के दिग्गजों का संन्यास सचिन ने वनडे विश्वकप 2011 के बाद इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया दौरे पर खेले गए आठ टेस्ट मैचों में 560 रन बनाए, जिसमें चार अर्धशतक शामिल थे। हालांकि, भारत को दोनों ही सीरीज में 0-4 से हार का सामना करना पड़ा। इसी दौरान उनके 100वें अंतरराष्ट्रीय शतक का दबाव भी लगातार बढ़ता जा रहा था। इस दौर में भारतीय टीम के कई सीनियर खिलाड़ी भी संन्यास ले चुके थे। सौरव गांगुली, वीवीएस लक्ष्मण और राहुल द्रविड़ जैसे दिग्गज खिलाड़ी पहले ही क्रिकेट को अलविदा कह चुके थे। ऐसे में यह चर्चा तेज हो गई थी कि अगला नंबर सचिन तेंदुलकर का हो सकता है। उम्र भी 39 साल हो चुकी थी और टीम में नए खिलाड़ियों को मौका देने की बात उठने लगी थी। चयन समिति ने की सचिन से सीधी बातचीत तत्कालीन चयन समिति के अध्यक्ष संदीप पाटिल ने एक इंटरव्यू में उस दौर का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि 2012 में नागपुर टेस्ट के बाद सचिन से खास मुलाकात की गई थी। पाटिल ने कहा, 'मुझे याद है 2012 में नागपुर टेस्ट के आखिरी दिन हम सचिन से मिलने गए थे। मैंने उनसे पूछा- आगे की क्या योजना है? चयन समिति को लगा था कि अब हमें उनके रिप्लेसमेंट के बारे में सोचना चाहिए।' 'क्या आप सच में ऐसा कह रहे हैं?' जब पाटिल ने सचिन से उनके संभावित रिप्लेसमेंट की बात की तो मास्टर ब्लास्टर हैरान रह गए। पाटिल ने बताया, 'वह यह सुनकर चौंक गए। उन्होंने पूछा- क्यों? फिर मैंने कहा कि चयन समिति को लगता है कि अब हमें आपके रिप्लेसमेंट के बारे में सोचना चाहिए। बाद में उन्होंने मुझे फोन किया और पूछा- क्या आप सच में ऐसा कह रहे हैं?' पाटिल ने आगे कहा कि देशभर में इस फैसले को लेकर उनकी आलोचना हुई, लेकिन सचिन को टीम से कभी बाहर नहीं किया गया। कुछ ही दिनों बाद लिया संन्यास का फैसला पाटिल के मुताबिक, उस बातचीत के तुरंत बाद सचिन ने साफ कहा था कि वह अभी क्रिकेट जारी रखना चाहते हैं। उन्होंने बताया, 'उन्होंने मुझसे कहा- मैं खेलना जारी रखना चाहता हूं। लेकिन एक हफ्ते के भीतर ही उन्होंने वनडे क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला कर लिया।' सचिन ने पाकिस्तान के खिलाफ दिसंबर 2012 में वनडे सीरीज शुरू होने से ठीक पहले अंतरराष्ट्रीय वनडे क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। हालांकि, उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में एक साल और खेला। शानदार करियर का ऐतिहासिक अंत 2013 में भारत ने बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया को 4-0 से हराया, लेकिन उस सीरीज में सचिन का प्रदर्शन पहले जैसा नहीं रहा।

मैदान पर क्या करने में बुमराह को आता है मजा? विश्व कप जीतने के बाद किया खुलासा

नई दिल्ली। बुमराह का यह बयान न केवल उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि को दशार्ता है, बल्कि टीम के प्रति उनके समर्पण और दबाव में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की उनकी क्षमता को भी रेखांकित करता है। उनकी यह मानसिकता भारतीय टीम के लिए एक बड़ी ताकत साबित हुई है। भारत को टी20 विश्वकप 2026 जिताने में अहम भूमिका निभाने वाले जसप्रीत बुमराह ने ट्रॉफी उठाने के बाद पहली प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा है कि मुश्किल परिस्थितियों में गेंदबाजी करने में उन्हें मजा आता है। बुमराह ने कहा कि वह इसी पल के लिए जीते हैं। उन्होंने ऊपर वाले का आभार भी जताया। बुमराह न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल में प्लेयर ऑफ द मैच रहे थे। उन्होंने चार विकेट लिए थे और वरुण चक्रवर्ती के साथ टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे। बुमराह ने चुनौतियों पर बात की भारतीय

क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड द्वारा शेयर किए गए वीडियो में बुमराह ने कहा कि महत्वपूर्ण क्षणों में टीम के लिए प्रदर्शन करना हमेशा से उनके क्रिकेटिंग सफर का मुख्य प्रेरक रहा है। वीडियो में बुमराह ने चुनौतीपूर्ण जिम्मेदारियां लेने और टीम पर प्रभाव डालने की अपनी इच्छा पर बात की। उन्होंने कहा, 'मैं हमेशा से एक कठिन काम करना चाहता था। मैंने इसी के लिए क्रिकेट खेला है। जब मैं अंतर पैदा कर पाता हूं, तो मुझे बहुत खुशी मिलती है। इससे बेहतर कोई एहसास नहीं है।' घरेलू धरती पर ऐतिहासिक जीत भारत ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में न्यूजीलैंड को 96 रनों से हराकर फाइनल जीत लिया। इस जीत के साथ भारत टी20 विश्व कप का खिताब अपने घरेलू मैदान पर जीतने वाली पहली टीम बन गई। इसके अलावा, यह बैक-टू-बैक विश्व कप जीतने वाली पहली टीम भी है, और तीन टी20 विश्व कप खिताब जीतने वाली पहली टीम भी। पिछली हार से सीख, इस बार मिली जीत भारतीय तेज गेंदबाज ने अहमदाबाद में आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2023 का खिताब करीब से चूक जाने की निराशा को याद किया, लेकिन इस बार टी20 खिताब जीतकर उन्होंने अपनी टीम को जीत के पार ले जाने में मदद की।

दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज के खिलाड़ियों का आखिरी जत्था भी स्वदेश रवाना

नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के समापन के बाद दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज टीम के खिलाड़ियों का आखिरी जत्था भी अपने देश के लिए रवाना हो गया है। आईसीसी ने इसकी आधिकारिक जानकारी दी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने गुरुवार को बताया कि टी20 विश्व कप के बाद भारत में फंसे दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज के खिलाड़ियों का आखिरी जत्था भी स्वदेश रवाना हो गया है, जिससे पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण खाड़ी देशों के हवाई क्षेत्र के बंद होने से पैदा हुई परेशानी खत्म हो गई। खाड़ी क्षेत्र में चल रहे युद्ध के कारण भारत में टी20 विश्व कप खेलने के लिए आई टीमों का कार्यक्रम अस्त-व्यस्त हो गया। इससे दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज की टीम कोलकाता में फंस गई क्योंकि दुबई जैसे प्रमुख हवाई अड्डे और हवाई क्षेत्र को बंद कर दिया गया था। वेस्टइंडीज के 16 और द. अफ्रीका के 29 खिलाड़ी रवाना वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका ने टी20 विश्व कप के अपने अंतिम मैच क्रमशः एक मार्च और चार मार्च को कोलकाता में खेले थे। वेस्टइंडीज के नौ खिलाड़ी इस सप्ताह की शुरूआत में ही स्वदेश रवाना हो गए थे, जबकि बाकी बचे 16 खिलाड़ियों के लिए वाणिज्यिक उड़ानों की बुकिंग हो चुकी थी। दक्षिण अफ्रीका की टीम के 29 सदस्य भी स्वदेश रवाना हो गए हैं। आईसीसी ने बयान में कहा, 'पिछले 24 घंटों के अंदर दक्षिण अफ्रीका की टीम के बाकी बचे 29 सदस्य और वेस्टइंडीज की टीम के अंतिम 16 सदस्य अपने-अपने देशों के लिए रवाना हो गए हैं, जिससे असाधारण रूप से चुनौतीपूर्ण वैश्विक यात्रा परिस्थितियों के कारण पैदा हुए एक जटिल अभियान का अंत हो गया है।' 'हमारा लक्ष्य सदस्यों की सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करना' विश्व क्रिकेट की सर्वोच्च संस्था ने कहा, 'हमारा एकमात्र लक्ष्य सभी खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के सदस्यों की सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करना था। इस दौरान परिस्थितियों के अनुसार कार्यक्रम में बदलाव करना पड़ा लेकिन आईसीसी ने परिचालन संबंधी बाधाओं से निपटने के लिए सरकारों, एयरलाइनों, चार्टड विमान प्रदाताओं, हवाई अड्डा प्राधिकरणों और सदस्य बोर्डों के साथ मिलकर लगातार काम किया।'

महान अनिल कुंबले ने किन दो टीमों को सर्वश्रेष्ठ बताया?

बंगलूरू। पूर्व भारतीय स्पिनर अनिल कुंबले ने आईपीएल के इतिहास की सबसे महान टीमों के रूप में दो टीमों को लगभग बराबर बताया है। कुंबले के मुताबिक एक टीम की सफलता अनुभव और स्थिरता पर आधारित है, जबकि दूसरी टीम नई प्रतिभाओं को खोजने और निखारने के लिए जानी जाती है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के पूर्व कप्तान अनिल कुंबले ने आईपीएल की सर्वश्रेष्ठ दो टीमों पर अपनी राय रखी है। उन्होंने कहा है कि आईपीएल इतिहास की सबसे महान टीमों की बात करें तो मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपर किंग्स लगभग बराबरी पर खड़ी हैं। उन्होंने कहा कि दोनों फ्रेंचाइजी की सफलता का तरीका अलग है, लेकिन उपलब्धियां लगभग समान हैं। यही वजह है कि किसी एक टीम को दूसरे से बेहतर बताना मुश्किल है। वहीं, आरसीबी की टीम अपने खिताब का बचाव कर सकेगी या नहीं, इस पर भी अपनी राय रखी है। सीएसके की ताकत अनुभव और स्थिरता जियोहॉटस्टार से बातचीत में कुंबले ने कहा, 'जब आईपीएल की सबसे महान टीम की बात होती है तो मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपर किंग्स लगभग बराबर हैं। दोनों में अंतर करना मुश्किल है।' कुंबले के मुताबिक चेन्नई सुपर किंग्स की सबसे बड़ी ताकत उनकी टीम चयन की स्थिरता है। यह फ्रेंचाइजी अक्सर अनुभवी खिलाड़ियों पर भरोसा करती है और लंबे समय तक उन्हें मौका देती है। उन्होंने कहा, 'सीएसके हमेशा अपने चयन में स्थिर रही है। वे ऐसे खिलाड़ियों को चुनते हैं जो पहले से खुद को साबित कर चुके हों। पिछले साल ही हमने टीम में कुछ नए खिलाड़ियों को उभरते देखा।' मुंबई ने नई प्रतिभाओं को दिया मंच दूसरी ओर मुंबई इंडियंस को नई प्रतिभाओं को खोजने और उन्हें स्टार बनाने के लिए जाना जाता है। कुंबले ने उदाहरण देते हुए बताया कि कई बड़े खिलाड़ी इसी टीम से उभरकर सामने आए।

सीएसके के लिए इस सीजन किस स्थान पर बैटिंग करेंगे धोनी? चेतेश्वर पुजारा ने उठाए सवाल

नई दिल्ली। चेतेश्वर पुजारा ने एमएस धोनी की बल्लेबाजी पोजिशन को लेकर बड़ा बयान दिया है। 38 वर्षीय पुजारा का मानना है कि धोनी को नंबर आठ या नौ नंबर पर भेजने का ज्यादा फायदा नहीं है, क्योंकि वह अभी भी अकेले दम पर मैच का रुख बदलने की क्षमता रखते हैं। आईपीएल के 19वें सत्र की शुरूआत 28 मार्च से होने जा रही है। टीमें इसकी तैयारियों में जुट गई हैं। धोनी से लेकर विराट कोहली तक अपनी-अपनी टीमों से जुड़ चुके हैं। पिछले साल हुए मिनी ऑक्शन में टीमों ने खुद को मजबूत किया। चेन्नई सुपर किंग्स ने भी कुछ अहम खिलाड़ियों को टीम से जोड़ा। संजू सैमसन को राजस्थान रॉयल्स से ट्रेड कर लाना सबसे बड़ा फैसला रहा। हालांकि, अब सवाल यह उठ रहा है कि धोनी अब किस नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे। पिछले सीजन भी वह सातवें या आठवें नंबर पर बल्लेबाजी कर रहे थे। इम्पैक्ट प्लेयर के नियम के रहते हुए ऐसा माना जा रहा है कि वह आठवें नौवें नंबर पर बल्लेबाजी उतरेंगे। इस पर चेतेश्वर पुजारा ने कड़ा ऐतराज जताया है। उन्होंने कहा है कि आठवें-नौवें स्थान पर बल्लेबाजी करने का कोई तर्क नहीं बनता। ऐसे में माही को बल्लेबाजी क्रम में और ऊपर आना चाहिए और इम्पैक्ट बनाना चाहिए, तभी सीएसके की टीम छठा खिताब जीत सकेगी। पुजारा ने रखी अपनी राय जियोस्टार पर बात करते हुए चेतेश्वर पुजारा ने धोनी की बैटिंग पोजिशन को लेकर अपने विचार रखे। पिछले सीजन धोनी के सातवें आठवें नंबर पर आने का खामियाजा सीएसके को भुगतना पड़ा था और टीम सबसे आखिरी यानी 10वें स्थान पर रही थी। वहीं, 2024 में सीएसके पांचवें स्थान पर थी। 38 साल के पुजारा ने कहा, 'मुझे समझ नहीं आता कि एमएस धोनी को नंबर आठ या नौ पर बल्लेबाजी के लिए क्यों भेजा जाता है। उनमें अकेले दम पर मैच का रुख पलटने की क्षमता है, जो सीएसके के किसी और बल्लेबाज में नहीं है। अगर वह सिर्फ पांच या 10 गेंद ही खेलेंगे तो ज्यादा असर नहीं पड़ेगा, लेकिन सोचिए अगर माही भाई 25-30 गेंद खेल लें तो क्या कर सकते हैं।' 'उरङ का माहौल परिवार जैसा' पुजारा 2021 के उस सीजन में भी चेन्नई सुपर किंग्स का हिस्सा रहे थे, जब टीम ने खिताब जीता था। उनका कहना है कि सीएसके का माहौल खिलाड़ियों के लिए बेहद आरामदायक होता है। पुजारा ने कहा, 'मैं उरङ के सेटअप में रहा हूं।

डब्ल्यूपीएल के पहले मैच में मुंबई इंडियंस का सामना आरसीबी से होगा, हरमनप्रीत-मंधाना होंगी आमने-सामने

मुंबई (एजेंसी)। गत चैंपियन मुंबई इंडियंस और आरसीबी के बीच शुक्रवार को मुकाबला खेला जाएगा। दोनों टीमों के जीत के साथ सत्र की शुरूआत करना चाहेंगी। आइए जानते कि आप ये मुकाबला कब और कहां देख सकेंगे। महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 की शुरूआत शुक्रवार से हो रही है। टूनामेंट के पहले मैच में दो बार की विजेता हरमनप्रीत कौर की अगुआई वाली मुंबई इंडियंस का सामना डब्ल्यूपीएल में एकमात्र अन्य खिताब जीतने वाली टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से होगा जिसकी कमान स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना संभाल रही हैं। चौथी डब्ल्यूपीएल का आयोजन दो चरणों में नवी मुंबई और वडोदरा में किया जाएगा। इससे खिलाड़ियों को जून-जुलाई में इंग्लैंड में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए अपनी तैयारियों को परखने का भी मौका मिलेगा। कागजों पर मुंबई मजबूत कागजों पर देखा जाए तो मुंबई इंडियंस की टीम काफी मजबूत नजर आती है।

'परफेक्शन नहीं, प्रगति पर फोकस करो'; जेनेलिया डिसूजा ने जिम से पोस्ट की फोटो

सभी मॉम के नाम लिखा मैसेज

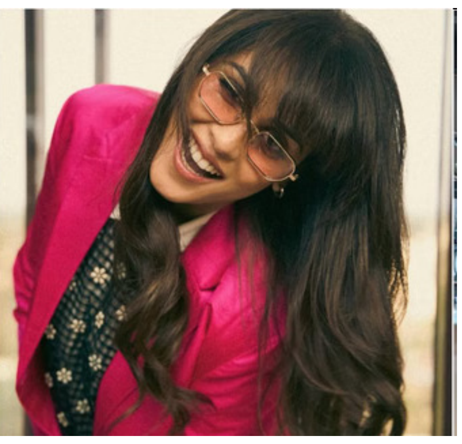

अभिनेत्री जेनेलिया डिसूजा ने जिम से अपनी एक फोटो सोशल मीडिया पर साझा की है। इसके साथ उन्होंने सभी माओं के नाम एक खूबसूरत मैसेज लिखा है। जेनेलिया डिसूजा चर्चित एक्ट्रेस होने के साथ-साथ दो बच्चों की मां भी हैं। उनके दो बेटे रियान और राहिल हैं। जेनेलिया अपने परिवार को पूरा समय देती हैं। मगर, इसके साथ वे खुद पर भी पूरा ध्यान देती हैं। खासकर अपनी फिटनेस के बारे में कोई समझौता नहीं करती हैं। जेनेलिया ने आज गुरुवार को जिम से एक फोटो साझा की है। इसका कैप्शन और दमदार है। जेनेलिया ने खुद को याद दिलाई यह बात जेनेलिया डिसूजा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक फोटो शेयर की है। वे ब्लैक जैकेट और शॉर्ट्स में नजर आ रही हैं। उनकी टीशर्ट पर लिखा है, 'आई'। बता दें कि मराठी में मां को आई कहते हैं। यह फोटो शेयर करते हुए जेनेलिया ने सभी मॉम को फिटनेस के प्रति जागरुक करते हुए मैसेज लिखा है। वे लिखती हैं, 'आई यानी मां जिम में। प्रोग्रेस पर फोकस करो, परफेक्शन पर नहीं। यह एक छोटा सा रिमाइंडर मेरे लिए है और साथ ही इसे पढ़ने वाली सभी माओं के लिए भी है'। जेनेलिया की डेब्यू फिल्म जिम आउटफिट में हाथ में पानी की बोतल थामे जेनेलिया अपनी फिटनेस के प्रति पाबंद नजर आ रही हैं। जेनेलिया की टोन्ड बॉडी देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि वे अपनी सेहत और फिटनेस को लेकर कितनी जागरुक हैं। जेनेलिया के करियर की बात करें तो उन्होंने साल 2003 में फिल्म 'तुझे मेरी कसम' से डेब्यू किया था। इसी फिल्म से रितेश देशमुख ने भी डेब्यू किया था। 2012 में की रितेश से शादी जेनेलिया डिसूजा मस्ती, जाने तू या जाने ना, चांस पे डांस, फोर्स, तेरे नाल लव हो गया और सितारे जमीन पर जैसी फिल्मों में काम कर चुकी हैं। निजी जिंदगी की बात करें तो उन्होंने साल 2012 में एक्टर रितेश देशमुख से शादी रचाई।

हम तो आ रहे हैं..टॉक्सिक के पोस्टपोन होने पर धुरंधर के राकेश बेदी की दो टुक

9 मार्च को थिएटर्स में महा क्लैश होने वाला था। इस दिन दर्शकों की मच अवेटड फिल्म टॉक्सिक और धुरंधर 2 एक साथ रिलोज हो रही थी, लेकिन इससे पहले ही टॉक्सिक के मेकर्स ने इसे पोस्टपोन कर दिया और रिलीज डेट को आगे बढ़ा दिया। जबकि, धुरंधर 2 उसी दिन रिलीज हो रही है। ऐसे में टॉक्सिक के पोस्टपोन होने पर एक्टर राकेश बेदी ने अपनी प्रतिक्रिया दी

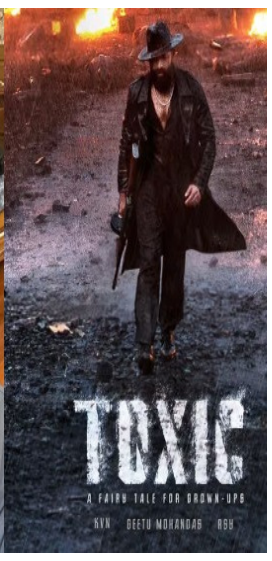

है। टॉक्सिक के मेकर्स ने इसके पोस्टपोन होने की जानकारी देते हुए बताया कि उन्होंने पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव के चलते इसे टालने का फैसला लिया है। उनके मुताबिक यह फिल्म भारतीय और विदेशी दर्शकों तक पहुंच के लिए बनाई गई है। इसलिए उन्होंने इसे पोस्टपोन करना उन्हें सही लगा। इसके साथ ही मेकर्स ने बताया कि अब टॉक्सिक 4 जून 2026 को थिएटर्स में रिलीज होगी। मेकर्स के इस फैसले पर कई लोगों ने निशाना साधा कि ह्यधुरंधर 2ह्न के डर के चलते उन्होंने इसे पोस्टपोन करने का फैसला लिया है। इन सबके बीच अब धुरंधर में जमील जमाली का किरदार निभाने वाले एक्टर राकेश बेदी ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने हाल ही में एक बातचीत में फिल्म के पोस्टपोन करने पर तंज कसा और कहा कि टेंशन तो हमारे लिए भी है पश्चिम एशिया में, पर हम तो आ रहे हैं ह्न बता दें, भले ही टॉक्सिक पोस्टपोन हो गई है, लेकिन धुरंधर 2 उसी दिन यानी 19 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज होने को तैयार है। फिल्म को लेकर दर्शकों में काफी एक्साइटमेंट देखने को मिल रही है। इसमें रणवीर सिंह, संजय दत्त, सारा अर्जुन और आर माधवन जैसे सेलेब्स नजर आएंगे। वहीं, टॉक्सिक फिल्म अब 4 जून को रिलीज होगी। फिल्म में सुपरस्टार यश लीड रोल में नजर आएंगे।

मुस्लिम बॉयफ्रेंड से शादी पर हुए विवाद पर मोनालिसा ने तोड़ी चुप्पी

क्हा-यहलव जिहाद नहीं, हिंदू रीति-रिवाज से शादी हुई

महाकुंभ की वायरल गर्ल मोनालिसा मुस्लिम लड़के फरमान खान से शादी के बाद लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। उन्होंने ये शादी अपने पिता के फैसले के खिलाफ जाकर की और उनका कहना है कि वो इस शादी से बेहद खुश हैं। वहीं, हाल ही में मोनालिसा को फिल्मों में लाने वाले डायरेक्टर सनोज मिश्रा ने उनकी शादी को लव जिहाद बताया था। शादी को लेकर हो रही

तरह-तरह की बातों के बीच अब हाल ही में मोनालिसा ने हाल ही में एक प्रेस कांफ्रेंस की और बताया कि उनकी शादी लव जिहाद नहीं, बल्कि हिंदू रीति-रिवाज से हुई है। हाल ही में केरल में प्रेस कांफ्रेंस के दौरान वायरल गर्ल मोनालिसा ने अपने पति फरमान खान संग कहा, मैंने हिंदू रीति-रिवाजों से शादी की है। यह लव जिहाद नहीं है। मैं सभी धर्मों का सम्मान करती हूं और हर धर्म को बराबर मानती हूं। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि उनके पिता फरमान संग उनकी शादी के खिलाफ थे, लेकिन मैं उनके बताए अनुसार शादी नहीं करना चाहती थी। इसके बाद उन्होंने मंदिर में फरमान संग शादी कर ली, लेकिन उनके पिता ने उनकी शादी अटेंड नहीं की। फरमान खान से मोनालिसा की शादी से आहत हुए सनोज मिश्रा ने अपने इंस्टाग्राम में लिखा था- ह्लये बगावत नहीं, लव जिहाद है और मेरी जिंदगी का सबसे बुरा दिन। मोनालिसा आज फिर चर्चा में है और मैं मानसिक अवसाद में, क्योंकि एक गरीब, जंगलों में रहने वाली लड़की, जो महाकुंभ में वायरल होने के बाद भागकर अपने डेरा महेश्वर चली गई थी मुझे उसकी गंगा जैसी पवित्रता अच्छी लगी और उसका प्रकृति जैसा रूप मैने उसको प्रशिक्षण देकर फिल्म में एक्ट्रेस बनाने की घोषणा की देश दुनिया ने स्वागत किया लेकिन ये बात हमारे विरोधियों में वसीम रिजवी और उसका मूत्रपान कर मीडिया में आने के जिज्ञासुओं को पसंद नहीं आई और मुझे झूठे आरोप में जेल भेज दिया। इसके अलावा भी उन्होंने अपने पोस्ट में मोनालिसा और उनकी शादी के बारे में काफी कुछ लिखा था।

27 वर्षीय एक्टर हरि मुरली का निधन

घर पर मृत अवस्था में मिली बॉडी

मलयालम फिल्म इंडस्ट्री से हाल ही में एक शॉकिंग खबर सामने आई है। टीवी और फिल्मों में बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट अपना करियर शुरू करने वाले एक्टर हरि मुरली का निधन हो गया है। उन्होंने महज 27 साल की उम्र में इस दुनिया को अलविदा कह दिया है। हरि मुरली के निधन की खबर से उनके करीबियों और इंडस्ट्री के बड़ा सदमा लगा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक,

हरि मुरली अपने घर पर मृत पाए गए। एक्टर के शव को पय्यन्नूर के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में शिफ्ट कर दिया गया। हालांकि, एक्टर की मौत कैसे हुई, इस बात की अभी जानकारी सामने नहीं आई है। हरि मुरली फिल्मी बैकग्राउंड से ताल्लुक रखते थे। वह थिएटर और फिल्म एक्टर के.यू मुरली के बेटे थे। उन्हें पय्यान्नूर मुरली के नाम से जाना जाता है। 27 साल के हरि ने अपने करियर में 50 से अधिक फिल्में कीं। फिल्मों में अपने काम से हरि मुरली ने मलयालम सिनेमा में अलग पहचान बना ली थी।

फिर ब्लड टेस्ट..शोएब की बात सुन भर आई दीपिका कक्कड़ की आंखें

बोलीं-मन में एक डर बैठ गया है

ससुराल सिमर का फेम दीपिका कक्कड़ की मुश्किलें खत्म होने का नाम नहीं ले रही हैं। लिवर कैंसर से जूझने के बाद पिछले दिनों एक्ट्रेस को अचानक पेट में दर्द उठा था। जांच में पता चला कि उनके पेट में सिस्ट है, जिसे उन्होंने सर्जरी से निकलवा दिया था। हालांकि, सर्जरी करवाने के बाद भी उनकी मुश्किलें खत्म नहीं हुई है। हाल ही में उनके पति व एक्टर शोएब इब्राहिम ने अपने नए ब्लॉग में दीपिका को उनके आने वाले ब्लड टेस्ट के बारे में बताते दिखे, जिसे सुनकर एक्ट्रेस काफी घबरा गईं। शोएब इब्राहिम ने अपने नए ब्लॉग में दीपिका के ब्लड टेस्ट के बारे में बताया, जिसे सुन वह इमोशनल हो गईं। शोएब बताते हैं कि उन्होंने दीपिका के लिए एक नई डाइट और रूटीन बनाया है। इसी दौरान दीपिका उन्हें कोई रेसिपी ब्लॉग बनाने के बारे में कहती हैं, लेकिन शोएब ये कहते हुए उन्हें रेसिपी ब्लॉग बनाने से मना कर देते हैं कि लंबे समय तक खड़े रहना उनकी सेहत के लिए ठीक नहीं रहेगा। इसी बीच शोएब अपनी पत्नी को याद दिलाते हैं कि ईद के बाद उनके ब्लड टेस्ट होने हैं। यह सुनते ही दीपिका भावुक होकर रोने लग जाती हैं। शोएब, दीपिका का हाल देखने के बाद कहते हैं, वैसे तो ये बहुत स्ट्रॉन्ग रहती हैं, लेकिन कभी-कभी ये सारी बातें... अब जब मैंने कहा ब्लड टेस्ट हैं तो ये सोचकर ही वो इमोशनल हो गई। इस पर दीपिका रोते हुए कहती हैं- मन में एक डर बैठ गया है। सब कहते हैं, यकीन करो। हर समय दिल से यही दुआ निकलती है कि सब ठीक रहे, लेकिन हम सब जानते हैं कि जो होना होगा, वो होगा। कोई बात नहीं। बता दें, दीपिका कक्कड़ ने पिछले साल मई में अपने स्टेज 2 लिवर कैंसर से जूझने का खुलासा किया था, जिसके बाद उनका ट्यूमर रिमूवल ऑपरेशन हुआ था। सर्जरी के बाद दीपिका ने टारगेटेड थेरिपी भी ली थी और इस बीमारी से निजात पाया था।

धुरंधर डायरेक्टर आदित्य धर के बर्थडे पर वाइफ यामी गौतम का प्यार भरा पोस्ट

लिखा- काश! मेरे पास तुम्हारी अहमियत..

धुरंधर फिल्म के निर्देशक आदित्य धर का आज बर्थडे है। 12 मार्च को आदित्य पूरे 43 साल के हो गए हैं और इस मौके पर उन्हें फैंस से लेकर करीबियों तक की शुभकामनाएं मिल रही हैं। वहीं, इस खास अवसर पर उनकी पत्नी और एक्ट्रेस यामी गौतम ने भी उन्हें खास अंदाज में बधाई दी है। पति के लिए किया यामी का ये पोस्ट सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। यामी गौतम ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पति आदित्य संग दो तस्वीरें शेयर कर कैप्शन में लिखा-काश मेरे पास तुम्हारी अहमियत बताने के लिए काफी शब्द होते, मेरे प्यारे आदित्य। शेयर की गई तस्वीरो में से एक फोटो में गोनों रेत के टीले में एक-दूजे संग मुस्कुराते नजर आ रहे हैं। वहीं, दूसरी फोटो जिम की है, जिसमें यामी अपने पति के साथ सेल्फी क्लिक करती नजर आ रही हैं। यामी ने अपने पोस्ट में लिखे कैप्शन में एक लाइम में अपने पति के लिए काफी बड़ी बात कह दी। आदित्य को बर्थडे विश करने का उनका अंदाज फैंस को भी काफी पसंद आ रहा है। इसके अलावा फैंस अलग से भी धुरंधर डायरेक्टर को बर्थडे विश कर रहे हैं। बता दें, आदित्य के निर्देशन में बनी फिल्म धुरंधर को फैंस ने खूब प्यार दिया। वहीं, बॉक्स ऑपिस में भी इस फिल्म ने रिकॉर्ड तोड़ कमाई की। इसकी जबरदस्त सफलता के बाद अब आदित्य धर जल्द ही इसके दूसरे पार्ट यानी धुरंधर द रिवेंज को ला रहे हैं, जो 19 मार्च 2026 को गुड़ी पड़वा, उगादी और ईद अल-फितर के साथ सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह फिल्म हिंदी के अलावा तेलुगु, तमिल, मलयालम और कन्नड़ भाषाओं में भी रिलीज होगी।

इंग्लैंड ने विदाई मैच में ऑस्ट्रेलिया के ख्वाजा को दिया सम्मान, गॉर्ड ऑफ ऑनर देकर किया स्वागत

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा ने अपने करियर का आखिरी टेस्ट मैच खेला। इस दौरान इंग्लैंड के क्रिकेटरों ने उन्हें गॉर्ड ऑफ ऑनर देकर सम्मानित किया। इंग्लैंड क्रिकेट टीम ने एशेज सीरीज के पांचवें टेस्ट मैच के दौरान अपना विदाई मैच खेलने वाले ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा को बड़ा सम्मान दिया। इंग्लैंड टीम के इस व्यवहार की काफी प्रशंसा हो रही है और सभी लोग उनकी सराहना कर रहे हैं। पांचवें टेस्ट मैच के अंतिम दिन जैसे ही ख्वाजा बल्लेबाजी के लिए उतरे, इंग्लैंड के खिलाड़ियों ने उन्हें गॉर्ड ऑफ ऑनर देकर उनका स्वागत किया और तालियां बजाकर ख्वाजा को सम्मान दिया। स्टीव स्मिथ के आउट होने के बाद ख्वाजा मैदान पर उतरे। ऑस्ट्रेलिया के लिए यह उनकी आखिरी पारी रही। ख्वाजा भी खुद को मिले इस सम्मान से अभिभूत हुए और उन्होंने इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स से हाथ मिलाया। ख्वाजा ने पहले ही घोषणा कर दी थी कि सिडनी टेस्ट उनके करियर का आखिरी मैच होगा। हालांकि, अपने विदाई टेस्ट मैच में ख्वाजा बड़ी पारी नहीं खेल सके और छह रन बनाकर आउट हुए। आउट होने के बाद जब ख्वाजा पवेलियन की ओर बढ़ रहे थे तो उन्होंने ग्राउंड को चूमा और दर्शकों का अभिवादन स्वीकार किया।

पश्चिम एशिया में फंसे तमिलनाडु के मछुआरे

परिवार ने सरकार से लगाई मदद की गुहार

पश्चिम एशिया (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच तमिलनाडु मछुआरों के परिवार ने अपनी चिंता व्यक्त की। दरअसल, उनके रिश्तेदार विदेशों में मछली पकड़ने वाले जहाजों और समुद्री संबंधित नौकरियों में कार्यरत है। पश्चिमी एशियाई में तनाव जारी है। इन देशों में काम करने वाले खास कर ईरान में तमिलनाडु के सैकड़ों मछुआरे युद्ध के कारण परिवहन और समुद्री गतिविधियों में बाधा आने से फंसे हुए हैं। तनाव बढ़ने के साथ ही राज्य के तटीय जिलों में रहने वाले परिवारों ने विदेशों में मछली पकड़ने वाले जहाजों और समुद्री संबंधित नौकरियों में कार्यरत अपने रिश्तेदारों की सुरक्षा को लेकर बढ़ती चिंता व्यक्त की है। तमिलनाडु मत्स्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार, राज्य के लगभग 593 मछुआरे वर्तमान में ईरान और पड़ोसी देशों में काम कर रहे हैं। इनमें से कई कन्याकुमारी, थूथुकुडी, तिरुनेलवेली, रामनाथपुरम और कुड्डालोर जैसे तटीय जिलों से आते हैं, जहां विदेशों में मछली पकड़ने का काम आजीविका का एक प्रमुख स्रोत बन गया है। परिवारों ने ही चिंता जताई अधिकारियों ने बताया कि हालांकि मछुआरों ने खुद सीधे तौर पर मदद के लिए गुहार नहीं लगाई है, लेकिन उनके परिवार वाले घर पर रहकर इस संघर्ष की खबरों के वैश्विक सुर्खियों में छाए रहने के कारण बेसब्री से जानकारी मांग रहे हैं। मत्स्य विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ह्लअभी तक हमें मछुआरों से सीधे तौर पर मदद के लिए कोई गुहार नहीं मिली है। सिर्फ उनके परिवारों ने ही चिंता जताई है। राज्य सरकार स्थिति पर कड़ी नजर रख रही है और अपनी क्षमता के अनुसार हर संभव प्रयास कर रही है।ह्व बंदरगाहों और हवाई अड्डों बंद करने से स्थिति और भी जटिल मौजूदा संघर्ष के चलते ईरानी सरकार ने बंदरगाहों और हवाई अड्डों को अस्थायी रूप से बंद कर दिया। इससे स्थिति और भी जटिल हो गई है, जिससे देश में लोगों की आवाजाही बुरी तरह बाधित हो गई है। इन प्रतिबंधों के कारण फिलहाल निकासी अभियान नहीं चलाए जा सकते। अधिकारियों ने बताया कि ईरान स्थित भारतीय दूतावास स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहा है। वहां फंसे भारतीय नागरिकों को आवश्यक सहायता दी जा रही है। इसके साथ ही हेल्पलाइन नंबर और ईमेल संपर्क विवरण भी जारी किए गए हैं। ताकि क्षेत्र में फंसे भारतीय दूतावास के अधिकारियों के संपर्क में रह सकें और जरूरत पड़ने पर सहायता प्राप्त कर सकें। दो मछुआरों को परिवार ने यचिका दायर की यह मामला कन्याकुमारी जिले के दो मछुआरों - आर. सहाया जेनिश राज और जे. जुडेलिन - के परिजनों द्वारा दायर याचिकाओं के माध्यम से मद्रास उच्च न्यायालय की मदुरै बेंच तक भी पहुंच गया है, जो कथित तौर पर ईरान में फंसे हुए हैं। सुनवाई के दौरान, केंद्र सरकार ने अदालत को सूचित किया कि हवाई और समुद्री मार्गों के बंद होने के कारण फिलहाल निकासी संभव नहीं है।

सलालाह पोर्ट पर ड्रोन से तेल टैंकरों को बनाया निशाना; खाड़ी देशों में बढ़ा तनाव

मस्कट (एजेंसी)। खाड़ी देशों में जारी तनाव के बीच ओमान के सलालाह बंदरगाह पर बड़ा ड्रोन हमला हुआ है। इस हमले में तेल के स्टोरेज टैंकों को निशाना बनाया गया है जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। शुरूआती रिपोर्टों में इस हमले के पीछे ईरान का हाथ बताया जा रहा है। खाड़ी क्षेत्र में तनाव लगातार बढ़ता जा रहा है। अमेरिका और इस्राइल के साथ चल रहे युद्ध के बीच ईरान ने अब ओमान के सलालाह बंदरगाह पर ड्रोन से हमला किया है। इस हमले में तेल के स्टोरेज टैंकों को निशाना बनाया गया है। इस घटना ने क्षेत्र में एक नया संकट पैदा कर दिया है, क्योंकि ओमान अब तक इस युद्ध में एक तटस्थ देश की भूमिका निभा रहा था। अल जजीरा और ओमान टीवी की रिपोर्ट के अनुसार, ड्रोन हमलों ने सलालाह बंदरगाह पर स्थित तेल टैंकों को काफी नुकसान पहुंचाया है। ब्रिटेन की समुद्री सुरक्षा कंपनी एम्ब्रे ने भी इस हमले की पुष्टि की है। हालांकि राहत की बात यह है कि इस हमले में किसी भी व्यापारिक जहाज को नुकसान नहीं पहुंचा है। यह हमला ईरान द्वारा खाड़ी देशों के ऊर्जा ठिकानों पर किए जा रहे हमलों का हिस्सा माना जा रहा है। ओमान के सुल्तान ने जताई कड़ी आपत्ति इस हमले के बाद ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक अल सैद ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान से संपर्क किया। सुल्तान ने ओमान की धरती पर हुए इन हमलों पर कड़ा विरोध दर्ज कराया और इसकी निंदा की। उन्होंने साफ किया कि ओमान युद्ध में किसी का पक्ष नहीं ले रहा है। सुल्तान ने कहा कि ओमान अपनी सुरक्षा और स्थिरता बनाए रखने के लिए हर जरूरी कदम उठाएगा। मध्यस्थता की कोशिशों को लगा झटका बता दें कि यह हमला उस समय हुआ जब सुल्तान हैथम ने अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई को ईरान का नया सर्वोच्च नेता बनने पर बधाई दी थी।

ईरान ने यूएन सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव को किया खारिज

राजदूत इरावानी ने अन्यायपूर्ण और गैरकानूनी बताया

ईरान (एजेंसी)। ईरान ने संयुक्त राष्ट्र कीप्रस्ताव को खारिज किया है। ईरान के राजदूत ईरावानी ने इसे अन्यायपूर्ण और गैरकानूनी बताया। इसके साथ ही उन्होंने तर्क दिया कि प्रस्ताव का पारित होना सुरक्षा परिषद की विश्वसनीयता के लिए एक गंभीर झटका है। संयुक्त राष्ट्र में ईरान के स्थायी प्रतिनिधि अमीर-सईद इरावानी ने सुरक्षा परिषद की ओर से ईरान के खिलाफ पारित किए गए प्रस्ताव पर कड़ा विरोध जताया है। सरकारी प्रसारक प्रेस टीवी की रिपोर्ट के अनुसार, बुधवार को सुरक्षा परिषद के सत्र में बोलते हुए अमीर-सईद इरावानी ने इस दस्तावेज को अन्यायपूर्ण और गैरकानूनी बताते हुए खारिज कर दिया। उन्होंने तर्क दिया कि प्रस्ताव का पारित होना सुरक्षा परिषद की विश्वसनीयता के लिए एक गंभीर झटका है। यह विश्व निकाय के इतिहास पर एक अमिट दाग छोड़ता है। अधिकार का घोर दुरुपयोग है राजदूत ने दावा किया कि यह कदम सुरक्षा परिषद के अधिकार का घोर दुरुपयोग है। इसका उद्देश्य कुछ सदस्यों के राजनीतिक एजेंडे को पूरा करना है। उन्होंने आगे कहा कि यह जमीनी हकीकतों को तोड़-मरोड़ कर पेश करता है। मौजूदा क्षेत्रीय संकट के मूल कारणों को संबोधित करने में विफल रहता है। अपने कड़े शब्दों वाले भाषण में, इरावानी ने दस्तावेज की पक्षपातपूर्ण और राजनीतिक रूप से प्रेरित प्रकृति की निंदा की। उन्होंने आरोप लगाया कि यह पीड़ित और हमलावर की भूमिकाओं को

उलट देता है। तर्क दिया कि अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया दोनों शासनों को और अधिक अपराध करने के लिए प्रोत्साहित करती है। मिशन के आधिकारिक बयानों में इस बात पर जोर दिया गया कि तेहरान परिषद के फैसले को स्वीकार नहीं करेगा। इरावानी ने इस कार्रवाई को संयुक्त राष्ट्र चार्टर और अंतरराष्ट्रीय कानून के विपरीत बताया। इसके साथ ही कहा कि यह आक्रामकता के कृत्यों के निर्धारण को नियंत्रित करने वाले स्थापित सिद्धांतों की पूरी तरह से अवहेलना करती है। ईरानी राजनयिक ने परिषद के यूरोपीय सदस्यों की भी कड़ी आलोचना की। उन्होंने दावा किया कि प्रस्ताव के लिए उनका समर्थन यह साबित करता है कि संयुक्त राष्ट्र चार्टर और अंतरराष्ट्रीय कानून की रक्षा करने के उनके दावे खोखले शब्दों से अधिक कुछ नहीं हैं। वाशिंगटन से मिले आदेश का पालन करने का आरोप लगाया इरावानी ने कहा, उनका पाखंडी और गैर-जिम्मेदाराना आचरण एक बार फिर यह दशार्ता है कि अंतरराष्ट्रीय कानून के प्रति उनकी घोषित प्रतिबद्धता की तुलना में राजनीतिक विचार अधिक महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने आगे आरोप लगाया कि ये राष्ट्र स्वतंत्र रूप से कार्य करने के बजाय केवल वाशिंगटन से मिले राजनीतिक निदेर्शों का पालन कर रहे हैं। राजनयिक दस्तावेजों के अनुसार, ईरानी दूत ने कुछ विशिष्ट सदस्यों पर अमेरिका और इस्राइल की कार्रवाइयों को नजरअंदाज करते हुए ईरान को दोषी ठहराने का एक घिनौना और स्पष्ट प्रयास करने का आरोप लगाया। उन्होंने विशेष रूप से मीनाब शहर में 170 स्कूली छात्राओं के नरसंहार का उल्लेख अनदेखी की गई क्रूरताओं के उदाहरण के रूप में किया। इरावानी के अनुसार, 28 फरवरी को हुए अवैध, अनुचित और बिना उकसावे वाले सैन्य हमले के बाद संघर्ष और बढ़ गया। उन्होंने इसे इस्लामी गणराज्य के नेता, अयातुल्ला सैयद अली खामेनेई और अन्य उच्च पदस्थ अधिकारियों की कायरतापूर्ण आतंकवादी हत्या से जोड़ा। आत्मरक्षा के अपने अधिकार का प्रयोग तेहरान की सैन्य कार्रवाई का बचाव करते हुए राजदूत ने जोर देकर कहा कि ईरान ने संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 51 के तहत आत्मरक्षा के अपने अधिकार का प्रयोग किया।

महाराष्ट्र विधानसभा में बम की धमकी निकली झूठी; जांच में नहीं मिला कुछ भी संदिग्ध

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधान भवन को गुरुवार को बजट सत्र के दौरान बम से उड़ाने की धमकी मिली। पुलिस और बम निरोधक दस्ते ने पूरे परिसर की गहन तलाशी ली, लेकिन कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। जांच के बाद पुलिस ने इस धमकी को फर्जी करार दिया है। अब पुलिस ईमेल भेजने वाले की तलाश कर रही है। मुंबई के महाराष्ट्र विधान भवन में गुरुवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब एक धमकी भरा ईमेल मिला। इस ईमेल में विधान भवन को बम से उड़ाने की बात कही गई थी। जिस समय यह धमकी मिली, वहां बजट सत्र की कार्यवाही चल रही थी। इस संदेश के मिलते ही सुरक्षा एजेंसियां और पुलिस प्रशासन तुरंत अलर्ट हो गए। एहतियात के तौर पर दक्षिण मुंबई में स्थित इस परिसर से कर्मचारियों और अन्य लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। पुलिस ने तुरंत सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए। बम निरोधक दस्ता और खोजी कुत्तों की टीम मौके पर पहुंच गई। सुरक्षाकर्मियों ने पूरी इमारत के चप्पे-चप्पे की तलाशी ली। काफी देर तक चली जांच के बाद वहां कोई भी बम या संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। जांच पूरी होने के बाद पुलिस ने साफ कर दिया कि यह धमकी पूरी तरह झूठी थी। किसी ने शरारत के मकसद से यह फर्जी ईमेल भेजा था। अब पुलिस उस व्यक्ति की पहचान करने में जुटी है जिसने यह ईमेल भेजा था। पुलिस साइबर सेल की मदद से ईमेल के आईपी एड्रेस और भेजने वाले के ठिकाने का पता लगा रही है। फिलहाल विधान भवन में स्थिति सामान्य है और सुरक्षा व्यवस्था और कड़ी कर दी गई है।

ईरान के चक्कर में फंसा स्पेन, ट्रंप बोले- सैन्य ठिकाने इस्तेमाल नहीं करने दिए तो बंद कर सकते हैं व्यापार

वॉशिंगटन (एजेंसी)। मौजूदा अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने स्पेन को चेतावनी दी है कि अगर उसने ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान में अमेरिकी ठिकानों के इस्तेमाल की अनुमति नहीं दी तो अमेरिका स्पेन के साथ व्यापार बंद करने पर विचार कर सकता है। बता दें, स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज ने युद्ध का विरोध किया है। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच मौजूदा अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नाटो सहयोगी देश स्पेन को कड़ी चेतावनी दी है। ट्रंप ने कहा है कि अगर स्पेन ईरान के खिलाफ सैन्य अभियानों के लिए अपने सैन्य ठिकानों के इस्तेमाल की अनुमति नहीं देता है तो अमेरिका उसके साथ व्यापारिक संबंधों को सीमित या बंद करने पर विचार कर सकता है। ट्रंप का यह बयान अमेरिका और स्पेन के बीच बढ़ते कूटनीतिक तनाव को दिखाता है। ट्रंप ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि वाशिंगटन इस मुद्दे को गंभीरता से देख रहा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ईरान के खिलाफ अपने सैन्य अभियानों को जारी रखेगा और सहयोगी देशों से समर्थन की उम्मीद करता है। ट्रंप ने संकेत दिया कि स्पेन का रुख बदलने के लिए अमेरिका आर्थिक कदम भी उठा सकता है। स्पेन ने अमेरिका के प्रस्ताव को क्यों ठुकराया? स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज ने स्पष्ट कहा है कि उनकी सरकार युद्ध का समर्थन नहीं करती। उन्होंने दोहराया कि स्पेन की नीति स्पष्ट है और वह युद्ध के खिलाफ खड़ा है। सांचेज ने कहा कि उनकी सरकार अपने सिद्धांतों और मूल्यों के साथ खड़ी है और किसी भी सैन्य कार्रवाई का समर्थन नहीं करेगी। ईरान के खिलाफ अमेरिका ने क्या दावा किया? ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी सेना दुनिया की सबसे शक्तिशाली सेना है और उसने ईरान के खिलाफ बड़े पैमाने पर कार्रवाई की है। उनके मुताबिक अमेरिकी हमलों से ईरान की सैन्य क्षमताओं को भारी नुकसान पहुंचा है। ट्रंप ने यह भी दावा किया कि अमेरिकी सेना ने ईरान के कई समुद्री जहाजों को नष्ट कर दिया है।

अमेरिका ने पाकिस्तान में बंद किया अपना वाणिज्य दूतावास, हर साल 75 लाख डॉलर की होगी बचत

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका खर्च कम करने के लिए पाकिस्तान के पेशावर में अपना वाणिज्य दूतावास बंद कर रहा है। यह मिशन अफगानिस्तान सीमा के पास अमेरिका का अहम रणनीतिक केंद्र था। इस फैसले से सालाना 75 लाख डॉलर की बचत होगी। अमेरिका ने पाकिस्तान के पेशावर में स्थित अपने वाणिज्य दूतावास को हमेशा के लिए बंद करने का फैसला किया है। यह राजनयिक मिशन अफगानिस्तान सीमा के सबसे करीब था। साल 2001 में अफगानिस्तान पर हमले के समय और उसके बाद भी यह जगह अमेरिका के लिए ऑपरेशंस और रसद का मुख्य केंद्र रही है। अमेरिकी विदेश विभाग ने इस हफ्ते कांग्रेस को वाणिज्य दूतावास बंद करने की योजना के बारे में बताया। विभाग का कहना है कि इस कदम से हर साल लगभग 75 लाख डॉलर की बचत होगी। अमेरिका का मानना है कि इस फैसले से पाकिस्तान में उसके राष्ट्रीय हितों को आगे बढ़ाने की क्षमता पर कोई बुरा असर नहीं पड़ेगा। 'द एसोसिएटेड प्रेस' को मिले एक नोटिस से यह जानकारी सामने आई है। यह फैसला पिछले एक साल से विचाराधीन था। ट्रंप प्रशासन ने लगभग सभी सरकारी एजेंसियों के खर्चों और आकार को छोटा करना शुरू किया है। विभाग ने साफ किया है कि इस फैसले का ईरान के साथ चल रहे तनाव से कोई लेना-देना नहीं है। हालांकि, ईरान विवाद की वजह से कराची और पेशावर जैसे शहरों में विरोध प्रदर्शन हुए थे, जिस कारण वाणिज्य दूतावास ने कुछ समय के लिए अपना काम रोक दिया था। पिछले साल अमेरिकी प्रशासन ने विदेश विभाग के बजट में बड़ी कटौती की थी। इस दौरान हजारों राजनयिकों को हटाया गया और अंतरराष्ट्रीय विकास एजेंसी (वरअक्ऊ) के स्टाफ में भी भारी कमी की गई। पेशावर वाणिज्य दूतावास पहला ऐसा विदेशी मिशन है, जिसे विभाग के पुनर्गठन की वजह से पूरी तरह बंद किया जा रहा है। नोटिस के अनुसार, पेशावर वाणिज्य दूतावास में 18 अमेरिकी राजनयिक और अन्य सरकारी अधिकारी काम करते हैं। इनके साथ ही 89 स्थानीय कर्मचारी भी वहां तैनात हैं। इस मिशन को पूरी तरह बंद करने में करीब 30 लाख डॉलर का खर्च आएगा। इस रकम का आधा हिस्सा यानी 18 लाख डॉलर उन बख्तरबंद ट्रेलरों को दूसरी जगह ले जाने में खर्च होगा, जो वहां ऑफिस के तौर पर इस्तेमाल हो रहे थे। बाकी पैसा गाड़ियों, इलेक्ट्रॉनिक सामान, टेलीकम्युनिकेशन उपकरणों और ऑफिस के फर्नीचर को इस्लामाबाद, कराची और लाहौर भेजने में इस्तेमाल होगा। अफगानिस्तान सीमा और काबुल के पास होने की वजह से पेशावर वाणिज्य दूतावास बहुत महत्वपूर्ण था। यह उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान में अमेरिकी नागरिकों और मदद चाहने वाले अफगान लोगों के लिए संपर्क का बड़ा जरिया था। अब अमेरिकी नागरिकों और अन्य लोगों को वाणिज्य दूतावास से जुड़ी सेवाएं इस्लामाबाद स्थित अमेरिकी दूतावास से मिलेंगी। इस्लामाबाद यहां से करीब 184 किलोमीटर दूर है। अमेरिकी सरकार का कहना है कि दूतावास इन सभी कामों और विदेशी मदद प्रोग्राम की निगरानी को अच्छे से संभाल लेगा।

तनाव के बीच कतर से विमानों का संचालन शुरू, भारत के लिए भी कई विमान भरेंगे उड़ान

दोहा (एजेंसी)। ईरान के हमलों के बीच कतर एयरवेज 12 से 17 मार्च तक सीमित विमानों का संचालन शुरू किया है। इससे भारत समेत कई देशों के फंसे हुए यात्रियों को राहत मिलेगी। पश्चिम एशिया में ईरान के हमलों की वजह से विमानों की आवाजाही पर बुरा असर पड़ा है। इन हमलों के कारण पश्चिम एशिया में दूसरे देशों के बहुत से नागरिक फंसे हुए हैं। इस स्थिति को देखते हुए कतर 12 मार्च से विमानों का संचालन शुरू करने जा रहा है। कतर एयरवेज ने बताया है कि दोहा से गुरुवार को कई विमान उड़ान भरेंगे। ताजा हालात के हिसाब से कतर एयरवेज 12 से 17 मार्च तक दोहा आने-जाने के लिए सीमित विमान चलाएगा। नए शेड्यूल के अनुसार 12 मार्च को हमाद इंटरनेशनल एयरपोर्ट से कुल 29 विमानों का संचालन होगा। इसमें 15 विमान रवाना होंगे और 14 विमान वहां पहुंचेंगे। दोहा से जाने वाले विमान मुख्य रूप से मुंबई, नई दिल्ली, इस्लामाबाद, न्यूयॉर्क, फ्रैंकफर्ट, बीजिंग, लंदन, काहिरा और जोहान्सबर्ग जाएंगे। वहीं सियोल, जेद्दा, नई दिल्ली, हांगकांग, मस्कट, मेलबर्न, डलास और बैंकॉक से विमान दोहा आएंगे। भारत के लिए 13 मार्च को दोहा से कोच्चि के लिए विमान चलेगा। इसके अलावा 14 मार्च को मुंबई, 15 मार्च को दिल्ली और 16 मार्च को कोच्चि और मुंबई के लिए विमान उड़ान भरेंगे। 17 मार्च को भी कोच्चि और मुंबई के लिए दोहा से विमान रवाना होगा। वापसी में कोच्चि से 14 मार्च को, मुंबई से 15 मार्च को और नई दिल्ली से 16 मार्च को दोहा के लिए विमान उड़ान भरेंगे। कतर एयरवेज ने कहा कि नागरिक उड्डयन मंत्रालय से मंजूरी मिलने के बाद उन्हें एक सीमित रास्ता (कॉरिडोर) इस्तेमाल करने की इजाजत मिली है।

अमेरिकी सांसदों ने ईरान में स्कूल पर हमले का किया विरोध

7 से 12 साल की बच्चियों की हुई मौत

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के 40 से अधिक सीनेटरों ने पेंटागन को पत्र लिखकर ईरान के मिनाब में लड़कियों के स्कूल पर हुई एयरस्ट्राइक पर जवाब मांगा। हमले में कई बच्चों की मौत हुई। सांसदों ने जांच, जवाबदेही, अंतरराष्ट्रीय कानूनों के पालन और एआई के इस्तेमाल पर भी स्पष्टीकरण मांगा। अमेरिका में ईरान पर हमले के विरोध में कई सीनेटरों ने पेंटागन को पत्र लिखकर जवाब मांगा है। 40 से अधिक यूएस सिनेटरों ने पेंटागन को पत्र लिखकर ईरान में लड़कियों के एक स्कूल पर हुए बम धमाके का विरोध किया है। इस धमाके में कथित तौर पर 168 लोग मारे गए थे। 28 फरवरी जब अमेरिका और इस्राइल पर हमला शुरू किया तब इस गोलाबारी में ईरान में लड़कियों के एक प्रथमिक विद्यालय मिनाब पर एयरस्ट्राइक हुई। इस हमले में ज्यादातक बच्चों का मौत हुई। रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ को लिखा पत्र सांसदों द्वारा रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ को लिखे पत्र में 28 फरवरी को बच्चों के एक स्कूल पर की गई एयरस्ट्राइक को लेकर चिंता जताई गई है। साथ ही पेंटागन से इस पर जवाब मांगा है। इस पत्र को लिखने वाले समूह में सीनेटर क्रिस वैन होलेन, टिम केन, एलिजाबेथ वॉरेन और ब्रायन शैट्ज प्रमुख है। इसे सीनेट डेमोक्रेटिक लीडर चक शूमर के साथ-साथ 40 से ज्यादा दूसरे सांसदों का समर्थन मिला है। सीनेटरों ने पत्र में बताया कि ईरान के खिलाफ जंग बिना कांग्रेस की मंजूरी के शुरू की गई है। साथ ही यह भी कहा गया कि अमेरिका और इस्राइल दोनों के जंग के दौरान अमेरिका और अंतरराष्ट्रीय कानूनों का पालन करना चाहिए। हमलों में मारे गए लोगों में ज्यादातर 7 से 12 साल की लड़कियां थीं जांच और नतीजों को सार्वजनिक करने की मांग सीनेटरों ने कहा स्कूल पर हुए हमलों और आम लोगों को नुकसान पहुंचाने वाली किसी भी दूसरी अमेरिकी मिलिट्री कार्रवाई की तुरंत जांच होनी चाहिए

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 | Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 | Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वालियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।

E-Mail : mantragwalior@gmail.com | सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी | वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।